मुक्त चिंतन

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय

(उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित)

A Quarterly Bulletin of UP Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj

हम पहुंचे वहां पहुंचा न कोई जहां

01 मार्च, 2021

पंचदश दीक्षान्त समारोह – प्रेस वार्ता

PRESS

CONFERENCE

PROF. K.N. SINGH

VC

U.P. R.T. OPEN UNIVERSITY,

PRAYAGRAJ

गोरखपुर की लक्ष्मी गुप्ता को मिलेगा कुलाधिपति स्वर्ण पदक

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त वि”वविद्यालय का 15वां दीक्षान्त समारोह 04 मार्च को

सुप्रसिद्ध विचारक मुकुल कानिटकर देंगे दीक्षान्त भाषण

19 को स्वर्ण पदक तथा 28659 छात्रों को मिलेगी उपाधि

उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त वि”वविद्यालय, प्रयागराज का 15वां दीक्षान्त समारोह आगामी 04 मार्च 2021 को पूर्वान्ह 10.00 बजे सरस्वती परिसर स्थित नवनिर्मित आडिटोरियम में कोविड–19 प्रोटोकाल का अनुपालन करते हुए आयोजित किया जायेगा। दीक्षान्त समारोह की अध्यक्षता राज्यपाल एवं कुलाधिपति माननीया श्रीमती आनंदीबेन पटेल करेंगी। दीक्षान्त समारोह के मुख्य अतिथि श्री मुकुल कानिटकर, अखिल भारतीय संगठन मंत्री, भारतीय f”क्षण मण्डल, नागपुर दीक्षान्त भाषण देंगे। 15वें दीक्षान्त समारोह म विभिन्न विद्या”ााखाओं में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले f”क्षार्थियों को 19 स्वर्ण पदक प्रदान किये जायेंगें, जिनमें 05 स्वर्ण पदक छात्रों तथा 14 स्वर्णपदक छात्राओं की झोली में जायेंगे। दीक्षान्त समारोह में सत्र दिसम्बर 2019 तथा जून 2020 की परीक्षा के सापेक्ष उत्तीर्ण लगभग 28659 हजार f”क्षार्थियों को उपाधि प्रदान की जायेगी, जिसमें 15492 पुरूष तथा 13167 महिला f”क्षार्थी हैं। यह जानकारी कुलपति प्रो. कामे”वर नाथ सिंह ने सोमवार दिनांक 01 मार्च, 2021 को आयोजित पत्रकार वार्ता में दी।

सभागार में उपस्थित विश्वविद्यालय के निदेशकगण

एवं पत्रकार बन्धु।

प्रेस वार्ता करते हुए माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी

प्रो0 सिंह ने बताया कि सरस्वती परिसर स्थित नवनिर्मित आडिटोरियम में दीक्षान्त समारोह के भव्य आयोजन के लिये सभी आव"यक तैयारियां कर दी गयो हैं। दीक्षान्त समारोह में शामिल होकर उपाधि प्राप्त करने के लिये लगभग 556 f"k{kkfFkZ;ksa ने आनलाइन पंजीकरण कराया है। वि"वविद्यालय से हिन्दी, कम्प्यूटर साइंस और कामर्स में शोध कार्य (पी–एच0डी0) पूर्ण करने वाले तीन f"क्षार्थियों को दीक्षान्त समारोह में शोध उपाधि प्रदान की जायेगी। दीक्षान्त समारोह में शामिल होने के लिये सम्पूर्ण उत्तर प्रदे"ा से f"क्षार्थी आ रहे हैं। उनमें काफी उत्साह है। यह दीक्षान्त समारोह भारतीय पारम्परिक परिधान में आयोजित किया जायेगा। दीक्षान्त समारोह में उपाधि प्राप्त करने वाले छात्र–छात्राओं के लिये सफेद धोती कुर्ता या पाजामा/पीली साड़ी या सलवार सूट निर्धारित किया गया है।

प्रो0 सिंह ने बताया कि 15वें दीक्षान्त समारोह में **कुलाधिपति स्वर्ण पदक** गोरखपुर क्षेत्रीय केन्द्र के अन्तर्गत आने वाले अध्ययन केन्द्र दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर वि"वविद्यालय, गोरखपुर की छात्रा **लक्ष्मी गुप्ता** को दिया जायेगा। लक्ष्मी गुप्ता ने बी0एड0 विषय की परीक्षा प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण की तथा समस्त विद्या"ाखाओं की स्नातक एवं स्नातकोत्तर परीक्षाओं में उत्तीर्ण समस्त स्नातक/परास्नातक f"क्षार्थियों में सर्वाधिक 82.07 प्रति"ात अंक प्राप्त किये।

कुलपति प्रो0 सिंह ने बताया कि **विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक** इस बार **स्नातकोत्तर वर्ग** में विद्या"ाखाओं के 05 टापर्स को दिए जा रहे है, जिसमें मानविकी विद्या"ाखा से वि"वविद्यालय स्वर्ण पदक सिंगासनी देवी महिला महाविद्यालय, नेमा, देवरिया अध्ययन केन्द्र से पंजीकृत एम0ए0 (संस्कृत) के छात्र रंजय कुमार सिंह को, समाज विज्ञान विद्या"ाखा से वि"वविद्यालय स्वर्ण पदक किसान मजदूर महाविद्यालय, भीटी, मऊ अध्ययन केन्द्र से पंजीकृत एम0ए0 (राजनीति"ाास्त्र) के छात्र रजत वि"वकर्मा को, प्रबन्धन अध्ययन विद्या"ाखा से वि"वविद्यालय स्वर्ण पदक, श्री रति राम महाविद्यालय, नन्दगांव, मथुरा अध्ययन केन्द्र से पंजीकृत एम0काम0 की छात्रा तिवारी स्वाति रमा"ांकर को, f"क्षा विद्या"ाखा से वि"वविद्यालय स्वर्ण पदक, श्री बाबा साधवराम महाविद्यालय, कोईनहां, बरसरा खालसा, आजमगढ़ अध्ययन केन्द्र से पंजीकृत एम0ए0 (f"क्षा"ाास्त्र) की छात्रा नेहा सिंह को तथा विज्ञान विद्या"ाखा से वि"वविद्यालय स्वर्ण पदक, श्री रति राम महाविद्यालय, नंदगांव, मथुरा अध्ययन केन्द्र से पंजीकृत एम0एस0सी0 (बायोकेमिस्ट्री) के छात्र स्वप्निल चौहान को दिया जायेगा।

इसी प्रकार **स्नातक वर्ग** में **विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक** इस बार विद्या”ाखाओं के 6 टापर्स को दिया जायेगा। जिसमें मानविकी विद्या”ाखा से वि”वविद्यालय स्वर्ण पदक, सरदार पटेल स्मारक महाविद्यालय, लारपुर रोड, अम्बेडकरनगर अध्ययन केन्द्र से पंजीकृत स्नातक (बी0ए0) की छात्रा विभा यादव को, समाज विज्ञान विद्या”ाखा से वि”वविद्यालय स्वर्ण पदक, रामस्वरूप ग्रामोद्योग स्नातकोत्तर महाविद्यालय, पुखरायां, कानपुर देहात अध्ययन केन्द्र से पंजीकृत स्नातक (बी0ए0) की छात्रा रिद्धि सिंह को, प्रबन्धन अध्ययन विद्या”ाखा से वि”वविद्यालय स्वर्ण पदक, श्री रति राम महाविद्यालय, नंदगांव, मथुरा अध्ययन केन्द्र से पंजीकृत स्नातक (बी0कॉम0) की छात्रा अंजली को, कम्प्यूटर एवं सूचना विज्ञान विद्या”ाखा से वि”वविद्यालय स्वर्ण पदक, सर्वोदय कालेज आफ टेक्नोलॉजी एण्ड मैनेजमेंट, देवरिया अध्ययन केन्द्र से पंजीकृत स्नातक (बी0सी0ए0) की छात्रा वीनस चौरसिया को, ि”ाक्षा विद्या”ाखा से वि”वविद्यालय स्वर्ण पदक, दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर वि”वविद्यालय, गोरखपुर अध्ययन केन्द्र से पंजीकृत स्नातक (बी0एड0) की छात्रा लक्ष्मी गुप्ता को तथा विज्ञान विद्या”ाखा से वि”वविद्यालय स्वर्ण पदक, श्री बाबा साधवराम महाविद्यालय, कोईनहां, बरसरा खालसा, आजमगढ़ अध्ययन केन्द्र से पंजीकृत स्नातक (बी0एस0सी0) के छात्र अभिनन्दन यादव को प्रदान किया जायेगा।

प्रो0 सिंह ने बताया कि इस बार आठ मेधावी ि”ाक्षार्थियों को दानदाता स्वर्ण पदक से सम्मानित किया जायेगा जिसमें बाबू ओमप्रका”ा गुप्त स्मृति स्वर्ण पदक, दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर वि”वविद्यालय, गोरखपुर अध्ययन केन्द्र से पंजीकृत बी0एड0 की छात्रा लक्ष्मी गुप्ता को, श्री कैला”ापत नेवेटिया स्मृति स्वर्ण पदक क्षेत्रीय केन्द्र, प्रयागराज अध्ययन केन्द्र से पंजीकृत छात्रा शगुफ्ता खान को, स्व0 अनिल मीना चक्रवर्ती स्मृति स्वर्ण पदक स्नातक वर्ग में रामस्वरूप ग्रामोद्योग स्नातकोत्तर महाविद्यालय, पुखरायां, कानपुर देहात अध्ययन केन्द्र से पंजीकृत स्नातक (बी0ए0) की छात्रा रिद्धि सिंह को तथा एम0ए0 समाजकार्य में क्षेत्रीय अध्ययन केन्द्र गोरखपुर से पंजीकृत छात्रा आ”ाा यादव को दिया जायेगा। इसके साथ ही तीन अन्य दानदाता स्वर्ण पदक भी मेधावी छात्रों को दिये जायेंगे। जिसमें प्रो0 एम0पी0 दुबे पर्यावरण/गांधी चिन्तन एवं शान्ति अध्ययन उत्कृष्टता स्वर्ण पदक, मोतीलाल नेहरू डिग्री कालेज, कौंधियारा, प्रयागराज अध्ययन केन्द्र से पंजीकृत मनीष कुमार मिश्रा तथा प्रो0 एम0पी0 दुबे दिव्यांग मेधा स्वर्णपदक टी0डी0 कालेज, जौनपुर अध्ययन केन्द्र से पंजीकृत छात्र शाहनवाज सिद्दिकी को दिया जायेगा। महान राष्ट्रकवि श्रद्धेय पं0 सोहन लाल द्विवेदी स्मृति स्वर्णपदक श्री बाबा साधवराम महाविद्यालय, कोईनहां, बरसरा खालसा, आजमगढ़ अध्ययन केन्द्र से पंजीकृत एम0ए0 (हिन्दी) की छात्रा निकिता को दिया जायेगा। प्रो0 सिंह ने बताया कि यह एक अभूतपूर्व समारोह होगा, जिसमें जनपद के जूनियर हाईस्कूल के चयनित विद्यार्थियों सहित स्वावलम्बी महिलाओं का स्वयं सहायता समूह भी शामिल होगा जो इस सारस्वत समारोह से प्रेरणा ले सकें।

प्रो0 सिंह ने बताया कि वि”वविद्यालय का 15वां दीक्षान्त समारोह पॉलिथिन मुक्त होगा। इसके साथ ही क्लीन कैम्पस–ग्रीन कैम्पस के सिद्धान्त पर परिसर में हरियाली पर वि”ोष ध्यान दिया जा रहा है। समारोह स्थल के आस–पास कोविड–19 के प्रोटोकाल के अनुपालन के साथ साथ, साफ सफाई तथा पार्किंग की पर्याप्त व्यवस्था की जा रही है। दीक्षान्त समारोह में विभिन्न स्थानों से उपाधि प्राप्त करने के लिये आने वाले ि”ाक्षार्थियों के उत्साह को देखते हुए वि”वविद्यालय द्वारा उपाधि वितरण की समुचित व्यवस्था की गयी है। दीक्षान्त समारोह में शामिल होने वाले ि”ाक्षार्थियों को उत्तरीय 03 मार्च को शांतिपुरम, फाफामऊ स्थित वि”वविद्यालय मुख्यालय से वितरित किये जायेंगे।

COVERAGE INDIA
खबर पल - पल की

RS SEEDS & AGRITECH PVT. LTD.
किसानों की उन्नति का बीज
उत्तर प्रदेश के सभी जनपदों में
मो. 9454947116 डिस्ट्रीब्यूटरशिप के लिये सम्पर्क करें

यूपी राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय का 15वां दीक्षान्त समारोह 4 मार्च को, गोरखपुर की लक्ष्मी गुप्ता को मिलेगा कुलाधिपति स्वर्ण पदक

1 min read

3 hours ago Coverage India

कुलदीप शुक्ला। कवरेज इण्डिया न्यूज़ डेस्क प्रयागराज

राजर्षि टंडन मुक्त विश्व विद्यालय, प्रयागराज का 15वां दीक्षान्त समारोह आगामी 04 मार्च 2021 को पूर्वान्ह 10.00 बजे सरस्वती परिसर स्थित नवनिर्मित आडिटोरियम में कोविड-19 प्रोटोकाल का अनुपालन करते हुए आयोजित किया जायेगा। दीक्षान्त समारोह की अध्यक्षता राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल करेंगी। दीक्षान्त समारोह के मुख्य अतिथि श्री मुकुल कानिटकर, अखिल भारतीय संगठन मंत्री, भारतीय शिक्षण मण्डल, नागपुर दीक्षान्त भाषण देंगे। 15वें दीक्षान्त समारोह में विभिन्न विद्याशाखाओं में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले शिक्षार्थियों को 19 स्वर्ण पदक प्रदान किये जायेंगें, जिनमें 05 स्वर्ण पदक छात्रों तथा 14 स्वर्णपदक छात्राओं की झोली में जायेंगे। दीक्षान्त समारोह में सत्र दिसम्बर 2019 तथा जून 2020 की परीक्षा के सापेक्ष उत्तीर्ण लगभग 28659 हजार शिक्षार्थियों को उपाधि प्रदान की जायेगी, जिसमें 15492 पुरूष तथा 13167 महिला शिक्षार्थी हैं। यह जानकारी कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने सोमवार को आयोजित पत्रकार वार्ता में दी।

प्रो0 सिंह ने बताया कि सरस्वती परिसर स्थित नवनिर्मित आडिटोरियम में दीक्षान्त समारोह के भव्य आयोजन के लिये सभी आवश्यक तैयारियां कर दी गयी हैं। दीक्षान्त समारोह में शामिल होकर उपाधि प्राप्त करने के लिये लगभग 556 शिक्षार्थियों ने आनलाइन पंजीकरण कराया है। विश्वविद्यालय से हिन्दी, कम्प्यूटर साइंस और कामर्स में शोध कार्य (पी-एच0डी0) पूर्ण करने वाले तीन शिक्षार्थियों को दीक्षान्त समारोह में शोध उपाधि प्रदान की जायेगी। दीक्षान्त समारोह में शामिल होने के लिये सम्पूर्ण उत्तर प्रदेश से शिक्षार्थी आ रहे हैं। उनमें काफी उत्साह है। यह दीक्षान्त समारोह भारतीय पारम्परिक परिधान में आयोजित किया जायेगा। दीक्षान्त समारोह में उपाधि प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं के लिये सफेद धोती कुर्ता या पाजामा/पीली साड़ी या सलवार सूट निर्धारित किया गया है।

प्रो0 सिंह ने बताया कि 15वें दीक्षान्त समारोह में कुलाधिपति स्वर्ण पदक गोरखपुर क्षेत्रीय केन्द्र के अन्तर्गत आने वाले अध्ययन केन्द्र दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर की छात्रा लक्ष्मी गुप्ता को दिया जायेगा। लक्ष्मी गुप्ता ने बी0एड0 विषय की परीक्षा प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण की तथा समस्त विद्याशाखाओं की स्नातक एवं स्नातकोत्तर परीक्षाओं में उत्तीर्ण समस्त स्नातक/परास्नातक शिक्षार्थियों में सर्वाधिक 82.07 प्रतिशत अंक प्राप्त किये।

कुलपति प्रो0 सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक इस बार स्नातकोत्तर वर्ग में विद्याशाखाओं के 05 टापर्स को दिए जा रहे है, जिसमें मानविकी विद्याशाखा से विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक सिंगासनी देवी महिला महाविद्यालय, नेमा, देवरिया अध्ययन केन्द्र से पंजीकृत एम0ए0 (संस्कृत) के छात्र रंजय कुमार सिंह को, समाज विज्ञान विद्याशाखा से विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक किसान मजदूर महाविद्यालय, भीटी, मऊ अध्ययन केन्द्र से पंजीकृत एम0ए0 (राजनीतिशास्त्र) के छात्र रजत विश्वकर्मा को, प्रबन्धन अध्ययन विद्याशाखा से विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक, श्री रति राम महाविद्यालय, नन्दगांव, मथुरा अध्ययन केन्द्र से पंजीकृत एम0काम0 की छात्रा तिवारी स्वाति रमाशंकर को, शिक्षा विद्याशाखा से विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक, श्री बाबा साधवराम महाविद्यालय, कोईनहां, बरसरा खालसा, आजमगढ़ अध्ययन केन्द्र से पंजीकृत एम0ए0 (शिक्षाशास्त्र) की छात्रा नेहा सिंह को तथा विज्ञान विद्याशाखा से विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक, श्री रति राम महाविद्यालय, नंदगांव, मथुरा अध्ययन केन्द्र से पंजीकृत एम0एस0सी0 (बायोकेमिस्ट्री) के छात्र स्वप्निल चैहान को दिया जायेगा।

इसी प्रकार स्नातक वर्ग में विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक इस बार विद्याशाखाओं के 6 टापर्स को दिया जायेगा। जिसमें मानविकी विद्याशाखा से विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक, सरदार पटेल स्मारक महाविद्यालय, लारपुर रोड, अम्बेडकरनगर अध्ययन केन्द्र से पंजीकृत स्नातक (बी0ए0) की छात्रा विभा यादव को, समाज विज्ञान विद्याशाखा से विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक, रामस्वरूप ग्रामोद्योग स्नातकोत्तर महाविद्यालय, पुखरायां, कानपुर देहात अध्ययन केन्द्र से पंजीकृत स्नातक (बी0ए0) की छात्रा रिद्धि सिंह को, प्रबन्धन अध्ययन विद्याशाखा से विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक, श्री रति राम महाविद्यालय, नंदगांव, मथुरा अध्ययन केन्द्र से पंजीकृत स्नातक (बी0कॉम0) की छात्रा अंजली को, कम्प्यूटर एवं सूचना विज्ञान विद्याशाखा से विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक, सर्वोदय कालेज आफ टेक्नोलॉजी एण्ड मैनेजमेंट, देवरिया अध्ययन केन्द्र से पंजीकृत स्नातक (बी0सी0ए0) की छात्रा वीनस चैरसिया को, शिक्षा विद्याशाखा से विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक, दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर अध्ययन केन्द्र से पंजीकृत स्नातक (बी0एड0) की छात्रा लक्ष्मी गुप्ता को तथा विज्ञान विद्याशाखा से विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक, श्री बाबा साधवराम महाविद्यालय, कोईनहां, बरसरा खालसा, आजमगढ़ अध्ययन केन्द्र से पंजीकृत स्नातक (बी0एस0सी0) के छात्र अभिनन्दन यादव को प्रदान किया जायेगा।

प्रो0 सिंह ने बताया कि इस बार आठ मेधावी शिक्षार्थियों को दानदाता स्वर्ण पदक से सम्मानित किया जायेगा जिसमें बाबू ओमप्रकाश गुप्त स्मृति स्वर्ण पदक, दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर अध्ययन केन्द्र से पंजीकृत बी0एड0 की छात्रा लक्ष्मी गुप्ता को, श्री कैलाशपत नेवेटिया स्मृति स्वर्ण पदक क्षेत्रीय केन्द्र, प्रयागराज अध्ययन केन्द्र से पंजीकृत छात्रा शगुफ्ता खान को, स्व0 अनिल मीना चक्रवर्ती स्मृति स्वर्ण पदक स्नातक वर्ग में रामस्वरूप ग्रामोद्योग स्नातकोत्तर महाविद्यालय, पुखरायां, कानपुर देहात अध्ययन केन्द्र से पंजीकृत स्नातक (बी0ए0) की छात्रा रिद्धि सिंह को तथा एम0ए0 समाजकार्य में क्षेत्रीय अध्ययन केन्द्र गोरखपुर से पंजीकृत छात्रा आशा यादव को दिया जायेगा।

इसके साथ ही तीन अन्य दानदाता स्वर्ण पदक भी मेधावी छात्रों को दिये जायेंगे। जिसमें प्रो0 एम0पी0 दुबे पर्यावरण/गांधी चिन्तन एवं शान्ति अध्ययन उत्कृष्टता स्वर्ण पदक, मोतीलाल नेहरू डिग्री कालेज, कौंधियारा, प्रयागराज अध्ययन केन्द्र से पंजीकृत मनीष कुमार मिश्रा तथा प्रो0 एम0पी0 दुबे दिव्यांग मेधा स्वर्णपदक टी0डी0 कालेज, जौनपुर अध्ययन केन्द्र से पंजीकृत छात्र शाहनवाज सिद्दिकी को दिया जायेगा। महान राष्ट्रकवि श्रद्धेय पं0 सोहन लाल द्विवेदी स्मृति स्वर्णपदक श्री बाबा साधवराम महाविद्यालय, कोईनहां, बरसरा खालसा, आजमगढ़ अध्ययन केन्द्र से पंजीकृत एम0ए0 (हिन्दी) की छात्रा निकिता को दिया जायेगा।

प्रो0 सिंह ने बताया कि यह एक अभूतपूर्व समारोह होगा, जिसमें जनपद के जूनियर हाईस्कूल के चयनित विद्यार्थियों सहित स्वावलम्बी महिलाओं का स्वयं सहायता समूह भी शामिल होगा जो इस सारस्वत समारोह से प्रेरणा ले सकें।

उत्तर प्रदेश/उत्तराखंड से एक साथ प्रकाशित

दैनिक भास्कर लाइव

मंगलवार, 02 मार्च, 2021

www.dainikbhaskarup.com E-mail: khabardainikbhaskar@gmail.com

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय का 15वां दीक्षान्त समारोह 4 मार्च को

लक्ष्मी गुप्ता को मिलेगा कुलाधिपति स्वर्ण पदक

19 छात्रों को मिलेगा स्वर्ण पदक तथा 28659 छात्रों को मिलेगी उपाधि

भास्कर समाचार सेवा

प्रयागराज। उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज का 15वां दीक्षान्त समारोह आगामी 4 मार्च 2021 को पूर्वान्ह 10 बजे सरस्वती परिसर स्थित नवनिर्मित आडिटोरियम में कोविड-19 प्रोटोकाल का अनुपालन करते हुए आयोजित किया जायेगा।

दीक्षान्त समारोह की अध्यक्षता राज्यपाल एवं कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल करेंगी। दीक्षान्त समारोह के मुख्य अतिथि मुकुल कानिटकर, अखिल भारतीय संगठन मंत्री, भारतीय शिक्षण मण्डल, नागपुर दीक्षान्त भाषण देंगे। 15वें दीक्षान्त समारोह में विभिन्न विद्याशाखाओं में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले शिक्षार्थियों को 19 स्वर्ण पदक प्रदान किये जायेंगें, जिनमें 5 स्वर्ण पदक छात्रों तथा 14 स्वर्णपदक छात्राओं की झोली में जायेंगे। दीक्षान्त समारोह में सत्र दिसम्बर 2019 तथा जून 2020 की परीक्षा के सापेक्ष उत्तीर्ण लगभग 28659 हजार शिक्षार्थियों को उपाधि प्रदान की जायेगी, जिसमें 15492 पुरूष तथा 13167 महिला शिक्षार्थी हैं। यह जानकारी कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने सोमवार को आयोजित पत्रकार वार्ता में दी। प्रो. सिंह ने बताया कि सरस्वती परिसर स्थित नवनिर्मित आडिटोरियम में दीक्षान्त समारोह के भव्य आयोजन के लिये सभी आवश्यक तैयारियां कर दी गयी हैं। दीक्षान्त समारोह में शामिल होकर उपाधि प्राप्त करने के लिये लगभग 556 शिक्षार्थियों ने ऑनलाइन पंजीकरण कराया है। विश्वविद्यालय से हिन्दी, कम्प्यूटर साइंस और कामर्स में शोध कार्य (पी-एच0डी0) पूर्ण करने वाले तीन शिक्षार्थियों को दीक्षान्त समारोह में शोध उपाधि प्रदान की जायेगी। दीक्षान्त समारोह में शामिल होने के लिये सम्पूर्ण उत्तर प्रदेश से शिक्षार्थी आ रहे हैं। उनमें काफी उत्साह है। यह दीक्षान्त समारोह भारतीय पारम्परिक परिधान में आयोजित किया जायेगा। दीक्षान्त समारोह में उपाधि प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं के लिये सफेद धोती कुर्ता या पाजामा/पीली साड़ी या सलवार सूट निर्धारित किया गया है। प्रो0 सिंह ने बताया कि 15वें दीक्षान्त समारोह में कुलाधिपति स्वर्ण पदक गोरखपुर क्षेत्रीय केन्द्र के अन्तर्गत आने वाले अध्ययन केन्द्र दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर की छात्रा लक्ष्मी गुप्ता को दिया जायेगा। लक्ष्मी गुप्ता ने बी0एड0 विषय की परीक्षा प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण की तथा समस्त विद्याशाखाओं की स्नातक एवं स्नातकोत्तर परीक्षाओं में उत्तीर्ण समस्त स्नातक/परास्नातक शिक्षार्थियों में सर्वाधिक 82.07 प्रतिशत अंक प्राप्त किये। इसी प्रकार स्नातक वर्ग में विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक इस बार विद्याशाखाओं के 6 टापर्स को दिया जायेगा। जिसमें मानविकी विद्याशाखा से विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक, सरदार पटेल स्मारक महाविद्यालय, लारपुर रोड, अम्बेडकरनगर अध्ययन केन्द्र से पंजीकृत स्नातक (बी0ए0) की छात्रा विभा यादव को, समाज विज्ञान विद्याशाखा से विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक, रामस्वरूप ग्रामोद्योग स्नातकोत्तर महाविद्यालय, पुखरायां, कानपुर देहात अध्ययन केन्द्र से पंजीकृत स्नातक (बी0ए0) की छात्रा रिद्धि सिंह को, प्रबन्धन अध्ययन विद्याशाखा से विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक, श्री रति राम महाविद्यालय, नंदगांव, मथुरा अध्ययन केन्द्र से पंजीकृत स्नातक (बीकॉम) की छात्रा अंजली को, कम्प्यूटर एवं सूचना विज्ञान विद्याशाखा से विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक, सर्वोदय कालेज आफ टेक्नोलॉजी एण्ड मैनेजमेंट आदि को दिया जायेगा।

R.N.I. UPHIN/2012/52437

Website : www.mantrabharat.com

संस्करण : प्रयागराज

वर्ष : 07

अंक : 131

पृष्ठ : 8

मूल्य : 1.00

मंगलवार, 2 मार्च, 2021

जुनून है सच लिखने का

डाक पंजीयन संख्या :-

मंत्र भारत

हिन्दी दैनिक

प्रयागराज, लखनऊ एवं मुम्बई से एक साथ प्रकाशित एवं प्रतापगढ़, कौशाम्बी, भदोही, मिर्जापुर व वाराणसी से प्रसारित

राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय का 15वां दीक्षान्त समारोह 4 मार्च को

दीक्षांत समारोह में छात्राओं की झोली में होंगे कुलाधिपति स्वर्ण समेत 14 मेडल

संवाददाता

प्रयागराज। राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय का 15वां दीक्षान्त समारोह 4 मार्च को सुबह 10 बजे सरस्वती परिसर स्थित नवनिर्मित ऑडिटोरियम मे होगा। इस समारोह मे कुलाधिपति स्वर्ण पदक समेत 14 मेडल छात्राओं की झोली मे जाएगा। इसकी जानकारी कुलपति प्रो. केएन सिंह ने सोमवार को प्रेसवार्ता मे दी।

समारोह में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय अध्ययन केंद्र की लक्ष्मी गुप्ता को प्रतिष्ठित कुलाधिपति स्वर्ण पदक से कुलाधिपति आनंदी बेन पटेल सम्मानित करेंगी। लक्ष्मी ने बीएड की परीक्षा प्रथम श्रेणी मे उत्तीर्ण की है। लक्ष्मी ने इससे पूर्व सनतक और सनतकोत्तर मे भी सर्वाधिक 82.07 फीसद अंक हासिल किए थे। मुख्य अतिथि भारतीय शिक्षण मंडल नागपुर के अखिल भारतीय संगठन मंत्री मुकुल कानिटकर होंगे। सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्याथियो को 19 स्वर्ण पदक प्रदान किए जाएंगे, जिनमे 5 छात्रो तथा 14 स्वर्णपदक छात्राओं की झोली मे जाएंगे। लगभग 28659 विद्याथियो को उपाधि प्रदान की जाएगी, जिसमे 15492 पुरुष तथा 13167 महिला शिक्षार्थी हैं। समारोह मे शामिल होकर उपाधि प्राप्त करने के लिए लगभग 556 शिक्षाथियो ने ऑनलाइन पंजीकरण कराया है। विश्वविद्यालय से हिन्दी, कम्प्यूटर साइंस और कामर्स मे शोध कार्य (पीएचडी) पूर्ण करने वाले तीन शिक्षाथियो को दीक्षान्त समारोह मे शोध उपाधि प्रदान की जाएगी।

सनतकोत्तर वर्ग मे देवरिया स्थित सिंगासनी देवी महिला महाविद्यालय अध्ययन केंद्र मे एमए संस्कृत के छात्र रंजय कुमार सिंह, मऊ के भीटी स्थित किसान मजदूर महाविद्यालय मे एमए राजनीति शास्त्र के छात्र रजत विश्वकर्मा, मथुरा के नंदगांव स्थित श्री रतिराम महाविद्यालय मे एमकॉम की छात्रा तिवारी स्वाति रमाशंकर और एमएससी बॉयोकेमेस्ट्री के छात्र स्वपिन्ल चौहान के अलावा आजमगढ़ के बरसरा खालसा (कोइनहां) स्थित श्री बाबा साधवराम महाविद्यालय मे एमए शिक्षाशास्त्र की छात्रा नेहा सिंह को विवि स्वर्ण पदक दिया जाएगा।

अंबेडकरनगर के लारपुर रोड स्थित सरदार पटेल स्मारक महाविद्यालय अध्ययन केंद्र मे बीए की छात्रा विभा यादव, कानपुर देहात के पुखरायां स्थित रामस्वरूप ग्रामोद्योग सनतकोत्तर महाविद्यालय मे बीए की छात्रा रिद्धि सिंह, मथुरा के नंदगांव स्थित श्री रतिराम महाविद्यालय मे बीकॉम की छात्रा अंजली, देवरिया स्थित सर्वोदय कॉलेज ऑफ टेक्नेलॉजी एंड मैनेजमेंट मे बीसीए की छात्रा वीनस चौरसिया, दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय मे बीएड की छात्रा लक्ष्मी गुप्ता, आजमगढ़ के बरसरा खालसा (कोइनहां) स्थित श्री बाबा साधवराम महाविद्यालय मे बीएससी के छात्र अभिनंदन यादव को सनतक वर्ग मे विवि स्वर्ण पदक दिया जाएगा। दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय मे बीएड की छात्रा लक्ष्मी गुप्ता को बाबू ओम्प्रकाश गुप्त स्मृति स्वर्ण पदक, प्रयागराज केंद्र की छात्रा शगुफ्ता खान को श्री कैलाशपत नेवेटिया स्मृति स्वर्ण पदक, कानपुर देहात के पुखरायां स्थित रामस्वरूप ग्रामोद्योग सनतकोत्तर महाविद्यालय मे बीए की छात्रा रिद्धि सिंह को स्वर्गीय अनिल मीना चक्रवर्ती स्मृति स्वर्ण पदक, गोरखपुर क्षेत्रीय केंद्र मे एमए समाजकार्य की छात्रा आशा यादव को स्वर्गीय अनिल मीना चक्रवर्ती स्मृति स्वर्ण पदक, प्रयागराज के कौंधियारा स्थित मोतीलाल नेहरू डिग्री कॉलेज मे एमए इतिहास के छात्र मनीष कुमार मिश्र को प्रो. एमपी दुबे पर्यावरण/गांधी चिंतन एवं शांति अध्ययन उत्कृष्टता स्वर्ण पदक, जौनपुर स्थित टीडी कॉलेज केंद्र मे बीएड के छात्र शाहनवाज सिद्दीकी को प्रो. एमपी दुबे दिव्यांग मेधा स्वर्ण पदक और आजमगढ़ के कोइनहां स्थित बाबा साधव राम महाविद्यालय में एमए इक्षहदी की छात्रा निकिता को महान राष्ट्रकवि श्रद्धेय पं. सोहन लाल द्विवेदी स्मृति स्वर्ण पदक से सम्मानित किया जाएगा।

दीक्षान्त समारोह भारतीय पारम्परिक परिधान मे आयोजित किया जायेगा। दीक्षान्त समारोह मे उपाधि प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओ के लिये सफेद धोती कुर्ता या पाजामा/पीली साड़ी या सलवार सूट निर्धारित किया गया है।

वूमेन एक्सप्रेस
www.womenexpress.in
Email: thewomenexpress@gmail.com
Women Express tv
• वर्ष 9 • अंक 15 • हिन्दी दैनिक • नई दिल्ली मंगलवार 2 मार्च 2021 • पृष्ठ 8 • मूल्य 1 रूपया • डाक पंजीयन DL (E)-20/5448/2017-19

गोरखपुर की लक्ष्मी गुप्ता को मिलेगा कुलाधिपति स्वर्ण पदक

यूपी राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय का 15वां दीक्षान्त समारोह 04 मार्च को

(विनोद मिश्रा/वूमेन एक्सप्रेस)

प्रयागराज 1 मार्च । उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज का 15वां दीक्षान्त समारोह आगामी 04 मार्च 2021 को पूर्वान्ह 10.00 बजे सरस्वती परिसर स्थित नवनिर्मित आडिटोरियम में कोविड19 प्रोटोकाल का अनुपालन करते हुए आयोजित किया जायेगा। दीक्षान्त समारोह की अध्यक्षता राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल करेंगी। दीक्षान्त समारोह के मुख्य अतिथि श्री मुकुल कानिटकर, अखिल भारतीय संगठन मंत्री, भारतीय शिक्षण मण्डल, नागपुर दीक्षान्त भाषण देंगे। 15वें दीक्षान्त समारोह में विभिन्न विद्याशाखाओं में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले शिक्षार्थियों को 19 स्वर्ण पदक प्रदान किये जायेंगें, जिनमें 05 स्वर्ण पदक छात्रों तथा 14 स्वर्णपदक छात्राओं की झोली में जायेंगे। दीक्षान्त समारोह में सत्र दिसम्बर 2019 तथा जून 2020 की परीक्षा के सापेक्ष उत्तीर्ण लगभग 28659 हजार शिक्षार्थियों को उपाधि प्रदान की जायेगी, जिसमें

15492 पुरूष तथा 13167 महिला शिक्षार्थी हैं। यह जानकारी कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने सोमवार को आयोजित पत्रकार वार्ता में दी।

प्रो0 सिंह ने बताया कि सरस्वती परिसर स्थित नवनिर्मित आडिटोरियम में दीक्षान्त समारोह के भव्य आयोजन के लिये सभी आवश्यक तैयारियां कर दी गयी हैं। दीक्षान्त समारोह में शामिल होकर उपाधि प्राप्त करने के लिये लगभग 556 शिक्षार्थियों ने आनलाइन पंजीकरण कराया है। विश्वविद्यालय से हिन्दी, कम्प्यूटर साइंस और कामर्स में शोध कार्य पूर्ण करने वाले तीन शिक्षार्थियों को दीक्षान्त समारोह में शोध उपाधि प्रदान की जायेगी। दीक्षान्त समारोह में शामिल होने के लिये सम्पूर्ण उत्तर प्रदेश से शिक्षार्थी आ रहे हैं। उनमें काफी उत्साह है। यह दीक्षान्त समारोह भारतीय पारम्परिक परिधान में आयोजित किया जायेगा। दीक्षान्त समारोह में उपाधि प्राप्त करने वाले छात्रछात्राओं के लिये सफेद धोती कुर्ता या पाजामा/पीली साड़ी या सलवार सूट निर्धारित किया गया है।

प्रो0 सिंह ने बताया कि 15वें दीक्षान्त समारोह में कुलाधिपति स्वर्ण पदक गोरखपुर क्षेत्रीय केन्द्र के अन्तर्गत आने वाले अध्ययन केन्द्र दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर की छात्रा लक्ष्मी गुप्ता को दिया जायेगा। लक्ष्मी गुप्ता ने बी0एड0 विषय की परीक्षा प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण की तथा समस्त विद्याशाखाओं की स्नातक एवं स्नातकोत्तर परीक्षाओं में उत्तीर्ण समस्त स्नातक/परास्नातक शिक्षार्थियों में सर्वाधिक 82.07 प्रतिशत अंक प्राप्त किये। कुलपति प्रो0 सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक इस बार स्नातकोत्तर वर्ग में विद्याशाखाओं के 05 टापर्स को दिए जा रहे है, जिसमें मानविकी विद्याशाखा से विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक सिंगासनी देवी महिला महाविद्यालय, नेमा, देवरिया अध्ययन केन्द्र से पंजीकृत एम0ए0 के छात्र रंजय कुमार सिंह को, समाज विज्ञान विद्याशाखा से विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक किसान मजदूर महाविद्यालय, भीटी, मऊ अध्ययन केन्द्र से पंजीकृत एम0ए0 के छात्र रजत विश्वकर्मा को, प्रबन्धन अध्ययन विद्याशाखा से विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक, रति राम महाविद्यालय, नन्दगांव, मथुरा अध्ययन केन्द्र से पंजीकृत एम0काम0 की छात्रा तिवारी स्वाति रमाशंकर को, शिक्षा विद्याशाखा से विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक, बाबा साधवराम महाविद्यालय, कोईनहां, बरसरा खालसा, आजमगढ़ अध्ययन केन्द्र से पंजीकृत एम0ए0 की छात्रा नेहा सिंह को तथा विज्ञान विद्याशाखा से विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक, रति राम महाविद्यालय, नंदगांव, मथुरा अध्ययन केन्द्र से पंजीकृत एम0एस0सी0 (बायोकेमिस्ट्री) के छात्र स्वप्निल चैहान को दिया जायेगा।

सम्पादकीय:- बैंकों के निजीकरण की सही पहल
लाइफ स्टाइल:- आख की सर्जरी के बाद अमिताभ बच्च
लखनऊ
मंगलवार, 2 मार्च 2021 ई.
फाल्गुन मास कृष्ण पक्ष 4
सं. 2077 वि.
www.swatantrabharat.net
लखनऊ, कानपुर और दिल्ली से प्रकाशित
स्वतंत्र भारत
प्रकाशन का 74वां वर्ष
वर्ष 74 अंक 196 नगर संस्करण पृष्ठ 16 मूल्य 3.00 रुपये

उ.प्र.राजर्षि टण्डन मुविवि का १५वां दीक्षान्त समारोह ०४ मार्च को

गोरखपुर की लक्ष्मी को मिलेगा कुलाधिपति स्वर्ण पदक

सुप्रसिद्ध विचारक मुकुल कानिटकर देंगे दीक्षान्त भाषण

प्रयागराज। उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज का १५वां दीक्षान्त समारोह आगामी ०४ मार्च २१ को पूर्वान्ह १०.०० बजे सरस्वती परिसर स्थित नवनिर्मित आडिटोरियम में कोविड-१६ प्रोटोकाल का अनुपालन करते हुए आयोजित किया जायेगा। दीक्षान्त समारोह की अध्यक्षता राज्यपाल एवं कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल करेंगी। दीक्षान्त समारोह के मुख्य अतिथि मुकुल कानिटकर, अखिल भारतीय संगठन मंत्री, भारतीय शिक्षण मण्डल, नागपुर दीक्षान्त भाषण देंगे। १५वें दीक्षान्त समारोह में विभिन्न विद्याशाखाओं में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले शिक्षार्थियों को १६ स्वर्ण पदक प्रदान किये जायेंगें, जिनमें ०५ स्वर्ण पदक छात्रों तथा १४ स्वर्णपदक छात्राओं की झोली में जायेंगे। दीक्षान्त समारोह में सत्र दिसम्बर २०१६ तथा जून २०२० की परीक्षा के सापेक्ष उत्तीर्ण लगभग २८६५६ हजार शिक्षार्थियों को उपाधि प्रदान की जायेगी, जिसमें

१५४६२ पुरूष तथा १३१६७ महिला शिक्षार्थी हैं। उक्त जानकारी आज सोमवार को कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने दी है।

प्रो.सिंह ने बताया कि सरस्वती परिसर स्थित नवनिर्मित आडिटोरियम में दीक्षान्त समारोह के भव्य आयोजन के लिये सभी आवश्यक तैयारियां कर ली गयी हैं। दीक्षान्त समारोह में शामिल होकर उपाधि प्राप्त करने के लिये लगभग ५५६ शिक्षार्थियों ने आनलाइन पंजीकरण कराया है। विश्वविद्यालय से हिन्दी, कम्प्यूटर साइंस और कामर्स में शोध कार्य (पी.एच.डी.) पूर्ण करने वाले तीन शिक्षार्थियों को दीक्षान्त समारोह में शोध उपाधि प्रदान की जायेगी। दीक्षान्त समारोह में शामिल होने के लिये सम्पूर्ण उत्तर प्रदेश से शिक्षार्थी आ रहे हैं। उनमें काफी उत्साह है। यह दीक्षान्त समारोह भारतीय पारम्परिक परिधान में आयोजित किया जायेगा। दीक्षान्त समारोह में उपाधि प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं के लिये सफेद धोती कुर्ता या पाजामा/पीली साड़ी या सलवार सूट निर्धारित किया गया है।

प्रो.सिंह ने बताया कि १५वें दीक्षान्त समारोह में कुलाधिपति स्वर्ण पदक गोरखपुर क्षेत्रीय केन्द्र के अन्तर्गत आने वाले अध्ययन केन्द्र दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर की छात्रा लक्ष्मी गुप्ता को दिया जायेगा। लक्ष्मी गुप्ता ने बी.एड विषय की परीक्षा प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण की तथा समस्त विद्याशाखाओं की स्नातक एवं स्नातकोत्तर परीक्षाओं में उत्तीर्ण समस्त स्नातकध्परास्नातक शिक्षार्थियों में सर्वाधिक ८२.०७ प्रतिशत अंक प्राप्त किये। दीक्षान्त समारोह में शामिल होने वाले शिक्षार्थियों को उत्तरीय ०३ मार्च को शांतिपुरम, फाफामऊ स्थित विश्वविद्यालय मुख्यालय से वितरित किये जायेंगे। पत्रकार वार्ता में प्रो. सत्यपाल तिवारी, डा.अरुण कुमार गुप्ता, डा. आनंदानंद त्रिपाठी एवं डा.प्रभात चंद्र मिश्रा आदि उपस्थित रहे।

समय से पहले 'समय' पर नजर

नगर संस्करण

न्यायाधीश

डाक रजिस्ट्रेशन नं.- ए.डी.34/2021-23

प्रयागराज, मंगलवार,02 मार्च, 2021

उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय का 15वां दीक्षान्त समारोह 04 को

9 को स्वर्ण पदक तथा 28659 छात्रों को मिलेगी उपाधि

प्रयागराज।उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज का 15वां दीक्षान्त समारोह आगामी 04 मार्च 2021 को पूर्वान्ह 10.00 बजे सरस्वती परिसर स्थित नवनिर्मित आडिटोरियम में कोविड-19 प्रोटोकाल का अनुपालन करते हुए आयोजित किया जायेगा। दीक्षान्त समारोह की अध्यक्षता राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल करेंगी। दीक्षान्त समारोह के मुख्य अतिथि श्री मुकुल कानिटकर, अखिल भारतीय संगठन मंत्री, भारतीय शिक्षण मण्डल, नागपुर दीक्षान्त भाषण देंगे। 15वें दीक्षान्त समारोह में विभिनन विद्याशाखाओं में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले शिक्षार्थियों को 19 स्वर्ण पदक प्रदान किये जायेंगें, जिनमें 05 स्वर्ण पदक छात्रों तथा 14 स्वर्णपदक छात्राओं की झोली में जायेंगे। दीक्षान्त समारोह में सत्र दिसम्बर 2019 तथा जून 2020 की परीक्षा के सापेक्ष उत्तीर्ण लगभग 28659 हजार शिक्षार्थियों को उपाधि प्रदान की जायेगी, जिसमें 15492 पुरूष तथा 13167 महिला शिक्षार्थी हैं। यह जानकारी कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने सोमवार को आयोजित पत्रकार वार्ता में दी।

प्रो0 सिंह ने बताया कि सरस्वती परिसर स्थित नवनिर्मित आडिटोरियम में दीक्षान्त समारोह के भव्य आयोजन के लिये सभी आवश्यक तैयारियां कर दी गयी हैं। दीक्षान्त समारोह में शामिल होकर उपाधि प्राप्त करने के लिये लगभग 556 शिक्षार्थियों ने आनलाइन पंजीकरण कराया है। विश्वविद्यालय से हिन्दी, कम्प्यूटर साइंस और कामर्स में शोध कार्य (पी-एच0डी0) पूर्ण करने वाले तीन शिक्षार्थियों को दीक्षान्त समारोह में शोध उपाधि प्रदान की जायेगी। दीक्षान्त समारोह में शामिल होने के लिये सम्पूर्ण उत्तर प्रदेश से शिक्षार्थी आ रहे हैं। उनमें काफी उत्साह है। यह दीक्षान्त समारोह भारतीय पारम्परिक परिधान में आयोजित किया जायेगा। दीक्षान्त समारोह में उपाधि प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं के लिये सफेद धोती कुर्ता या पाजामा/पीली साड़ी या सलवार सूट निर्धारित किया गया है।

प्रो0 सिंह ने बताया कि 15वें दीक्षान्त समारोह में कुलाधिपति स्वर्ण पदक गोरखपुर क्षेत्रीय केन्द्र के अन्तर्गत आने वाले अध्ययन केन्द्र दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर की छात्रा लक्ष्मी गुप्ता को दिया जायेगा। लक्ष्मी गुप्ता ने बी0एड0 विषय की परीक्षा प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण की तथा समस्त विद्याशाखाओं की सनतक एवं सनतकोत्तर परीक्षाओं में उत्तीर्ण समस्त सनतक/परासनतक शिक्षार्थियों में सर्वाधिक 82.07 प्रतिशत अंक प्राप्त किये।

कुलपति प्रो0 सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक इस बार सनतकोत्तर वर्ग में विद्याशाखाओं के 05 टापर्स को दिए जा रहे है, जिसमें मानविकी विद्याशाखा से विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक सिंगासनी देवी महिला महाविद्यालय, नेमा, देवरिया अध्ययन केन्द्र से पंजीकृत एम0ए0 (संस्कृत) के छात्र रंजय कुमार सिंह को, समाज विज्ञान विद्याशाखा से विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक किसान मजदूर महाविद्यालय, भीटी, मऊ अध्ययन केन्द्र से पंजीकृत एम0ए0 (राजनीतिशास्त्र) के छात्र रजत विश्वकर्मा को, प्रबन्धन अध्ययन विद्याशाखा से

विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक, रति राम महाविद्यालय, नन्दगांव, मथुरा अध्ययन केन्द्र से पंजीकृत एम0काम0 की छात्रा तिवारी स्वाति रमाशंकर को, शिक्षा विद्याशाखा से विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक, बाबा साधवराम महाविद्यालय, कोईनहां, बरसरा खालसा, आजमगढ़ अध्ययन केन्द्र से पंजीकृत एम0ए0 (शिक्षाशास्त्र) की छात्रा नेहा सिंह को तथा विज्ञान विद्याशाखा से विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक, श्री रति राम महाविद्यालय, नंदगांव, मथुरा अध्ययन केन्द्र से पंजीकृत एम0एस0सी0 (बायोकेमिस्ट्री) के छात्र स्वपिन्ल चैहान को दिया जायेगा।

https://twitter.com/nyayadheeshald

https://twitter.com/nyayadheeshald

@gmail.com, vidhankesarinews@gmail.com

हिन्दी दैनिक

विधान केसरी

...खबर सिर्फ जनहित के लिए

लखनऊ संस्करण, मंगलवार 02 मार्च 2021 (वर्ष-8 अंक 255), मूल्य-2.00 रुपये पृष्ठ-18

19 को स्वर्ण पदक तथा 28659 छात्रों को मिलेगी उपाधि

उप्र राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय का 15वां दीक्षान्त समारोह 4 मार्च को

प्रयागराज (विधान केसरी)। उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज का 15वां दीक्षान्त समारोह आगामी 04 मार्च 2021 को पूर्वान्ह 10.00 बजे सरस्वती परिसर स्थित नवनिर्मित आडिटोरियम में कोविड-19 प्रोटोकाल का अनुपालन करते हुए आयोजित किया जायेगा। दीक्षान्त समारोह की अध्यक्षता राज्यपाल एवं कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल करेंगी। दीक्षान्त समारोह के मुख्य अतिथि मुकुल कानिटकर, अखिल भारतीय संगठन मंत्री, भारतीय शिक्षण मण्डल, नागपुर दीक्षान्त भाषण देंगे। दीक्षान्त समारोह में उपाधि प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं के लिये सफेद धोती कुर्ता या पाजामा/पीली साड़ी या सलवार सूट निर्धारित किया गया है। प्रो0 सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय का 15वां दीक्षान्त समारोह पॉलिथिन मुक्त होगा। इसके साथ ही क्लीन कैम्पस-ग्रीन कैम्पस के सिद्धान्त पर परिसर में हरियाली पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। समारोह स्थल के आस-पास कोविड-19 के प्रोटोकाल के अनुपालन के साथ साथ, साफ सफाई तथा पार्किंग की पर्याप्त व्यवस्था की जा रही है। दीक्षान्त समारोह में विभिन्न स्थानों से उपाधि प्राप्त करने के लिये आने वाले शिक्षार्थियों के उत्साह को देखते हुए विश्वविद्यालय द्वारा उपाधि वितरण की समुचित व्यवस्था की गयी है। दीक्षान्त समारोह में शामिल होने वाले शिक्षार्थियों को उत्तरीय 03 मार्च को शांतिपुरम, फाफामऊ स्थित विश्वविद्यालय मुख्यालय से वितरित किये जायेंगे। पत्रकार वार्ता में प्रो सत्यपाल तिवारी, डॉ अरुण कुमार गुप्ता डॉ आनंदानंद त्रिपाठी एवं डॉ प्रभात चंद्र मिश्रा आदि उपस्थित रहे। प्रो0 सिंह ने बताया कि यह एक अभूतपूर्व समारोह होगा, जिसमें जनपद के जूनियर हाईस्कूल के चयनित विद्यार्थियों सहित स्वावलम्बी

महिलाओं का स्वयं सहायता समूह भी शामिल होगा जो इस सारस्वत समारोह से प्रेरणा ले सकें।

प्रो0 सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय का 15वां दीक्षान्त समारोह पॉलिथिन मुक्त होगा। इसके साथ ही क्लीन कैम्पस-ग्रीन कैम्पस के सिद्धान्त पर परिसर में हरियाली पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। समारोह स्थल के आस-पास कोविड-19 के प्रोटोकाल के अनुपालन के साथ साथ, साफ सफाई तथा पार्किंग की पर्याप्त व्यवस्था की जा रही है। दीक्षान्त समारोह में विभिन्न स्थानों से उपाधि प्राप्त करने के लिये आने वाले शिक्षार्थियों के उत्साह को देखते हुए विश्वविद्यालय द्वारा उपाधि वितरण की समुचित व्यवस्था की गयी है। दीक्षान्त समारोह में शामिल होने वाले शिक्षार्थियों को उत्तरीय 03 मार्च को शांतिपुरम, फाफामऊ स्थित विश्वविद्यालय मुख्यालय से वितरित किये जायेंगे। पत्रकार वार्ता में प्रो सत्यपाल तिवारी, डॉ अरुण कुमार गुप्ता डॉ आनंदानंद त्रिपाठी एवं डॉ प्रभात चंद्र मिश्रा आदि उपस्थित रहे।

इलाहाबाद एक्सप्रेस

मुक्त विवि का पन्द्रहवॉं दीक्षान्त समारोह चार मार्च को

प्रयागराज। उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज का 15वां दीक्षान्त समारोह चार मार्च को आयोजित किया जायेगा। समारोह की अध्यक्षता राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल करेंगी। जबकि मुख्य अतिथि मुकुल कानिटकर, अखिल भारतीय संगठन मंत्री, भारतीय शिक्षण मण्डल, नागपुर दीक्षान्त भाषण देंगे।

यह जानकारी कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने सोमवार को पत्रकार वार्ता में देते हुए बताया कि दीक्षान्त समारोह में विभिन्न विद्याशाखाओं में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले शिक्षार्थियों को 19 स्वर्ण पदक प्रदान किये जायेंगें, जिनमें 05 स्वर्ण पदक छात्रों तथा 14 छात्राओं की झोली में जायेंगे। सत्र दिसम्बर 2019 तथा जून 2020 की परीक्षा के सापेक्ष उत्तीर्ण लगभग 28659 हजार शिक्षार्थियों को उपाधि प्रदान की जायेगी, जिसमें 15492 पुरूष तथा 13167 महिला शिक्षार्थी हैं।

गोरखपुर की लक्ष्मी गुप्ता को मिलेगा कुलाधिपति स्वर्ण पदक

19 को स्वर्ण पदक तथा 28659 छात्रों को मिलेगी उपाधि

कुलपति ने बताया कि उपाधि प्राप्त करने के लिये लगभग 556 शिक्षार्थियों ने आनलाइन पंजीकरण कराया है। विश्वविद्यालय से हिन्दी, कम्प्यूटर साइंस और कामर्स में शोध कार्य (पीएचडी) पूर्ण करने वाले तीन शिक्षार्थियों को शोध उपाधि प्रदान की जायेगी। समारोह में शामिल होने के लिये सम्पूर्ण उत्तर प्रदेश से शिक्षार्थी आ रहे हैं। उपाधि प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं के लिये सफेद धोती कुर्ता या पाजामा-पीली साड़ी या सलवार सूट निर्धारित किया गया है। उन्होंने बताया कि कुलाधिपति स्वर्ण पदक गोरखपुर क्षेत्रीय केन्द्र के अन्तर्गत आने वाले अध्ययन केन्द्र दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय की छात्रा लक्ष्मी गुप्ता को दिया जायेगा। इस दौरान प्रो. सत्यपाल तिवारी, डॉ. अरुण कुमार गुप्ता, डॉ. आनंदानंद त्रिपाठी एवं डॉ. प्रभात चंद्र मिश्रा आदि उपस्थित रहे।

दैनिक जागरण

'सेंटिग' पर यहां खुलेआम बिक रहा 'सूखा नशा' } 03 | हिंदी सिनेमा तो मेरी कर्मभूमि है } 08

NEXT CITY FOCUS

लक्ष्मी को मिलेगा चांसलर गोल्ड मेडल, बीएड में रही हैं टॉपर

कन्वोकेशन में मौजूद रहेंगी गवर्नर

prayagraj@inext.co.in

PRAYAGRAJ (1 March): कोरोना महामारी के बीच यूपीआरटीओयू में 15वें कन्वोकेशन को लेकर सभी तैयारियां पूरी हो चुकी हैं. यूपीआरटीओयू में 4 मार्च को कन्वोकेशन का आयोजन होगा. जिसकी अध्यक्षता गवर्नर आनंदीबेन पटेल करेंगी. जबकि चीफ गेस्ट के रूप में भारतीय शिक्षण मंडल के अखिल भारतीय संगठन मंत्री मुकुल कानिटकर होंगे. 15वें कन्वोकेशन में विभिन्न विद्या शाखाओं में सबसे अधिक अंक हासिल करने वाले स्टूडेंट्स को 19 गोल्ड मेडल दिया जाएगा. इसमें पांच गोल्ड छात्रों को दिया जाएगा, जबकि छात्राओं की झोली में कुल 14 गोल्ड मेडल जाएंगे. कन्वोकेशन में सत्र दिसम्बर 2019 तथा जून 2020 की परीक्षा के सापेक्ष उत्तीर्ण लगभग 28 659 हजार स्टूडेंट्स को उपाधि प्रदान की जाएगी. जिसमें 15492 छात्र तथा 13167 छात्राएं शामिल हैं.

- **4** मार्च को होगा 15वां कन्वोकेशन
- **19** स्टूडेंट्स को मिलेगा गोल्ड मेडल
- **05** गोल्ड मेडल छात्र व 14 गोल्ड मेडल छात्राओं को मिलेंगे
- **28659** को मिलेगी कन्वोकेशन में डिग्री
- **08** टापर्स को दानदाता गोल्ड मेडल दिया जाएगा
- **06** यूजी में टापर्स को मिलेगा यूनिवर्सिटी गोल्ड मेडल
- **05** पीजी में टापर्स को मिलेगा यूनिवर्सिटी गोल्ड मेडल

बीएड में लक्ष्मी गुप्ता ने हासिल किए हैं सबसे अधिक अंक

कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने बताया कि कुलाधिपति गोल्ड मेडल अध्ययन केन्द्र दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर यूनिवर्सिटी की बीएड की छात्रा लक्ष्मी गुप्ता को मिलेगा. लक्ष्मी ने बीएड में सभी सेंटर्स की ग्रेजुएशन व पोस्ट ग्रेजुएशन की परीक्षाओं में सबसे अधिक 82.07 परसेंट अंक हासिल किया.

यूजी कैटेगरी में इन्हें मिलेगा गोल्ड मेडल

मानविकी विद्याशाखा से सरदार पटेल स्मारक महाविद्यालय, अम्बेडकरनगर अध्ययन केन्द्र से विभा यादव, समाज विज्ञान विद्याशाखा से रामस्वरूप ग्रामोद्योग स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कानपुर देहात की रिद्धि सिंह, प्रबन्धन अध्ययन विद्याशाखा से श्री रति राम महाविद्यालय, नंदगांव, मथुरा अध्ययन केन्द्र अंजली, कम्प्यूटर एवं सूचना विज्ञान विद्याशाखा से सर्वोदय कालेज आफ टेक्नोलॉजी एण्ड मैनेजमेंट, देवरिया अध्ययन केन्द्र से वीनस चौरसिया, शिक्षा विद्याशाखा से दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय अध्ययन केंद्र से लक्ष्मी गुप्ता तथा विज्ञान विद्याशाखा से श्री बाबा साधवराम महाविद्यालय, कोईनहां, बरसरा खालसा, आजमगढ़ अध्ययन केन्द्र से अभिनन्दन यादव को यूनिवर्सिटी गोल्ड मेडल दिया जाएगा.

556 स्टूडेंट्स ने कन्वोकेशन के लिए कराया रजिस्ट्रेशन

यूपीआरटीओयू के कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने मंडे को प्रेस कांफ्रेस में बताया कि सरस्वती कैंपस में कन्वोकेशन का आयोजन नवनिर्मित ऑडिटोरियम में होगा. कन्वोकेशन में शामिल होने के लिए अब तक 556 स्टूडेंट्स ने ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन कराया है. यूनिवर्सिटी से हिंदी, कम्प्यूटर साइंस व कामर्स में पीएचडी करने वाले तीन स्टूडेंट्स को रिसर्च में डिग्री दी जाएगी. कन्वोकेशन के दौरान स्टूडेंट्स इंडियन ट्रेडिशनल कपड़ों में शामिल होंगे. इसमें डिग्री पाने वाले छात्र सफेद धोती कुर्ता या पाजामा और छात्राओं को पीली साड़ी या सलवार सूट का ड्रेस कोड निर्धारित किया गया है.

पीजी कैटेगरी में इनको मिलेंगे गोल्ड मेडल

मानविकी विद्याशाखा से यूनिवर्सिटी गोल्ड मेडल सिंगासनी देवी महिला महाविद्यालय, नेमा, देवरिया अध्ययन केन्द्र से रजिस्टर्ड एमए (संस्कृत) के रंजय कुमार सिंह, समाज विज्ञान विद्याशाखा से किसान मजदूर महाविद्यालय, भीटी, मऊ अध्ययन केन्द्र के एमए राजनीतिशास्त्र रजत विश्वकर्मा को दिया जाएगा.

वहीं प्रबन्धन अध्ययन विद्याशाखा से यूनिवर्सिटी गोल्ड श्री रति राम महाविद्यालय, नन्दगांव, मथुरा अध्ययन केन्द्र से एमकाम की छात्रा तिवारी स्वाति रमाशंकर को, शिक्षा विद्याशाखा से श्री बाबा साधवराम महाविद्यालय, कोईनहां, बरसरा खालसा, आजमगढ़ अध्ययन केन्द्र से एमए शिक्षाशास्त्र की छात्रा नेहा सिंह को तथा विज्ञान विद्याशाखा से श्री रति राम महाविद्यालय, नंदगांव, मथुरा अध्ययन केन्द्र से एमएससी बायोकेमिस्ट्री के छात्र स्वपनिल चौहान को यूनिवर्सिटी गोल्ड मेडल दिया जाएगा.

दानदाता गोल्ड मेडल के लिए 8 का सलेक्शन

कुलपति प्रो. सिंह ने बताया कि इस बार आठ मेधावियों को दानदाता गोल्ड मेडल दिया जाएगा. इसमें बाबू ओमप्रकाश गुप्त स्मृति स्वर्ण पदक, दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर अध्ययन केन्द्र से पंजीकृत बीएड की छात्रा लक्ष्मी गुप्ता, श्री कैलाशपत नेवेटिया स्मृति स्वर्ण पदक क्षेत्रीय केन्द्र, प्रयागराज अध्ययन केन्द्र से छात्रा शगुफ्ता खान को, स्व0 अनिल मीना चक्रवर्ती स्मृति स्वर्ण पदक स्नातक वर्ग में रामस्वरूप ग्रामोद्योग स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कानपुर देहात अध्ययन केन्द्र से बीए की छात्रा रिद्धि सिंह को तथा एम0ए0 समाजकार्य में क्षेत्रीय अध्ययन केन्द्र गोरखपुर से पंजीकृत छात्रा आशा यादव को दिया जायेगा. इसके साथ ही तीन अन्य दानदाता स्वर्ण पदक भी मेधावी छात्रों को दिये जायेंगे.

जिसमें प्रो. एम.पी. दुबे पर्यावरण/गांधी चिन्तन एवं शान्ति अध्ययन उत्कृष्टता गोल्ड मेडल मोतीलाल नेहरू डिग्री कालेज, कौंधियारा, प्रयागराज अध्ययन केन्द्र से मनीष कुमार मिश्रा तथा प्रो. एमपी दुबे दिव्यांग मेधा स्वर्णपदक टीडी कालेज, जौनपुर अध्ययन केन्द्र से छात्र शाहनवाज सिद्दिकी को दिया जायेगा. महान राष्ट्रकवि श्रद्धेय पं. सोहन लाल द्विवेदी स्मृति स्वर्णपदक श्री बाबा साधवराम महाविद्यालय, कोईनहां, बरसरा खालसा, आजमगढ़ अध्ययन केन्द्र से एमए हिन्दी की छात्रा निकिता को दिया जायेगा. प्रेसकांफ्रेस में प्रो. सत्यपाल तिवारी, डॉ अरुण कुमार गुप्ता, डॉ आनंदानंद त्रिपाठी एवं डॉ प्रभात चंद्र मिश्रा आदि मौजूद रहे.

दैनिक **लोकमित्र** सच्चाई की जंग
वर्ष : 27 | अंक : 120
प्रतापगढ़ |मंगलवार ,2 मार्च-2021
पृष्ठ : 8 | मूल्य : 3 रुपये
प्रतापगढ़,लखनऊ, कौशाम्बी, एवं प्रयागराज से एक साथ प्रकाशित
संस्थापक : [illegible] | प्रतिदिन की खबरों के लिए देखें www.dailylokmitra.com | R.N.I. No. : 71878/94

गोरखपुर की लक्ष्मी गुप्ता को मिलेगा कुलाधिपति स्वर्ण पदक

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय का 15वां दीक्षान्त समारोह 04 मार्च को

सुप्रसिद्ध विचारक मुकुल कानिटकर देंगे दीक्षान्त भाषण

19 को स्वर्ण पदक तथा 28659 छात्रों को मिलेगी उपाधि

लोकमित्र ब्यूरो

प्रयागराज। उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज का 15वां दीक्षान्त समारोह आगामी 04 मार्च को पूर्वान्ह 10.00 बजे सरस्वती परिसर स्थित नवनिर्मित आडिटोरियम में कोविड-19 प्रोटोकाल का अनुपालन करते हुए आयोजित किया जायेगा। दीक्षान्त समारोह की अध्यक्षता राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल करेंगी।

दीक्षान्त समारोह के मुख्य अतिथि मुकुल कानिटकर, अखिल भारतीय संगठन मंत्री, भारतीय शिक्षण मण्डल, नागपुर दीक्षान्त भाषण देंगे। 15वें दीक्षान्त समारोह में विभिन्न विद्याशाखाओं में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले शिक्षार्थियों को 19 स्वर्ण पदक प्रदान किये जायेंगें, जिनमें 05 स्वर्ण पदक छात्रों तथा 14 स्वर्णपदक छात्राओं की झोली में जायेंगे। दीक्षान्त समारोह में सत्र दिसम्बर 2019 तथा जून 2020 की परीक्षा के सापेक्ष उत्तीर्ण लगभग 28659 हजार शिक्षार्थियों को उपाधि प्रदान की जायेगी, जिसमें 15492 पुरूष तथा 13167 महिला शिक्षार्थी हैं। यह जानकारी कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने सोमवार को आयोजित पत्रकार वार्ता में दी।प्रो0 सिंह ने बताया कि सरस्वती परिसर स्थित नवनिर्मित आडिटोरियम में दीक्षान्त समारोह के भव्य आयोजन के लिये सभी आवश्यक तैयारियां कर दी गयी हैं। दीक्षान्त समारोह में शामिल होकर उपाधि प्राप्त करने के लिये लगभग 556 शिक्षार्थियों ने आनलाइन पंजीकरण कराया है। विश्वविद्यालय से हिन्दी, कम्प्यूटर साइंस और कामर्स में शोध कार्य (पी-एच0डी0) पूर्ण करने वाले तीन शिक्षार्थियों को दीक्षान्त समारोह में शोध उपाधि प्रदान की जायेगी। दीक्षान्त समारोह में शामिल होने के लिये सम्पूर्ण उत्तर प्रदेश से शिक्षार्थी आ रहे हैं।प्रो0 सिंह ने बताया कि 15वें दीक्षान्त समारोह में कुलाधिपति स्वर्ण पदक गोरखपुर क्षेत्रीय केन्द्र के अन्तर्गत आने वाले अध्ययन केन्द्र दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर की छात्रा लक्ष्मी गुप्ता को दिया जायेगा। लक्ष्मी गुप्ता ने बी0एड0 विषय की परीक्षा प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण की तथा समस्त विद्याशाखाओं की स्नातक एवं स्नातकोत्तर परीक्षाओं में उत्तीर्ण समस्त स्नातक/परास्नातक शिक्षार्थियों में सर्वाधिक 82.07 प्रतिशत अंक प्राप्त किये।कुलपति प्रो0 सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक इस बार स्नातकोत्तर वर्ग में विद्याशाखाओं के 05 टापर्स को दिए जा रहे है, जिसमें मानविकी विद्याशाखा से विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक सिंगासनी देवी महिला महाविद्यालय, नेमा, देवरिया अध्ययन केन्द्र से पंजीकृत एम0ए0 (संस्कृत) के छात्र रंजय कुमार सिंह को, समाज विज्ञान विद्याशाखा से विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक किसान मजदूर महाविद्यालय, भीटी, मऊ अध्ययन केन्द्र से पंजीकृत एम0ए0 (राजनीतिशास्त्र) के छात्र रजत विश्वकर्मा को, प्रबन्धन अध्ययन विद्याशाखा से विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक, श्री रति राम महाविद्यालय, नन्दगांव, मथुरा अध्ययन केन्द्र से पंजीकृत एम0काम0 की छात्रा तिवारी स्वाति रमाशंकर को, शिक्षा विद्याशाखा से विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक, श्री बाबा साधवराम महाविद्यालय, कोईनहां, बरसरा खालसा, आजमगढ़ अध्ययन केन्द्र से पंजीकृत एम0ए0 (शिक्षाशास्त्र) की छात्रा नेहा सिंह को तथा विज्ञान विद्याशाखा से विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक, श्री रति राम महाविद्यालय, नंदगांव, मथुरा अध्ययन केन्द्र से पंजीकृत एम0एस0सी0 (बायोकेमिस्ट्री) के छात्र स्वप्निल चैहान को दिया जायेगा। इसी प्रकार स्नातक वर्ग में विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक इस बार विद्याशाखाओं के 6 टापर्स को दिया जायेगा।प्रो0 सिंह ने बताया कि इस बार आठ मेधावी शिक्षार्थियों को दानदाता स्वर्ण पदक से सम्मानित किया जायेगा जिसमें बाबू ओमप्रकाश गुप्त स्मृति स्वर्ण पदक, दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर अध्ययन केन्द्र से पंजीकृत बी0एड0 की छात्रा लक्ष्मी गुप्ता को, श्री कैलाशपत नेवेटिया स्मृति स्वर्ण पदक क्षेत्रीय केन्द्र, प्रयागराज अध्ययन केन्द्र से पंजीकृत छात्रा शगुफ्ता खान को, स्व0 अनिल मीना चक्रवर्ती स्मृति स्वर्ण पदक स्नातक वर्ग दिया जाएगा। इसके साथ ही तीन अन्य दानदाता स्वर्ण पदक भी मेधावी छात्रों को दिये जायेंगे। जिसमें प्रो0 एम0पी0 दुबे पर्यावरण/गांधी चिन्तन एवं शान्ति अध्ययन उत्कृष्टता स्वर्ण पदक, मोतीलाल नेहरू डिग्री कालेज, कौंधियारा, प्रयागराज अध्ययन केन्द्र से पंजीकृत मनीष कुमार मिश्रा तथा प्रो0 एम0पी0 दुबे दिव्यांग मेधा स्वर्णपदक टी0डी0 कालेज, जौनपुर अध्ययन केन्द्र से पंजीकृत छात्र शाहनवाज सिद्दिकी को दिया जायेगा। महान राष्ट्रकवि श्रद्धेय पं0 सोहन लाल द्विवेदी स्मृति स्वर्णपदक श्री बाबा साधवराम महाविद्यालय, कोईनहां, बरसरा खालसा, आजमगढ़ अध्ययन केन्द्र से पंजीकृत एम0ए0 (हिन्दी) की छात्रा निकिता को दिया जायेगा। प्रो0 सिंह ने बताया कि यह एक अभूतपूर्व समारोह होगा, जिसमें जनपद के जूनियर हाईस्कूल के चयनित विद्यार्थियों सहित स्वावलम्बी महिलाओं का स्वयं सहायता समूह भी शामिल होगा जो इस सारस्वत समारोह से प्रेरणा ले सकें। प्रो0 सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय का 15वां दीक्षान्त समारोह पॉलिथिन मुक्त होगा।

इसके साथ ही क्लीन कैम्पस-ग्रीन कैम्पस के सिद्धान्त पर परिसर में हरियाली पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। समारोह स्थल के आस-पास कोविड-19 के प्रोटोकाल के अनुपालन के साथ साथ, साफ सफाई तथा पार्किंग की पर्याप्त व्यवस्था की जा रही है। दीक्षान्त समारोह में विभिन्न स्थानों से उपाधि प्राप्त करने के लिये आने वाले शिक्षार्थियों के उत्साह को देखते हुए विश्वविद्यालय द्वारा उपाधि वितरण की समुचित व्यवस्था की गयी है। दीक्षान्त समारोह में शामिल होने वाले शिक्षार्थियों को उत्तरीय 03 मार्च को शांतिपुरम, फाफामऊ स्थित विश्वविद्यालय मुख्यालय से वितरित किये जायेंगे। पत्रकार वार्ता में प्रो सत्यपाल तिवारी, डॉ अरूण कुमार गुप्ता डॉ आनंदानंद त्रिपाठी एवं डॉ प्रभात चंद्र मिश्रा आदि उपस्थित रहे।

दैनिक जागरण
प्रयागराज, मंगलवार
2 मार्च, 2021
नगर संस्करण
www.jagran.com

कैसीनो जहाज की छत पर होगा विजेंद्र का मुकाबला 14
ट्रंप लड़ सकते हैं 2024 का राष्ट्रपति चुनाव 16

मेधा को सम्मान 15 वें दीक्षा समारोह में 19 को स्वर्ण पदक तथा 28 हजार 659 शिक्षार्थियों को मिलेगी उपाधि

गोरखपुर की लक्ष्मी को कुलाधिपति स्वर्ण पदक

जागरण संवाददाता, प्रयागराज : उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के चार मार्च को होने जा रहे 15 वें दीक्षा समारोह में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विवि अध्ययन केंद्र गोरखपुर की लक्ष्मी गुप्ता को प्रतिष्ठित कुलाधिपति स्वर्ण पदक से कुलाधिपति सह राज्यपाल आनंदी बेन पटेल सम्मानित करेंगी। लक्ष्मी ने बीएड की परीक्षा प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण करने के साथ ही स्नातक और स्नातकोत्तर परीक्षाओं में सर्वाधिक 82.07 फीसद अंक पाए हैं। मुख्य अतिथि भारतीय शिक्षण मंडल नागपुर के अखिल भारतीय संगठन मंत्री मुकुल कानिटकर भी रहेंगे। यह जानकारी कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने पत्रकारों से बातचीत में दी।

बताया कि विभिन्न विद्याशाखा में सर्वाधिक अंक पाने वालों को 19 स्वर्ण पदक मिलेंगे। दिसंबर-2019 तथा जून-2020 सत्र की परीक्षा के सापेक्ष उत्तीर्ण कुल 28659 हजार शिक्षार्थियों को उपाधि दी जाएगी। वर्ष 2010 से पूर्व विवि से हिंदी, कम्प्यूटर साइंस और कॉमर्स में शोध करने वाले तीन शिक्षार्थियों को शोध उपाधि प्रदान की जाएगी। भारतीय परिवेश दिखेगा। छात्रों के लिए सफेद धोती-कुर्ता या पाजामा तथा छात्राओं के लिए पीली साड़ी या सलवार सूट निर्धारित किया है।

स्नातकोत्तर वर्ग में स्वर्ण पदक

स्नातकोत्तर वर्ग में देवरिया स्थित सिंगासनी देवी महिला महाविद्यालय अध्ययन केंद्र में एमए संस्कृत के छात्र रंजय कुमार सिंह, मऊ के भीटी स्थित किसान मजदूर महाविद्यालय में एमए राजनीति शास्त्र के छात्र रजत विश्वकर्मा, मथुरा में नंदगांव स्थित श्री रतिराम महाविद्यालय में एमकॉम की छात्रा तिवारी स्वाति रमाशंकर और एमएससी बॉयोकेमेस्ट्री के छात्र स्वप्निल चौहान के अलावा आजमगढ़ के बरसरा खालसा (कोइन्हां) स्थित श्री बाबा सावधराम महाविद्यालय में एमए शिक्षाशास्त्र की छात्रा नेहा सिंह को विवि स्वर्ण पदक दिया जाएगा।

यह पाएंगे दानदाता स्वर्ण पदक

दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में बीएड की छात्रा लक्ष्मी गुप्ता को बाबू ओमप्रकाश गुप्त स्मृति स्वर्ण पदक, प्रयागराज केंद्र की छात्रा शगुफ्ता खान को कैलाशपत नेवेटिया स्मृति स्वर्ण पदक, कानपुर देहात के पुखरायां स्थित रामस्वरूप ग्रामोद्योग स्नातकोत्तर महाविद्यालय में बीए की छात्रा रिद्धि सिंह को स्वर्गीय अनिल मीना चक्रवर्ती स्मृति स्वर्ण पदक, गोरखपुर क्षेत्रीय केंद्र में एमए समाजकार्य की छात्रा आशा यादव को स्वर्गीय अनिल मीना चक्रवर्ती स्मृति स्वर्ण पदक, प्रयागराज के कौधियारा स्थित मोतीलाल नेहरू डिग्री कॉलेज में एमए इतिहास के छात्र मनीष कुमार मिश्र को प्रो. एमपी दुबे पर्यावरण/गांधी चिंतन एवं शांति अध्ययन उत्कृष्टता स्वर्ण पदक, जौनपुर स्थित टीडी कॉलेज केंद्र में बीएड के छात्र शाहनवाज सिद्दीकी को प्रो. एमपी दुबे दिव्यांग मेधा स्वर्ण पदक और आजमगढ़ के कोइन्हां स्थित बाबा साधव राम महाविद्यालय में एमए हिंदी की छात्रा निकिता को महान राष्ट्रकवि पं. सोहन लाल द्विवेदी स्मृति स्वर्ण पदक।

स्नातक वर्ग में स्वर्ण पदक

अंबेडकरनगर के लारपुर रोड स्थित सरदार पटेल स्मारक महाविद्यालय अध्ययन केंद्र में बीए की छात्रा विभा यादव, कानपुर देहात के पुखरायां स्थित रामस्वरूप ग्रामोद्योग स्नातकोत्तर महाविद्यालय में बीए छात्रा रिद्धि सिंह, मथुरा के नंदगांव स्थित श्री रतिराम महाविद्यालय में बीकॉम की छात्रा अंजली, देवरिया स्थित सर्वोदय कॉलेज ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट में बीसीए की छात्रा वीनस चौरसिया, दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में बीएड की छात्रा लक्ष्मी गुप्ता, आजमगढ़ के बरसरा खालसा (कोइन्हां) स्थित श्री बाबा साधवराम महाविद्यालय में बीएससी के छात्र अभिनंदन यादव।

हिन्दुस्तान
तरक्की को चाहिए नया नजरिया
www.livehindustan.com

राजर्षि टंडन मुविवि का 15वां दीक्षान्त समारोह 4 मार्च को, गोरखपुर की लक्ष्मी गुप्ता को मिलेगा चांसलर गोल्ड मेडल

छात्राओं को कुलाधिपति स्वर्ण समेत 14 पदक

घोषणा

स्नातकोत्तर में दिए जाएंगे 5 स्वर्ण पदक

स्नातक वर्ग में दस स्वर्ण पदक

समारोह में धोती कुर्ता होगा परिधान

सात को दानदाता स्वर्ण पदक

28659

छात्र और छात्राओं को मिलेगी उपाधि

राज्यपाल कल से पांच मार्च तक जिले में रहेंगी

आगमन

- विश्वविद्यालयों के कार्यक्रम में करेंगी शिरकत
- शृंग्वेरपुर धाम भी जाएंगी, तेज हुई तैयारियां

प्रयागराज | वरिष्ठ संवाददाता

उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदी बेन पटेल बुधवार रात से शुक्रवार तक प्रयागराज में रहेंगी। राज्यपाल यहां कई कार्यक्रमों में शिरकत करेंगी। साथ ही शृंग्वेरपुर धाम के मंदिरों में दर्शन के लिए जाएंगी। राज्यपाल का विस्तृत कार्यक्रम जिला प्रशासन के पास भेजा गया है।

राज्यपाल आनंदी बेन पटेल बुधवार की शाम प्रयागराज पहुंचेंगी। यहां सर्किट हाउस में ठहरेंगी। चार मार्च को राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में शामिल होंगी। इसके बाद इलाहाबाद विश्वविद्यालय के विजयनगरम हॉल के सुंदरीकरण कार्य का उद्घाटन करेंगी और विशेष डाक कवर भी जारी करेंगी। चार मार्च को ही संग्रहालय का निरीक्षण करेंगी। पांच मार्च शुक्रवार को राज्यपाल सुबह शृंग्वेरपुर धाम जाएंगी। इसके बाद रज्जू भइया राज्य विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में भाग लेंगी। राज्यपाल का कार्यक्रम देखते हुए संग्रहालय व शृंग्वेरपुर में तैयारियां तेज कर दी गई हैं। पर्यटन विभाग व पंचायती राज विभाग को स्वच्छता व अन्य इंतजाम के निर्देश प्रशासन की ओर से दिए गए हैं। सुरक्षा इंतजामों के लिए कहा है। एडीएम सिटी एके कनौजिया ने बताया कि राज्यपाल के आगमन की सूचना आ गई है।

महानगर
वर्ष 24 | अंक 256 | पृष्ठ : 16
मूल्य : छह रुपये

अमर उजाला

प्रयागराज
मंगलवार, 2 मार्च 2021

शिकंजा फ्रांस के पूर्व राष्ट्रपति सरकोजी को भ्रष्टाचार के अपराध में जेल...13

उत्तर प्रदेश

गोरखपुर की लक्ष्मी को कुलाधिपति स्वर्ण पदक

उ.प्र. राजर्षि टंडन मुक्त विवि का दीक्षांत समारोह चार को, मेधावियों को दिए जाएंगे 19 स्वर्ण पदक

अमर उजाला ब्यूरो

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के 15वें दीक्षांत समारोह में कुलाधिपति स्वर्ण पदक गोरखपुर क्षेत्रीय केंद्र के तहत आने वाले अध्ययन केंद्र दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय की छात्रा लक्ष्मी गुप्ता को दिया जाएगा। लक्ष्मी ने बीएड विषय की परीक्षा प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण की और समस्त विद्याशाखाओं की स्नातक एवं स्नातकोत्तर परीक्षाओं में सर्वाधिक 82.07 फीसदी अंक प्राप्त किए। चार मार्च को सुबह दस बजे से होने वाले दीक्षांत समारोह की अध्यक्षता राज्यपाल आनंदीबेन पटेल करेंगी, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में भारतीय शिक्षण मंडल, नागपुर के अखिल भारतीय संगठन मंत्री मुकुल कानिटकर दीक्षांत भाषण देंगे।

मेडल पाने वालों में 74 फीसदी छात्राएं, 28659 शिक्षार्थियों को मिलेगी उपाधि

स्नातकोत्तर वर्ग में पांच टॉपर्स को मिलेंगे विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक

विवि स्वर्ण पदक इस बार स्नातकोत्तर वर्ग में विद्याशाखाओं के पांच टॉपर्स को दिए जाएंगे। इनमें मानविकी विद्याशाखा से देवरिया अध्ययन केंद्र से पंजीकृत एमए संस्कृत के छात्र रंजय कुमार सिंह, समाज विज्ञान विद्याशाखा से मऊ अध्ययन केंद्र से पंजीकृत एमए राजनीतिशास्त्र के छात्र रजत विश्वकर्मा, प्रबंधन अध्ययन विद्याशाखा के तहत मथुरा अध्ययन केंद्र से पंजीकृत एमकॉम की छात्रा तिवारी स्वाति रमाशंकर, शिक्षा विद्यालय शाखा के तहत आजमगढ़ अध्ययन केंद्र से पंजीकृत एमए शिक्षाशास्त्र की छात्रा नेहा सिंह और विज्ञान विद्याशाखा के तहत मथुरा अध्ययन केंद्र से पंजीकृत एमएससी बायोकेमिस्ट्री के छात्र स्वप्निल चौहान शामिल हैं।

स्नातक वर्ग में छह टॉपर्स को मिलेंगे विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक

स्नातक वर्ग में इस बार विद्याशाखाओं के छह टॉपर्स को विश्वविद्यालय स्वर्ण पद दिए जाएंगे। इनमें मानविकी विद्याशाखा में अंबेडकर नगर अध्ययन केंद्र से पंजीकृत बीए की छात्रा विभा यादव, समाज विज्ञान विद्याशाखा में कानपुर देहात अध्ययन केंद्र की बीए की छात्रा रिद्धि सिंह, प्रबंधन अध्ययन विद्याशाखा में मथुरा अध्ययन केंद्र की बीकॉम की छात्रा अंजली, कंप्यूटर एवं सूचना विज्ञान विद्याशाखा में देवरिया अध्ययन केंद्र की बीएससी की छात्रा वीनस चौरसिया, शिक्षा विद्याशाखा में गोरखपुर अध्ययन केंद्र की बीएड की छात्रा लक्ष्मी गुप्ता और विज्ञान विद्याशाखा में आजमगढ़ अध्ययन केंद्र के बीएससी के छात्र अभिनंदन यादव शामिल हैं।

दीक्षांत समारोह में विभिन्न विद्याशाखाओं में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले शिक्षार्थियों को 19 स्वर्ण पदक प्रदान किए जाएंगे, जिनमें पांच स्वर्ण पदक छात्रों और 14 स्वर्णपदक छात्राओं को मिलेंगे। यानी 74 फीसदी पदक बेटियों के खाते में जाएंगे। दीक्षांत समारोह में सत्र दिसंबर 2019 एवं जून 2020 की परीक्षा में उत्तीर्ण 28659 शिक्षार्थियों को उपाधि प्रदान की जाएगी। इनमें 15492 पुरुष और 13167 महिला शिक्षार्थी शामिल हैं। मुक्त विवि के कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने बताया कि दीक्षांत समारोह में शामिल होकर उपाधि प्राप्त करने के लिये 556 शिक्षार्थियों ने ऑनलाइन पंजीकरण कराया है।

आठ मेधावियों को दानदाता स्वर्ण पदक : बाबू ओमप्रकाश गुप्त स्मृति स्वर्ण पदक गोरखपुर अध्ययन केंद्र की बीएड की छात्रा लक्ष्मी गुप्ता, कैलाशपत नेवेटिया स्मृति स्वर्ण पदक प्रयागराज की छात्रा शगुफ्ता खान, स्वर्गीय अनिल मीना चक्रवर्ती स्मृति स्वर्ण पदक कानपुर देहात बीए की छात्रा रिद्धि सिंह एवं गोरखपुर छात्रा आशा यादव, प्रो. एमपी दुबे पर्यावरण-गांधी चिंतन एवं शांति अध्ययन उत्कृष्टता स्वर्ण पदक प्रयागराज के मनीष कुमार मिश्र, प्रो. एमपी दुबे दिव्यांग मेधा स्वर्णपदक जौनपुर के छात्र शाहनवाज सिद्दिकी, पंडित सोहन लाल द्विवेदी स्मृति स्वर्णपदक आजमगढ़ की छात्रा निकिता को दिया जाएगा।

गोरखपुर की लक्ष्मी गुप्ता को मिलेगा कुलाधिपति स्वर्ण पदक

● उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विवि का 15वां दीक्षान्त समारोह 4 मार्च को, 19 को स्वर्ण पदक और 28659 छात्रों को मिलेगी उपाधि

पायनियर समाचार सेवा। प्रयागराज

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय का 15वां दीक्षान्त समारोह 04 मार्च को सुबह दस बजे सरस्वती परिसर स्थित नवनिर्मित आडिटोरियम में आयोजित होगा। दीक्षान्त की अध्यक्षता राज्यपाल आनंदीबेन पटेल करेंगी। मुख्य अतिथि मुकुल कानिटकर अखिल भारतीय संगठन मंत्री भारतीय शिक्षण मण्डल नागपुर दीक्षान्त भाषण देंगे। कुलपति प्रो के एन सिंह ने पत्रकारों को बताया कि 15वें दीक्षान्त समारोह में विभिन्न विद्या शाखाओं में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले शिक्षार्थियों को 19 स्वर्ण पदक प्रदान किये जायेंगे। जिनमें 05 स्वर्ण

पत्रकारवार्ता करते कुलपति प्रो. केएन सिंह

पदक छात्रों तथा 14 स्वर्णपदक छात्राओं की झोली में जायेंगे। दीक्षान्त समारोह में सत्र दिसम्बर 2019 तथा जून 2020 की परीक्षा के सापेक्ष उत्तीर्ण लगभग 28659 हजार शिक्षार्थियों को उपाधि प्रदान की जायेगी। जिसमें 15492 पुरूष तथा 13167 महिला शिक्षार्थी हैं। दीक्षान्त समारोह के लिए अब तक 556 शिक्षार्थियों ने आनलाइन पंजीकरण करा लिया है। विवि से हिन्दी कम्प्यूटर साइंस और कामर्स में पीएचडी करने वाले तीन शिक्षार्थियों को शोध उपाधि दी जायेगी। दीक्षान्त समारोह भारतीय पारम्परिक परिधान में होगा। छात्र छात्राओं के लिये सफेद धोती कुर्ता या पाजामा पीली साड़ी या सलवार सूट निर्धारित है। प्रो सिंह ने बताया कि इस बार कुलाधिपति स्वर्ण पदक गोरखपुर क्षेत्रीय केन्द्र के तहत आने वाले अध्ययन केन्द्र दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विवि की छात्रा लक्ष्मी गुप्ता को दिया जायेगा। लक्ष्मी गुप्ता ने बीएड विषय की परीक्षा प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण की तथा समस्त विद्याशाखाओं की स्नातक एवं स्नातकोत्तर परीक्षाओं में उत्तीर्ण समस्त स्नातक परास्नातक शिक्षार्थियों में सर्वाधिक अंक प्राप्त किये हैं। विवि स्वर्ण पदक स्नातकोत्तर वर्ग में विद्या शाखाओं के 05 टापर्स को दिए जाएंगे। जिसमें एमए संस्कृत के छात्र रंजय कुमार सिंह एमए राजनीतिशास्त्र के छात्र रजत विश्वकर्मा एमकाम की छात्रा तिवारी स्वाति रमाशंकर एमए शिक्षाशास्त्र की छात्रा नेहा सिंह तथा एमएससी बायोकेमिस्ट्री के छात्र स्वप्निल चौहान शामिल हैं। प्रो सिंह ने बताया कि आठ मेधावी शिक्षार्थियों को दानदाता स्वर्ण पदक से सम्मानित किया जायेगा। दीक्षान्त समारोह में शामिल होने वाले शिक्षार्थियों को उत्तरीय 03 मार्च को शांतिपुरम फाफामऊ स्थित विवि मुख्यालय से वितरित किये जायेंगे। पत्रकार वार्ता में प्रो सत्यपाल तिवारी डा अरुण कुमार गुप्ता डा आनंदानंद त्रिपाठी एवं डा प्रभात चंद्र मिश्रा उपस्थित रहे।

Aag Lucknow

Page 1 ▾

02-Mar-2021

وقت
کے دامن میں ایسے تحیر آمیز واقعات ہوتے ہیں کہ جن کا کبھی ہم تصور بھی نہیں کر سکتے اور جب حقیقت کا انکشاف ہوتا ہے تو ہماری حیرت اپنی انتہا پر ہوتی ہے

روزنامہ
آگ
اخبار آپ کا
URDU DAILY AAG LUCKNOW

وقت
کی ہر شے غلام ہے اس کو شاعری اور روزمرہ کی گفتگو میں ہم لوگ اپنی زبان پر لاتے ہیں لیکن اس پر یقین نہیں کرتے ہیں جبکہ یہ حقیقت ہے

شہر ایڈیشن
www.dailyaag.com

Lucknow, 02 March 2021, Tuesday, Pages (12), Rs. 3.00, Regd. No. 9575/63, Issue (235), Volume (15)

لکشمی گپتا سمیت ۲۰ لوگوں کو ملے گا چانسلر گولڈ میڈل

پریاگ راج (نامہ نگار)۔اتر پردیش راج رشی ٹنڈن یونیورسٹی پریاگ راج کا ۱۵ ویں تقریب تقسیم اسناد آئندہ ۴/مارچ ۲۰۲۱ کو ۱۰ بجے سرسوتی احاطہ واقع آڈیٹوریم میں کووڈ-19 پروٹوکول پر عمل کرتے ہوئے منعقد کیا جائے گا۔تقریب تقسیم اسناد کی صدارت گورنر و چانسلر مسز آنندی بین پٹیل کریں گی۔تقریب کے مہمان خصوصی مکل کانیٹکر، آل انڈیا تنظیمی سکریٹری بھارتیہ شکھن منڈل ناگپور تقریب اسناد میں تقریر کریں گے۔تقریب میں مختلف برانچوں میں سب سے زیادہ نمبر پانے والے طلباء کو ۱۹ گولڈ میڈل دئے جائیں گے۔جن میں ۵ گولڈ میڈل طلباء اور ۱۴ طالبات کی جھولی میں جائیں گے۔تقسیم اسناد تقریب میں سیشن دسمبر ۲۰۱۹/ اور جون ۲۰۲۰ کے امتحانات کے برعکس کامیاب تقریباً ۲۸۶۵۹ طلباء کو ڈگری دی جائے گی۔جس میں ۱۵۴۹۲ مرد اور ۱۳۱۶۷ خاتون طلباء ہیں۔یہ اطلاع وائس چانسلر پروفیسر کامیشور ناتھ سنگھ نے دوشنبہ کو منعقد پریس کانفرنس میں دی ہے۔

پروفیسر سنگھ نے بتایا کہ سرسوتی احاطہ واقع نئے آڈیٹوریم میں تقریب تقسیم اسناد کے انعقاد کیلئے سبھی ضروری تیاریاں کرلی گئی ہیں۔تقریب میں شامل ہوکر ڈگری حاصل کرنے کیلئے تقریباً ۵۵۶ طلباء نے آن لائن رجسٹریشن کرایا ہے۔یونیورسٹی سے ہندی، کمپیوٹر سائنس اور کامرس میں تحقیقی کام (پی ایچ ڈی) مکمل کرنے والے ۳ طلباء کو تقریب میں پی ایچ ڈی کی ڈگری دی جائے گی۔

تقریب میں شامل ہونے کیلئے پورے اتر پردیش سے طلباء آرہے ہیں، ان میں کافی جوش ہے۔یہ تقریب ہندوستانی روایتی لباس میں منعقد کی جائے گی۔تقریب میں ڈگری حاصل کرنے والے طلبا ء طالبات کیلئے سفید دھوتی کرتا یا پائجامہ اور خواتین کیلئے پیلی ساڑی یا شلوار سوٹ مقرر کیا گیا ہے۔پروفیسر سنگھ نے بتایا کہ تقریب میں چانسلر گولڈ میڈل گورکھپور علاقائی مرکز کے تحت آنے والے مطالعہ مرکز دین دیال اپادھیائے گورکھپور یونیورسٹی کی طالبہ لکشمی گپتا کو دیا جائے گا۔لکشمی گپتا نے بی ایڈ کا امتحان فرسٹ ڈویزن میں پاس کیا اور سبھی برانچوں کے گریجویٹ اور پوسٹ گریجویٹ میں کامیاب سبھی امیدواروں میں سب سے زیادہ ۸۲،۰۷ نمبر حاصل کئے۔پروفیسر کامیشور ناتھ سنگھ نے بتایا کہ یونیورسٹی گولڈ میڈل اس بار پوسٹ گریجویٹ زمرہ میں مختلف برانچوں کے ۵ ٹاپرس کو دئے جارہے ہیں۔جس میں سنجے کمار سنگھ، رجت وشوکرما، سواتی تیواری، نیہا سنگھ اور سوپنل چوہان کو دیا جائے گا۔

JEEVAN EXPRESS PRAYAGRAJ

PRAYAGRAJ TUESDAY, 2 MARCH 2021

The 15th Convocation of U.P. Rajarshi Tandon Open University to be held on March 04

***Governor and Chancellor Smt. Anandiben Patel preside over the convocation**
***Lakshmi Gupta of Gorakhpur to be awarded Chancellor Medal**

STAFF REPORTER

PRAYAGRAJ: The 15th Convocation of U.P.R.T.O.U. Prayagraj will be organized on March 04 at Sarswati campus of the University. The program will be chaired by Governor Chancellor Smt. Anandiben Patel. The Chief Guest Akhil Bhartiya Sanghthan Mantri of Bhartiya Shikshan Mandal, Nagpur Mukul Kanitkar will deliver the Convocation speech.

5 Gold medals to male students and 14 Gold Medals will be awarded to the female students who obtained from different schools of University in the 15th Convocation. In this Convocation, 28659 degrees (15492 to males and 13167 to female) will be awarded to students passed in the examination of December 2019 and June 2020 Session of the University. This information was given by the Vice-Chancellor Prof. Kameshwar Nath Singh on Monday.

Prof. Singh told that all the necessary preparations for Newly Constructed Auditoriom, organization of the convocation have been completed. About 556 students have registered themselves Online for attending the convocation and obtaining degrees. Three Students who have been completed their research work in Hindi, Computer Science and Commerce from the University will be awarded Ph.D. degree in the Convocation. Students obtaining degrees in the convocation will have to wear white Kurta-Dhoti or Pyajama for male students and yellow Sari or Salwar-suit for female students.

Prof. Singh told that in the 15th convocation the Chancellor Medal will be awarded to Lakshmi Gupta from Deen Dayal Upadhayay Gorakhapur University, Gorakhpur Study Centre under the Gorakhpur Regional Centre of the University. Lakshmi Gupta completed her B.Ed. in first class and obtained highest 82.07% among all the Graduate and Post Graduate Passed students of the all schools of the University. Similarly, in the graduating class, the university gold medal will be given to 6 toppers this time. Eight meritorious learners will be awarded donor gold medals. Along with this, three other donor gold medals will also be given to the meritorious students. The great national poet Pt. Sohan Lal Dwivedi memory will be given to Nikita, a registered MA (Hindi) student from Swarnapadak Shri Baba Sadhavaram College, Koihan, Barsara Khalsa, Azamgarh Study Center. Prof. Singh said that along with compliance with the protocol of Kovid-19 around the venue, adequate arrangements for cleanliness and parking are being made. During this Prof. Satyapal Tiwari, Dr. Arun Kumar Gupta, Dr. Anandanand Tripathi and Dr. Prabhat Chandra Mishra etc. were present.

राजभवन
उमंग
त्रैमासिक पत्रिका
मुख्य भवन, राजभवन, उत्तर प्रदेश
अंक– 01 राजभवन, उत्तर प्रदेश
अगस्त, सितम्बर, अक्टूबर 2020

वरदान साबित हो सकता है मुक्त विश्वविद्यालय

16 अक्टूबर, 2020

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के क्षेत्रीय कार्यालय कानपुर के नये निर्मित होने वाले भवन का ऑनलाइन शिलान्यास करते हुए राज्यपाल एवं कुलाधिपति।

देश के स्वाधीनता आन्दोलन में कानपुर की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। इसे उत्तर प्रदेश की औद्योगिक राजधानी भी कहा जाता है। यह नगर सूती वस्त्र, ऊनी वस्त्र और जूट की मिलों के रूप में प्रसिद्ध रहा है। प्लास्टिक उद्योग, इंजीनियरिंग तथा इस्पात के कारखानों, बिस्कुट आदि बनाने के कारखाने पूरे जनपद में लगे हुए हैं। यहां बड़े उद्योगों के साथ छोटे–छोटे अनेक कल–कारखानें स्थापित हैं। ये विचार उत्तर प्रदेश की राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने राजभवन से उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के क्षेत्रीय कार्यालय कानपुर के नये निर्मित होने वाले भवन का ऑनलाइन शिलान्यास करते हुए व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि कानपुर में विश्वविद्यालय का अपना क्षेत्रीय कार्यालय भवन बन जाने से उस क्षेत्र के विद्यार्थियों को सुविधा हो जायेगी। समाज का एक ऐसा वर्ग है, जो घरेलू दिनचर्या या व्यावसायिक व्यस्तताओं के कारण कक्षाओं में नियमित अध्ययन नहीं कर सकता, वह मुक्त विश्वविद्यालय के माध्यम से गुणात्मक शिक्षा ग्रहण कर सकता है। इसके साथ ही यहां कारखानों

> **"नई शिक्षा नीति सबके लिए आसान पहुंच, समानता, गुणवत्ता और जवाबदेही के आधारभूत स्तंभों पर निर्मित है।"**

में लाखों लोग काम करते हैं। वे लोग काम के साथ अपनी पढ़ाई भी करना चाहते हैं। उनके लिए भी उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय एक वरदान साबित हो सकता है।

राज्यपाल ने बताया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति में शिक्षा के सभी स्तरों पर वंचित समूहों की समान सहभागिता सुनिश्चित की गयी है एवं उनमें विशेष रूप से वंचित महिलाओं की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पर विशेष ध्यान दिया गया है, जिसमें पहला कदम शिक्षा में बालिकाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए जेन्डर समावेशी फण्ड की व्यवस्था की गयी है। उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति सबके लिए आसान पहुंच, समानता, गुणवत्ता और जवाबदेही के आधारभूत स्तंभों पर निर्मित है। इस शिक्षा नीति में प्रत्येक विद्यार्थी में रचनात्मक सोच, तार्किक निर्णय और नवाचार की भावना को प्रोत्साहित कर, उसमें निहित अद्वितीय क्षमताओं को सामने लाना है।

राज्यपाल ने उच्च शिक्षण संस्थाओं से अपेक्षा व्यक्त करते हुए कहा कि गुणवत्तापूर्ण ई–पाठयवस्तु क्षेत्रीय भाषाओं में शिक्षकों द्वारा विकसित किए जाएं। उच्चतर शिक्षा प्रणाली में शिक्षण तथा पठन–पाठन ऐसा होना चाहिए, जो विद्यार्थियों में अन्वेषण, समाधान, तार्किकता और रचनात्मकता विकसित करें। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को ऐसी शिक्षा दी जाए जो चरित्र निर्माण, नैतिकता, करूणा और संवेदनशीलता का भाव विकसित करे और रोजगार योग्य भी बनाए। उन्होंने कहा कि वास्तव में शिक्षा के माध्यम से हमें ऐसे विद्यार्थियों को गढ़ना है जो राष्ट्र–गौरव के साथ–साथ विश्व–कल्याण से ओत–प्रोत हो और वे सही मायने में 'ग्लोबल सिटिजन' बन सकें।

कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री एवं उच्च शिक्षा मंत्री डा0 दिनेश शर्मा का वीडियो संदेश भी प्रसारित किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह, अनेक विद्वतजन एवं शिक्षकगण भी आनलाइन जुड़े हुए थे।

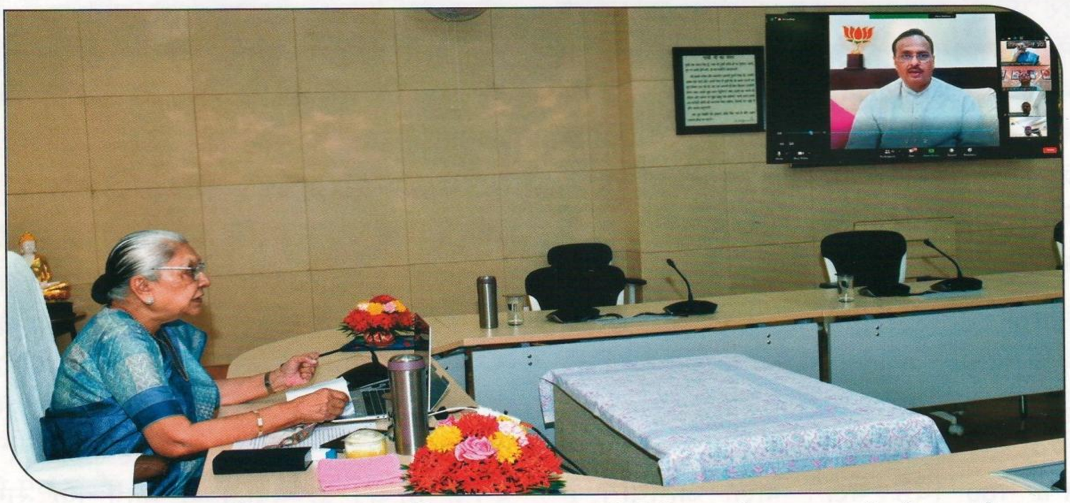

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के क्षेत्रीय कार्यालय कानपुर के नये भवन के शिलान्यास के अवसर पर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री एवं शिक्षा मंत्री डा0 दिनेश शर्मा।

□□

मुक्त चिंतन
उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय
(उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित)
A Quarterly Bulletin of UP Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj
हम पहुंचे वहां पहुंचा न कोई जहां
03 मार्च, 2021

विद्या परिषद् की 65वीं बैठक आयोजित

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय की विद्या परिषद् की 65वीं बैठक दिनांक 03 मार्च, 2021 को अपराह्न 02:00 बजे कमेटी कक्ष में आहूत की गई। बैठक की अध्यक्षता प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह, कुलपति, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज ने की। बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिये गये।

विद्या परिषद की बैठक की अध्यक्षता करते हुए माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी एवं बैठक में उपस्थित सदस्यगण।

बैठक में प्रो0 ए.आर. सिद्दीकी, विभागाध्यक्ष, भूगोल, इलाहाबाद केन्द्रीय विश्वविद्यालय, प्रयागरा, प्रो0 आर.के. सिंह सिंह, डीन, कला संकाय, इलाहाबाद केन्द्रीय विश्वविद्यालय, प्रयागराज, प्रो0 एन.के. राना, भूगोल विभाग, डी.डी.यू., गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर, प्रो0 चन्द्रशेखर सिंह, डीन, कला संकाय, डी.डी.यू., गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर, प्रो0 डी.के. सिंह, समाज कार्य विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ, प्रो0 ओमजी गुप्ता, निदेशक, प्रबन्धन अध्ययन विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, प्रो0 प्रेम प्रकाश दुबे, निदेशक, कृषि विज्ञान विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, प्रो0 आशुतोष गुप्ता निदेशक, विज्ञान विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, प्रो0 गिरिजा शंकर शुक्ल निदेशक, स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, प्रो0 सत्यपाल तिवारी, निदेशक, मानविकी विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, प्रो0 सन्तोषा कुमार, आचार्य, (इतिहास) समाज विज्ञान विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, प्रो0 सुधाशुं त्रिपाठी, समाज विज्ञान विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, डॉ0 आनन्दा नन्द त्रिपाठी, एसोसिएट प्रोफेसर, समाज विज्ञान विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, डॉ0 संजय कुमार सिंह, एसोसिएट प्रोफेसर, समाज विज्ञान विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, श्री मनोज कुमार बलवन्त, असिस्टेन्ट प्रोफेसर, कम्प्यूटर विज्ञान विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, डॉ0 सतीश चन्द्र जैसल, असिस्टेन्ट प्रोफेसर, मानविकी विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, श्री डी.पी. सिंह, परीक्षा नियंत्रक, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज (विशेष आंमत्रित) एवं डॉ0 अरूण कुमार गुप्ता, कुलसचिव, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज उपस्थित रहे।

विद्या परिषद की बैठक की अध्यक्षता करते हुए माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी एवं बैठक में उपस्थित सदस्यगण।

मुक्त चिंतन

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय

(उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित)

A Quarterly Bulletin of UP Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj

हम पहुंचे वहां पहुंचा न कोई जहां

03 मार्च, 2021

कार्य परिषद् की 116वीं बैठक आयोजित

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, कार्य परिषद् की 116वीं बैठक दिनांक 04 मार्च, 2021 को अपराह्न: 02:30 बजे कमेटी कक्ष में आहूत की गई। बैठक की अध्यक्षता प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह, कुलपति, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज ने की। बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गये।

बैठक में प्रो0 निर्मला एस. मौर्या, कुलपति, वीर बहादुर सिंह पूर्वान्चल विश्वविद्यालय, जौनपुर, डॉ0 गोविन्द शेखर, अवकाश प्राप्त प्राचार्य, बहराइच, श्री सुशील गुप्ता, रायबरेली, डॉ0 ओमजी गुप्ता, निदेशक प्रबन्धन अध्ययन विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, प्रो0 सत्यपाल तिवारी, निदेशक, मानविकी विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, प्रो0 पी0के0 पाण्डेय, आचार्य, शिक्षा विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, डॉ0 आनन्दा नन्द त्रिपाठी, एसोसिएट प्रोफेसर, समाज विज्ञान विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, डॉ0 दिनेश सिंह सहायक निदेशक/असिस्टेण्ट प्रोफसर, शिक्षा विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, श्री डी.पी. सिंह, परीक्षा नियंत्रक, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज (विशेष आंमत्रित) एवं डॉ0 अरुण कुमार गुप्ता, कुलसचिव, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज उपस्थित रहे।

कार्य परिषद की बैठक की अध्यक्षता करते हुए माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी एवं बैठक में उपस्थित सदस्यगण।

कार्य परिषद के नवनियुक्त समनित सदस्यों का स्वागत एवं सम्मान

कार्य परिषद के नवनियुक्त समनित सदस्य प्रो0 निर्मला एस. मौर्या, कुलपति, वीर बहादुर सिंह पूर्वान्चल विश्वविद्यालय, जौनपुर, डॉ0 गोविन्द शेखर, अवकाश प्राप्त प्राचार्य, बहराइच का स्वागत करते हुए विश्वविद्यालय के मा0 कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी

कार्य परिषद की बैठक की अध्यक्षता करते हुए माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी एवं बैठक में उपस्थित सदस्यगण।

मुक्त चिंतन

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय

(उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित)

A Quarterly Bulletin of UP Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj

हम पहुंचे वहां पहुंचा न कोई जहां

04 मार्च, 2021

उ. प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय
प्रयागराज
15 वाँ
पंचदश दीक्षान्त समारोह
गुरुवार, 4 मार्च, 2021

मुविवि का पंचदश दीक्षान्त समारोह सम्पन्न

उ. प्र. राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के 15 वें दीक्षांत समारोह में 19 को मिले स्वर्ण पदक

सहायक अध्यापक लक्ष्मी गुप्ता को मिला कुलाधिपति स्वर्ण पदक

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय का पंचदश दीक्षान्त समारोह दिनांक 04 मार्च, 2021 को सरस्वती परिसर स्थित पं0 मदन मोहन मालवीय दीक्षान्त समारोह स्थल स्थित अटल प्रेक्षागृह में आयोजित किया गया। दीक्षान्त समारोह के मुख्य अतिथि भारतीय शिक्षण मंडल, नागपुर के अखिल संगठन मंत्री श्री मुकुल कानिटकर जी रहे । समारोह की अध्यक्षता माननीया श्री राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी ने की। समारोह के प्रारम्भ में कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह जी ने अतिथियों एवं अन्य आगन्तुकों का स्वागत किया तथा विश्वविद्यालय की प्रगति आख्या प्रस्तुत की।

पंदश दीक्षान्त समारोह में माननीया श्री राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी ने विभिन्न विद्याशाखाओं में सर्वाधिक अंक प्राप्त कर सर्वोच्च स्थान प्राप्त करने वाले शिक्षार्थियों को 19 स्वर्ण पदक प्रदान किये गये। दीक्षान्त समारोह में सत्र दिसम्बर 2019 तथा जून 2020 की परीक्षा के सापेक्ष उत्तीर्ण लगभग 28659 हजार शिक्षार्थियों को उपाधि प्रदान की गयी, जिसमें 15492 पुरूष तथा 13167 महिला शिक्षार्थी रहीं। पी–एच0डी0 करने वाले 03 छात्रों को दीक्षान्त समारोह में शोध उपाधि प्रदान की गयी।

इस अवसर पर माननीया राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी ने अटल प्रेक्षागृह का लोकार्पण किया। प्रारम्भ में राष्ट्रगीत एवं विश्वविद्यालय कुलगीत विश्वविद्यालय की छात्राओं ने प्रस्तुत किया। माननीया श्री राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी, मुख्य अतिथि भारतीय शिक्षण मंडल, नागपुर के अखिल संगठन मंत्री श्री मुकुल कानिटकर जी एवं उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह ने दीप प्रज्ज्वलन कर दीक्षान्त समारोह का शुभारंभ किया। इस अवसर पर कुलपति प्रो0 सिंह ने माननीया श्री राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी, मुख्य अतिथि भारतीय शिक्षण मंडल, नागपुर के अखिल संगठन मंत्री श्री मुकुल कानिटकर जी को हरित फल, पुस्तक तथा अंगवस्त्रम प्रदान किया। दीक्षान्त समारोह का संचालन डॉ0 विनोद कुमार गुप्त तथा डॉ0 श्रुति ने संयुक्त रूप से किया। इस अभूतपूर्व समारोह में जनपद के जूनियर हाईस्कूल के चयनित विद्यार्थियों की सहभागिता रही। विश्वविद्यालय के 15वें दीक्षान्त समारोह में पॉलिथिन मुक्त अभियान पर विशेष जोर दिया गया। समूचे कैम्पस को प्लास्टिक मुक्त रखते हुये क्लीन कैम्पस–ग्रीन कैम्पस के सिद्धान्त पर हरित परिसर के रूप में संवारा गया। आगन्तुकों ने हरित परिसर की भूरि–भूरि सराहना की तथा इसे पर्यावरण संरक्षण के दिशा में एक बड़ा कदम बताया। इस अवसर पर प्रमुख लोगों में डॉ0 नरेन्द्र सिंह गौर, पूर्व उच्च शिक्षा मंत्री, उच्चतर शिक्षा सेवा आयोग के अध्यक्ष प्रो0 ईश्वर शरण विश्वकर्मा, उत्तर प्रदेश सरकार, लाक सेवा आयोग, उ0प्र0 के सदस्य, प्रो0 आर.एन. त्रिपाठी, अजीत सिंह, डॉ0 सुनीता सिंह, आदि उपस्थित रहे।

माननीया राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी को पुष्प देकर उनका स्वागत करते हुए कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह

अटल प्रेक्षागृह का लोकार्पण

अटल प्रेक्षागृह का लोकार्पण करती हुई माननीया राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी

ग्रुप फोटोग्राफी

ग्रुप फोटोग्राफ में माननीय अतिथिगण, कार्यपरिषद एवं विद्या परिषद के सम्मानित सदस्यगण।

(उपर की तरफ से पीछे बाये से दाये) डॉ0 सतीश चन्द्र जैसल, असिस्टेन्ट प्रोफेसर, मानविकी विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, श्री मनोज कुमार बलवन्त, असिस्टेन्ट प्रोफेसर, कम्प्यूटर विज्ञान विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, डॉ0 संजय कुमार सिंह, एसोसिएट प्रोफेसर, समाज विज्ञान विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, प्रो0 सुधांशु त्रिपाठी, समाज विज्ञान विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, प्रो0 सन्तोषा कुमार, आचार्य, (इतिहास) समाज विज्ञान विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, डॉ0 अरूण कुमार गुप्ता, कुलसचिव, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, प्रो0 गिरिजा शंकर शुक्ल निदेशक, स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, प्रो0 आशुतोष गुप्ता निदेशक, विज्ञान विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, प्रो0 प्रेम प्रकाश दुबे, निदेशक, कृषि विज्ञान विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, प्रो0 एन.के. राना, भूगोल विभाग, डी.डी.यू., गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर, प्रो0 आर.के. सिंह सिंह, डीन, कला संकाय, इलाहाबाद केन्द्रीय विश्वविद्यालय, प्रयागराज, प्रो0 ए.आर. सिद्दीकी, विभागाध्यक्ष, भूगोल, इलाहाबाद केन्द्रीय विश्वविद्यालय, प्रयागरा,

(उपर की तरफ से पीछे बाये से दाये) डॉ0 दिनेश सिंह सहायक निदेशक/असिस्टेण्ट प्रोफेसर, शिक्षा विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, डॉ0 आनन्दा नन्द त्रिपाठी, एसोसिएट प्रोफेसर, समाज विज्ञान विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, प्रो0 पी0के0 पाण्डेय, शिक्षा विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, प्रो0 सत्यपाल तिवारी, निदेशक, मानविकी विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, मुख्य अतिथि श्री मुकुल कानिटकर, माननीय राज्यपाल, उ0प्र0 एवं कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी, कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह , डॉ0 ओमजी गुप्ता, निदेशक प्रबन्धन अध्ययन विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, श्री सुशील गुप्ता एवं डॉ0 गोविन्द शेखर,

शोभा यात्रा का सभागार में आगमन

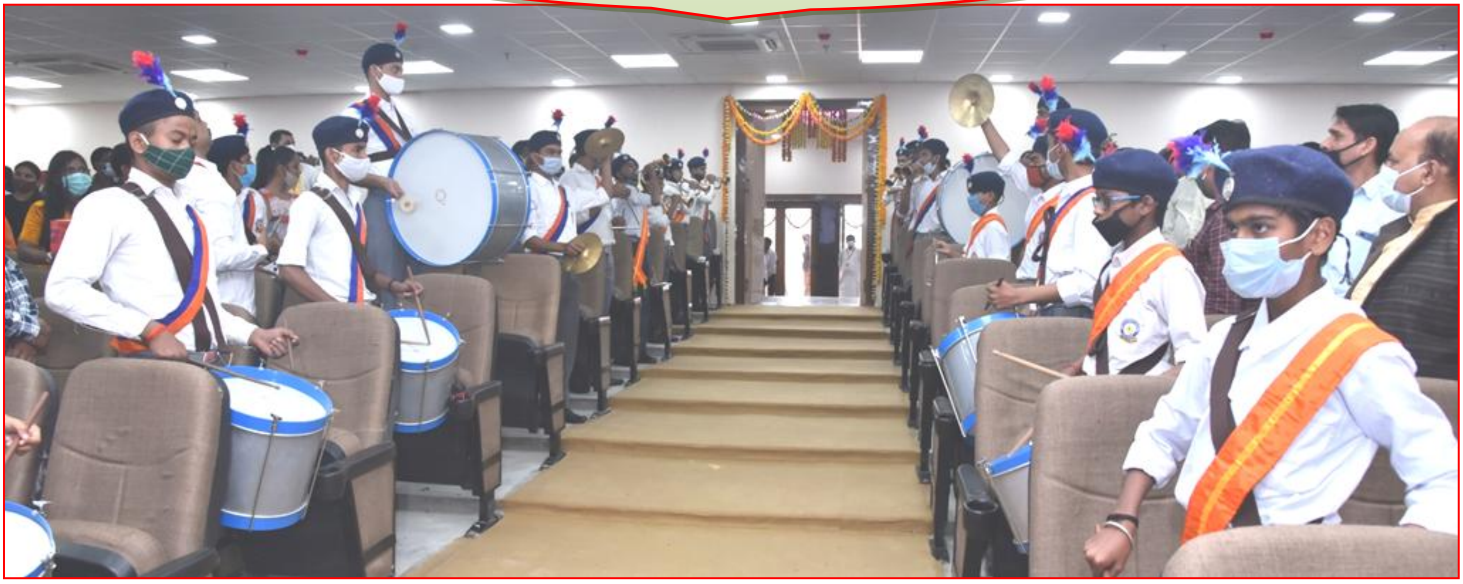

शोभा यात्रा का खडे होकर अभिवादन करते हुए शिक्षार्थी

दीक्षान्त सभागार में उपस्थित अतिथियों का अभिवादन करती हुई माननीया श्री राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्रीमती आनन्दीबेन पटेल जी

(दाये से बाये) मंच पर उपस्थित मुख्य अतिथि श्री मुकुल कानिटकर जी, माननीया राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी तथा कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह जी

वन्देमातरम् प्रस्तुत करती हुई छात्राऐ।

(दाये से बाये) मंच पर उपस्थित मुख्य अतिथि श्री मुकुल कानिटकर जी, माननीया राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी तथा कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह जी

संयुक्त रूप से दीक्षान्त समारोह का संचालन करती हुई डॉ0 श्रुति
एवं डॉ0 विनोद कुमार गुप्त

विश्वविद्यालय कुलगीत प्रस्तुत करती हुई छात्राऐ।

सभागार

में

उपस्थित
छात्र–छात्रायें,
अतिथिगण

एवं गणमान्य
नागरिक

दीप प्रज्ज्वलन

दीप प्रज्ज्वलन
कर दीक्षान्त समारोह
का
शुभारंभ
करती
हुई
माननीया श्री राज्यपाल
एवं
कुलाधिपति
श्रीमती आनन्दीबेन पटेल जी,

सभागार

में

उपस्थित छात्र–छात्रायें,
अतिथिगण

एवं गणमान्य नागरिक

माननीय अतिथियों का स्वागत

माननीया श्री राज्यपाल
एवं
कुलाधिपति
श्रीमती आनन्दीबेन पटेल जी
एवं मुख्य अतिथि श्री मुकुल
कानिटकर जी को
हरितफल भेंट कर
स्वागत करते हुए
कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ

स्वागत एवं विश्वविद्यालय की प्रगति आख्या

माननीया कुलाधिपति महोदया से दीक्षान्त समारोह को आरम्भ करने की अनुमति लेते हुए कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह

समाज में जन जन तक पहुंचने का प्रयास : कुलपति

कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने कुलाधिपति एवं राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल एवं मुख्य अतिथि श्री मुकुल कानिटकर का स्वागत किया तथा विश्वविद्यालय की गत वर्ष की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की। उन्होंने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय अपने कार्यक्रमों की गुणवत्ता एवं समसामयिकता पर दृष्टि रखता है तथा केवल परिसर तक ही सीमित न होकर समाज में जन जन तक पहुंचने का प्रयास कर रहा है। प्रोफेसर सिंह ने कहा कि हम अपने सामाजिक दायित्वों को संवेदनात्मक भाव से स्वीकार करते हुए भारत सरकार एवं प्रदेश सरकार द्वारा संचालित जनोपयोगी अभियान एवं दिशा निर्देशों के अनुरूप कार्य कर रहे हैं। केंद्र एवं राज्य की मंशा के अनुरूप विश्वविद्यालय ने नैक मूल्यांकन की दिशा में प्रथम चरण पूर्ण कर लिया है।

प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह

दीक्षान्त समारोह में स्नातकोत्तर, स्नातकोत्तर डिप्लोमा एवं स्नातक उपाधि प्राप्त करने वाले शिक्षार्थियों को अनुशासनादेश प्रदान करते हुए मा0 कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह

प्रतिज्ञा लेते छात्र–छात्रायें

सभागार में उपस्थित छात्र–छात्रायें एवं गणमान्य नागरिक

कुलसचिव डॉ0 अरूण कुमार गुप्ता

उपाधि प्रदान करने का अनुरोध

दीक्षान्त समारोह में छात्र–छात्राओं को उपाधि प्रदान करने हेतु अनुरोध करते हुए विभिन्न विद्याशाखाओं के निदेशकगण एवं कुलसचिव

प्रो0 सत्य पाल तिवारी
निदेशक, मानविकी विद्याशाखा

प्रो0 आशुतोष गुप्ता
निदेशक, विज्ञान विद्याशाखा

प्रो0 ओमजी गुप्ता
निदेशक, प्रबन्धन अध्ययन विद्याशाखा

कुलसचिव, अरूण कुमार गुप्ता

कुलाधिपति स्वर्ण पदक, विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक एवं दानदाता स्वर्ण पदक प्रदान किया जाना

लक्ष्मी गुप्ता को विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक प्रदान करती हुई माननीय राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी तथा साथ में मुख्य अतिथि मुकुल कानिटकर जी एवं कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह

मेधावी छात्र–छात्राओं को कुलाधिपति स्वर्ण पदक, विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक एवं दानदाता स्वर्ण पदक प्रदान माननीया कुलाधिपति जी

स्नातकोत्तर में स्वर्ण पदक से नवाजे गए पांच मेधावी

- रंजय सिंह, एमए संस्कृत देवरिया
- रजत विश्वकर्मा, एमए राजनीतिशास्त्र, मऊ
- तिवारी स्वाति रमाशंकर, एमकॉम, मथुरा
- स्वप्निल चौहान, एमएससी बायोकमेस्ट्री, मथुरा
- नेहा सिंह, एमए शिक्षाशास्त्र आजमगढ़

स्नातक में इन्हें मिले स्वर्ण पदक

- विभा यादव बीए अंबेडकरनगर
- रिद्धि सिंह बीए कानपुर देहात
- अंजली बीकॉम मथुरा
- वीनस चौरसिया बीसीए देवरिया
- लक्ष्मी गुप्ता बीएड गोरखपुर
- अभिनंदन यादव बीएससी आजमगढ़

बालिकाओं को शिक्षित करना सपना : लक्ष्मी

प्रयागराज। कुलाधिपति स्वर्ण पदक पाने वाली लक्ष्मी गुप्ता की बचपन से ही पुरस्कार पाने की कामना रही है। लक्ष्मी गुप्ता इस समय उच्च प्राथमिक विद्यालय, टेकुआपाती, सहजनवां, गोरखपुर में गणित की सहायक अध्यापक हैं।

26 सितंबर 2015 को उनकी नियुक्ति हुई। लक्ष्मी ने कहा कि सेवा में आने के बाद ऐसा लगा कि अब तो पढ़ाई संभव नहीं है। माध्यमिक शिक्षा में जाने के लिए बीएड की आवश्यकता प्रतीत हुई। जब दूरस्थ शिक्षा के बारे में जानकारी हुई तो आशा की एक किरण दिखाई दी। लक्ष्मी के पिता विजय कुमार किसान हैं। मां सविता देवी गृहणी हैं। वह

कुलाधिपति पदक विजेता लक्ष्मी गुप्ता।

तीन बहन और दो भाइयों में सबसे बढ़ी हैं। उन्होंने गोरखपुर विवि से 2009 में बीएससी और 2015 में एमएससी की पढ़ाई की। उन्होंने कहा कि बालिकाओं को शिक्षित करना सपना है। इसके साथ ही कहा कि मुविवि के पाठ्यक्रम का और विस्तार किया जाना चाहिए।

आध्यात्मिक एवं बौद्धिक परंपरा का स्वाध्याय पूर्वक आत्ममंथन करे युवा पीढ़ी- मुकुल कानिटकर

श्री मुकुल कानिटकर जी

दीक्षांत समारोह के मुख्य अतिथि श्री मुकुल कानिटकर, अखिल भारतीय संगठन मंत्री, भारतीय शिक्षण मंडल, नागपुर ने दीक्षांत भाषण देते हुए कहा कि दीक्षांत समारोह स्नातक के समावर्तन का उत्सव है। भारत की युवा पीढ़ी को हमारी उज्जवल, आध्यात्मिक एवं बौद्धिक परंपरा का स्वाध्याय पूर्वक आत्ममंथन करना चाहिए। हमारे प्राध्यापकों का भी यह परम कर्तव्य है कि वह छात्रों को अपने आचार, विचार और ज्ञान के अवबोध के माध्यम से प्रभावित करें। श्री कानिटकर ने कहा कि हमारी शिक्षा प्रणाली की बाहय संरचना एवं आंतरिक प्राणस्वर के रचनात्मक पुनर्निर्धारण का कार्य इस शताब्दी की सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक है। जिस के निदान का सूत्रपात राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 ने किया है।

श्री मुकुल कानिटकर जी

मुख्य अतिथि श्री कानिटकर ने कहा कि वर्तमान युग सामाजिक विमर्शों का युग है। सर्वस्पर्शी विकास की अवधारणा आज हमारे सामने है। ऐसे में समाज के वंचित वर्गों को समग्र विकास में सम्मिलित करना राष्ट्रीय शिक्षा नीति की शीर्ष प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि समाज के वंचित वर्गों को शैक्षणिक कार्यक्रमों में प्रवेश लेने पर शुल्क में छूट दिए जाने का प्रावधान करना विश्वविद्यालय की प्रसार गतिविधियों एवं सामाजिक सरोकारों के प्रति जागरूकता का प्रमाण है। श्री कानिटकर ने कहा कि वर्तमान युग दूरस्थ शिक्षा का युग है। दूरस्थ शिक्षा ही देश के कोने कोने में वंचित लोगों को शिक्षा उपलब्ध कराने का एकमात्र साधन है। जिसके द्वारा हम समय व दूरी की कठिनाइयों पर भी विजय प्राप्त कर सकते हैं। सामाजिक परिवर्तन की तीव्र गति के कारण विद्यार्थियों की बदलती हुई आवश्यकताओं की पूर्ति दूरस्थ व मुक्त शिक्षा ही कर सकती है। कोविड-19 जैसी वैश्विक महामारी ने समूचे शैक्षिक जगत को नए संदर्भों में देखने के लिए बाध्य कर दिया है। जिसकी परिणति ऑनलाइन शिक्षा की बढ़ती लोकप्रियता के रूप में दिखाई पड़ रही है। नि:संदेह मुक्त शिक्षा वर्तमान काल के ही नहीं के लिए ही नहीं अपितु भविष्य के लिए भी प्रासंगिक है। नवीन संचार माध्यमों एवं तकनीकों ने ज्ञान प्राप्ति तथा कौशल विकास का एक नया द्वार खोल दिया है। मुख्य अतिथि ने दीक्षांत समारोह में उपाधि तथा स्वर्ण पदक पाने वाले शिक्षार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि यह संकल्प का अवसर है, जब उन्हें अपने जीवन का लक्ष्य निर्धारित करना होगा। इसीलिए इस शैक्षिक पर्व का शिक्षार्थी के जीवन में बहुत महत्वपूर्ण स्थान होता है। अतः स्वयं को सार्थक बनाने के साथ-साथ परिवार, समाज तथा देश को गौरवान्वित करें।

समारोह में जनपद के जूनियर हाईस्कूल के चयनित विद्यार्थियों का सम्मान

जनपद के जूनियर हाईस्कूल के चयनित विद्यार्थियों को फल एवं बैग भेंट कर सम्मानित करती हुई माननीय राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी

जनपद के जूनियर हाईस्कूल के
चयनित विद्यार्थियों एवं उनके शिक्षकों
फल एवं बैग भेंट कर सम्मानित करती
हुई
माननीय राज्यपाल एवं कुलाधिपति

माननीय राज्यपाल एवं कुलाधिपति जी का उद्बोधन

माननीय राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी

5 वर्ष तक के बच्चों को प्राथमिक शिक्षा से जोड़ें- राज्यपाल

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के 15 वें दीक्षांत समारोह में विश्वविद्यालय की कुलाधिपति तथा राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने कहा कि विकास का पहला आधार शिक्षा है। शिक्षा के माध्यम से समाज में बदलाव लाया जा सकता है। शिक्षा के साथ-साथ बच्चों का स्वास्थ्य और पोषण आवश्यक है इसके लिए परिवार और शिक्षकों की भूमिका बढ़ जाती है।

माननीय राज्यपाल एवं कुलाधिपति
श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी

राज्यपाल श्रीमती पटेल ने कहा कि आंगनबाड़ी केंद्र के बच्चों को संसाधन मुहैया कराने से प्रभु श्री राम के दर्शन करने जैसे संतोष का अनुभव होता है। उन्होंने आंगनबाड़ी केंद्रों को सशक्त बनाने की पहल करते हुए कहा कि आंगनबाड़ी केंद्रों का विकास देश का विकास है। उन्होंने कहा कि माध्यमिक तथा उच्च शिक्षा विभाग का यह दायित्व है कि वह पांच-पांच आगनबाड़ी केंद्रों को गोद लेकर उनके उन्नयन एवं संवर्धन का कार्य करें।श्रीमती पटेल ने कहा कि यदि हमें उच्च शिक्षा के 50% शैक्षिक सूचकांक को प्राप्त करना है तो प्राथमिक शिक्षा का स्तर उठाने के साथ ही साथ नामांकन निपात को भी बढ़ाना होगा। इसके लिए उन्होंने 5 वर्ष तक की आयु के सभी बच्चों को प्राथमिक शिक्षा से जोड़ने का आह्वान किया। राज्यपाल श्रीमती पटेल ने कहा कि दहेज जैसी सामाजिक कुप्रथा का उन्मूलन अति आवश्यक है। जिसके लिए उन्होंने उपाधि प्राप्त करने वाली छात्राओं का आह्वान किया कि वह सब मिलकर इस तरह की कुरीतियों को दूर भगाएं। उन्होंने कहा कि समाज के सभी समस्याओं को दूर करने के लिए सतत प्रयास आवश्यक है। जब तक हमारे बीच सद्भाव एवं सदविचार नहीं आएंगे तब तक समाज का विकास नहीं होगा।

सिर्फ डिग्री-मेडल देने तक सीमित न रहें विवि : राज्यपाल

प्रयागराज | निज संवाददाता

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में गुरुवार को 15वां दीक्षांत समारोह ऑफलाइन मोड में हुआ। राज्यपाल ने गोरखपुर की लक्ष्मी गुप्ता को कुलाधिपति समेत तीन स्वर्ण पदक से सम्मानित किया। अन्य 17 स्वर्ण पदक भी मेधावियों को वितरित किए।

राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने कहा कि विश्वविद्यालय सिर्फ डिग्री और मेडल देने तक ही सीमित न रहें। वह समस्याओं को जानने की कोशिश करने के साथ उनके निस्तारण का प्रयास करें। केवल विश्वविद्यालय और कॉलेज के भवनों में कैद रहने की बजाय गरीब बच्चों को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने की कोशिश करें।

दीक्षांत समारोह

- **राज्यपाल आनंदी बेन ने कहा, गरीब बच्चों की सेवा से भगवान राम के दर्शन जैसा अनुभव**
- **राज्यपाल ने लक्ष्मी गुप्ता को कुलाधिपति समेत अन्य मेधावियों को प्रदान किया स्वर्ण पदक**

राज्यपाल ने कहा कि आंगनबाड़ी केंद्र के बच्चों को संसाधन मुहैया कराने से भगवान श्रीराम के दर्शन करने जैसा संतोष का अनुभव होता है। उन्होंने आंगनबाड़ी केंद्रों को सशक्त बनाने की पहल करते हुए कहा कि आंगनबाड़ी केंद्रों का विकास देश का विकास है।

राज्यपाल ने बताया कि समारोह में शामिल होने से पहले कटरा के बख्तियारी स्थित आंगनबाड़ी केंद्र पहुंचीं। वहां सुविधाओं के अभाव में बच्चे केंद्र में आने से कतराते हैं। राज्यपाल ने कहा कि लखनऊ में उनकी पहल पर तकनीकी विवि और कॉलेजों ने मिलकर 325 आंगनबाड़ी केंद्रों को गोद लिया। इसके बाद एक केंद्र पर 55 हजार रुपये में संसाधन उपलब्ध कराया तो वहां की सूरत ही बदल गई। प्रयागराज को भी इस दिशा में संकल्प लेने की आवश्यकता है। शहर के 15 संस्थानों ने पांच-पांच आंगनबाड़ी केंद्र गोद लेने की सहमति जताई है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2030 तक 50 फीसद युवाओं को उच्च शिक्षा देने का लक्ष्य है। इसके लिए प्राथमिक शिक्षा का स्तर उठाने के साथ ही नामांकन का अनुपात भी बढ़ाना होगा। इसके लिए उन्होंने पांच वर्ष तक की आयु के सभी बच्चों को प्राथमिक शिक्षा से जोड़ने का आह्वान किया।

विशेष कवरेज पेज 04

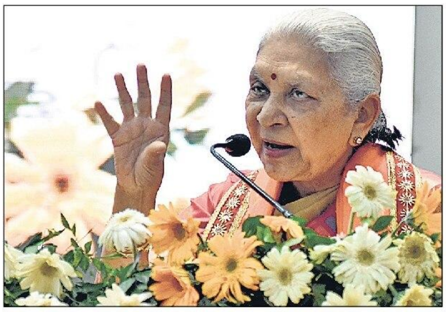

गुरुवार को उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के 15वें दीक्षांत समारोह को संबोधित करतीं राज्यपाल आनंदीबेन पटेल। • हिन्दुस्तान

माननीय राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी

सभागार में उपस्थित छात्र–छात्रायें एवं गणमान्य नागरिक

माननीय अतिथिगण का सम्मान

माननीय राज्यपाल, उत्तर प्रदेश एवं कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी को अंगवस्त्र, श्रीफल एवं पुस्तक भेंट कर सम्मान करते हुए कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ

मुख्य अतिथि
श्री मुकुल कानिटकर जी
को
अंगवस्त्र, श्रीफल एवं पुस्तक
भेंट कर
सम्मान करते हुए
कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ

सभागार में उपस्थित मा0 विद्या परिषद एवं कार्य परिषद के सदस्यगण।

राष्ट्रगान

राष्ट्रगान के अवसर पर मा0 अतिथिगण, विद्वतजन, छात्र–छात्रायें एवं गणमान्य नागरिक

शोभा यात्रा का सभागार से प्रस्थान

माननीय राज्यपाल, उत्तर प्रदेश एवं कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी , मुख्य अतिथि श्री मुकुल कानिटकर जी एवं कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ के साथ ग्रुप फोटोग्रफी कराते हुए स्वर्ण पदक पाने वाले छा़त्र–छात्रायें

माननीय राज्यपाल, उत्तर प्रदेश एवं कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह तथा साथ में उनकी धर्मपत्नी श्रीमती सुनीता सिंह एवं श्रीमती सुनीता निगम धर्मपत्नी आर.एफ.कमाण्डेन्ट श्री राजकुमार निगम

दीक्षान्त समारोह की कुछ अन्य झलकिया

नवनिर्मित अटल प्रेक्षागृह

JEEVAN EXPRESS PRAYAGRAJ

PRAYAGRAJ FRIDAY, 5 MARCH 2021

We can bring about a drastic change in the society through education: Anandiben Patel

STAFF REPORTER

PRAYAGRAJ: Uttar Pradesh Governor Mrs Anandiben Patel, who is also the Chancellor of UP Rajarshi Tandon Open University, while presiding over the 15th Convocation of the University said, education is the first foundation of development. "We can bring about a drastic change in the society through education," she added.

Education is an effective medium of both knowledge and culture. The development of human society is possible only through education. Education is the most important aspects of achieving the goal. The role of distance education is important in providing all the opportunities for full development of the talent without any discrimination and in realizing the concept of a civilized society, the Chancellor said.

The Chief Guest of the convocation Mr Mukul Kanitkar, a renowned thinker from Nagpur, said that the young generation of India should self- introspect themselves for bright future, spiritual and intellectual tradition. It is absolute duty of the teachers to influence the students through their sense of ethics and knowledge. Mr. Kanitkar discussed in detail the National Education Policy 2020 and said that it was a boon for the youth.

Speaking high about distance education the chief guest said that the Covid lock-downs and its guide-lines compelled people to adopt this path of education because it was not at all possible for a student or a teacher to visit the college. The Governor, the chief guest, and the vice-chancellor Prof KN Singh inaugurated on the occasion the newly constructed Atal Auditorium on the Saraswati campus of UPRT Open University. In the convocation Lakshmi Gupta of Gorakhpur was awarded the Chancellor's Medal. As many as 28,659 Students were awarded degrees, while 19 received Gold Medals.

Education is first foundation of development: Governor

PIONEER NEWS SERVICE ■ ALLAHABAD

Uttar Pradesh Governor Anandiben Patel, who is also the Chancellor of UP Rajarshi Tandon Open University, while presiding over the 15th convocation of the university said, education is the first foundation of development. 'We can bring about a drastic change in the society through education,'[she added.

Education is an effective medium of both knowledge and culture. The development of human society is possible only through education. Education is the most important aspects of achieving the goal. The role of distance education is important in providing all the opportunities for full development of the talent without any discrimination and in realising the concept of a civilised society, the Chancellor said.

The chief guest of the convocation Mukul Kanitkar, a renowned thinker from Nagpur, said that the young generation of India should self-introspect themselves for bright future, spiritual and intellectual tradition. It is absolute duty of the teachers to influence the students through their sense of ethics and knowledge. Kanitkar discussed in detail the National Education Policy 2020 and said that it was a boon for the youth.

Speaking high about distance education the chief guest said that the Covid lock-downs and its guidelines compelled people to adopt this path of education because it was not at all possible for a student or a teacher to visit the college.

The Governor, the chief guest, and the Vice-Chancellor Prof KN Singh inaugurated on the occasion the newly constructed Atal auditorium on the Saraswati campus of UPRT Open University.

In the convocation Lakshmi Gupta of Gorakhpur was awarded the Chancellor's Medal. As many as 28,659 students were awarded degrees, while 19 received gold medals.

अमर उजाला

amarujala.com

प्रयागराज | शुक्रवार | 5 मार्च 2021

SELECT

www.amarujala.com

प्रयागराज CITY

प्रयागराज | शुक्रवार | 5 मार्च 2021 4

गरीब बच्चों की सेवा में मिलती है संतुष्टि

राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में बोलीं राज्यपाल आनंदी बेन पटेल

विजयनगरम हॉल पर राज्यपाल ने जारी किया डाक कवर

राज्यपाल ने की गोद भराई, अन्नप्राशन भी

बच्चों के मानसिक विकास के लिए दिया जाएगा प्रशिक्षण

मेधा का सम्मान, चेहरे पर आई मुस्कान

UPDATE

यूपीआरटीओयू के 15वें कन्वोकेशन में गवर्नर आनंदीबेन पटेल ने 19 मेधावियों को बांटे गोल्ड मेडल

PRAYAGRAJ (4 March):

गोल्ड में गर्ल्स ने मारी बाजी

- 15वें कन्वोकेशन में यूनिवर्सिटी की ... 19 गोल्ड मेडल दिए गए.
- इनमें बालक की संख्या 5 व गर्ल्स की संख्या 14 रही.
- ... 2019 ... 2020 ... 28659 ...
- ... 15492 व 13167 ...

असिस्टेंट टीचर लक्ष्मी को मिला कुलाधिपति गोल्ड मेडल

जहां चाह, वहीं राह

विजयनगरम हॉल व सेवन स्टोरी बिल्डिंग का इनॉग्रेशन किया

PRAYAGRAJ (4 March):

महिलाओं की गोदभराई कर गवर्नर ने बांटे पोषण किट

PRAYAGRAJ (4 March):

खिलौना टूटने पर न पड़े डांट

'गंगा की सांस्कृतिक विरासत' प्रदर्शनी का उद्घाटन

PRAYAGRAJ (4 March):

'31 मार्च तक करें समिति का गठन'

PRAYAGRAJ (4 March):

किसान की बेटी लक्ष्मी को 3 स्वर्ण पदक

मुक्त विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में मेधावियों को बांटे गए कुल 19 स्वर्ण पदक

लक्ष्मी ने शुरू से ही बनाया पढ़ने का लक्ष्य

बौद्धिक परंपरा का आत्ममंथन करे युवा पीढ़ी

राज्यपाल ने किया अटल प्रेक्षागृह का लोकार्पण

शिक्षकों, कर्मचारियों का 3-3 लाख का बीमा

इन्हें मिले स्वर्ण पदक

गायक जलज सहित प्रवीण के चार मेधावियों को स्वर्ण पदक

प्रयाग संगीत समिति के दीक्षांत में नौ मेधावियों को रजत पदक भी

प्रभाकर में इन्हें मिलेंगे स्वर्ण एवं रजत पदक

संग्रहालय के ड्रीम प्रोजेक्ट आजाद गैलरी को राज्यपाल ने दी मंजूरी

राज्यपाल ने की संग्रहालय की विकास योजनाओं की समीक्षा

फायर अलार्म सिस्टम समेत तीन परियोजनाओं का राज्यपाल ने किया लोकार्पण

आज राज्य विवि का दीक्षांत समारोह

रेडक्रास सोसाइटी का बढ़ाया जाए दायरा

विजयनगरम हॉल पर राज्यपाल ने जारी किया डाक कवर

राज्यपाल ने की गोद भराई, अन्नप्राशन भी किया

बख्तियारी आंगनबाड़ी केंद्र में बच्चों को उड़ान भरने की दी प्रेरणा, संस्थाओं से सहयोग की अपील

एकेटीयू के संस्थान आंगनबाड़ी केंद्रों को लेंगे गोद

पायनियर
लखनऊ, शुक्रवार, 5 मार्च, 2021

सद्भाव और सद्विचार के बगैर समाज का विकास संभव नहीं: राज्यपाल

मनीष द्विवेदी। प्रयागराज

विकास का पहला आधार शिक्षा है। शिक्षा के माध्यम से समाज में बदलाव लाया जा सकता है। शिक्षा के साथ साथ बच्चों का स्वास्थ्य और पोषण आवश्यक है। इसके लिए परिवार और शिक्षकों की भूमिका बढ़ जाती है। यह बातें गुरुवार को उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज सरस्वती परिसर स्थित नवनिर्मित अटल प्रेक्षागृह में 15 वें दीक्षांत समारोह में कुलाधिपति और राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने कहीं। उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी केंद्र के बच्चों को संसाधन मुहैया कराने से श्रीराम के दर्शन करने जैसे संतोष का अनुभव होता है। उन्होंने आंगनबाड़ी केंद्रों को सशक्त बनाने की पहल करते हुए कहा कि आंगनबाड़ी केंद्रों का विकास देश का विकास है। माध्यमिक तथा उच्च शिक्षा विभाग का दायित्व है कि वह पांच पांच आगनबाड़ी केंद्रों को गोद लेकर उनके उन्नयन एवं संवर्धन का कार्य करें। यदि उच्च शिक्षा के 50 प्रतिशत शैक्षिक सूचकांक को प्राप्त करना है तो प्राथमिक शिक्षा का स्तर उठाने के साथ ही साथ नामांकन अनुपात को भी बढ़ाना होगा। इसके लिए उन्होंने पांच वर्ष तक की आयु के सभी बच्चों को प्राथमिक शिक्षा से जोड़ने की पहल करनी होगी। राज्यपाल ने कहा कि दहेज जैसी सामाजिक कुप्रथा का उन्मूलन अति आवश्यक है। जिसके लिए उन्होंने उपाधि प्राप्त करने वाली छात्राओं का आह्वान किया कि वह सब मिलकर इस तरह की कुरीतियों को दूर भगाएं। समाज की सभी समस्याओं को दूर करने के लिए सतत प्रयास आवश्यक है। जब तक आपस में सद्भाव एवं सदविचार नहीं आएंगे तब तक समाज का विकास नहीं होगा।

मुख्य अतिथि भारतीय शिक्षण मंडल नागपुर के अखिल भारतीय संगठन मंत्री मुकुल कानिटकर ने कहा कि दीक्षांत समारोह स्नातक के समावर्तन का उत्सव है। भारत की युवा पीढ़ी को हमारी उज्जवल आध्यात्मिक एवं बौद्धिक परंपरा का स्वाध्याय पूर्वक आत्ममंथन करना चाहिए। प्राध्यापकों का कर्तव्य है कि वह छात्रों को अपने आचार विचार और ज्ञान के अवबोध के माध्यम से प्रभावित करें। श्री कानिटकर ने कहा कि शिक्षा प्रणाली की बाह्य संरचना एवं आंतरिक प्राणस्वर के रचनात्मक पुनर्निर्धारण का कार्य इस शताब्दी की सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक है। जिसके निदान का सूत्रपात राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 ने किया है। उन्होंने कहा कि वर्तमान युग सामाजिक विमर्शों का युग है। सर्वस्पर्शी विकास की अवधारणा आज हमारे सामने है। ऐसे में समाज के वंचित वर्गों को समग्र विकास में सम्मिलित करना राष्ट्रीय शिक्षा नीति की शीर्ष प्राथमिकता है। समाज के वंचित वर्गों को शैक्षणिक कार्यक्रमों में प्रवेश लेने पर शुल्क में छूट दिए जाने का प्रावधान करना विश्वविद्यालय की प्रसार गतिविधियों एवं सामाजिक सरोकारों के प्रति जागरूकता का प्रमाण है। वर्तमान युग दूरस्थ शिक्षा का युग है।

- आध्यात्मिक एवं बौद्धिक परंपरा का स्वाध्याय पूर्वक आत्ममंथन करे युवा पीढ़ी: मुकुल कानिटकर
- उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय 15 वां दीक्षांत समारोह संपन्न, 19 को मिले स्वर्ण पदक

दूरस्थ शिक्षा ही देश के कोने कोने में वंचित लोगों को शिक्षा उपलब्ध कराने का एकमात्र साधन है। जिसके द्वारा हम समय और दूरी की कठिनाइयों पर भी विजय प्राप्त कर सकते हैं। सामाजिक परिवर्तन की तीव्र गति के कारण विद्यार्थियों की बदलती हुई आवश्यकताओं की पूर्ति दूरस्थ और मुक्त शिक्षा ही कर सकती है। कोविड 19 जैसी वैश्विक महामारी ने समूचे शैक्षिक जगत को नए संदर्भों में देखने के लिए बाध्य कर दिया है। जिसकी परिणति ऑनलाइन शिक्षा की बढ़ती लोकप्रियता के रूप में दिखाई पड़ रही है। निरूसंदेह मुक्त शिक्षा वर्तमान काल के ही नहीं के लिए ही नहीं अपितु भविष्य के लिए भी प्रासँगिक है। नवीन संचार माध्यमों एवं तकनीकों ने ज्ञान प्राप्ति तथा कौशल विकास का एक नया द्वार खोल दिया है। कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने राज्यपाल आनंदीबेन पटेल एवं मुख्य अतिथि मुकुल कानिटकर का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय अपने कार्यक्रमों की गुणवत्ता एवं समसामयिकता पर दृष्टि रखता है तथा केवल परिसर तक ही सीमित न होकर समाज में जन जन तक पहुंचने का प्रयास कर रहा है। प्रोफेसर सिंह ने कहा कि हम अपने सामाजिक दायित्वों को संवेदनात्मक भाव से स्वीकार करते हुए भारत सरकार एवं प्रदेश सरकार द्वारा संचालित जनोपयोगी अभियान एवं दिशा निर्देशों के अनुरूप कार्य कर रहे हैं। केंद्र एवं राज्य की मंशा के अनुरूप विश्वविद्यालय ने नैक मूल्यांकन की दिशा में प्रथम चरण पूर्ण कर लिया है।

इन छात्र छात्राओं को मिली उपाधि

राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के 15 वें दीक्षान्त समारोह में विभिन्न विद्या शाखाओं में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले शिक्षार्थियों को 19 स्वर्ण पदक प्रदान किये गए। जिनमें 05 स्वर्ण पदक छात्रों तथा 14 स्वर्णपदक छात्राओं को मिले। दीक्षान्त समारोह में सत्र दिसम्बर 2019 तथा जून 2020 की परीक्षा के सापेक्ष उत्तीर्ण लगभग 28659 हजार शिक्षार्थियों को उपाधि प्रदान की गई। जिसमें 15492 पुरूष तथा 13167 महिला शिक्षार्थी रहे। सरस्वती परिसर स्थित नवनिर्मित अटल प्रेक्षागृह में कुलाधिपति स्वर्ण पदक राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने गोरखपुर क्षेत्रीय केन्द्र के अन्तर्गत आने वाले अध्ययन केन्द्र दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय की छात्रा लक्ष्मी गुप्ता को दिया। लक्ष्मी गुप्ता ने बीएड विषय की परीक्षा प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण की तथा समस्त विद्या शाखाओं की स्नातक एवं स्नातकोत्तर परीक्षाओं में उत्तीर्ण समस्त स्नातक परास्नातक शिक्षार्थियों में सर्वाधिक 82.07 प्रतिशत अंक प्राप्त कर सर्वाधिक 3 स्वर्ण पदक प्राप्त किये। लक्ष्मी गुप्ता उच्च प्राथमिक विद्यालय गोरखपुर में सहायक अध्यापक हैं।

विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक स्नातकोत्तर वर्ग में विद्या शाखाओं के 05 टापर्स को दिए गए। जिसमें मानविकी विद्याशाखा से विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक सिंगासनी देवी महिला महाविद्यालय नेमा देवरिया अध्ययन केन्द्र से पंजीकृत एमए संस्कृत के छात्र रंजय कुमार सिंह को समाज विज्ञान विद्याशाखा से विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक किसान मजदूर महाविद्यालय भीटी मऊ अध्ययन केन्द्र से पंजीकृत एमए राजनीतिशास्त्र के छात्र रजत विश्वकर्मा को प्रबन्धन अध्ययन विद्याशाखा से विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक श्री रति राम महाविद्यालय नन्दगांव मथुरा अध्ययन केन्द्र से पंजीकृत एमकाम की छात्रा तिवारी स्वाति रमाशंकर को शिक्षा विद्याशाखा से विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक श्री बाबा साधवराम महाविद्यालय कोईनहां बरसरा खालसा आजमगढ़ अध्ययन केन्द्र से पंजीकृत एमए शिक्षाशास्त्र की छात्रा नेहा सिंह को तथा विज्ञान विद्याशाखा से विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक श्री रति राम महाविद्यालय नंदगांव मथुरा अध्ययन केन्द्र से पंजीकृत एमएससी बायोकेमिस्ट्री के छात्र स्वप्निल चैहान को दिया गया। इसी प्रकार स्नातक वर्ग में विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक इस बार विद्या शाखाओं के 6 टापर्स को दिया गया। जिसमें मानविकी विद्याशाखा से विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक सरदार पटेल स्मारक महाविद्यालय लारपुर रोड अम्बेडकरनगर अध्ययन केन्द्र से पंजीकृत स्नातक बीए की छात्रा विभा यादव को समाज विज्ञान विद्याशाखा से विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक रामस्वरूप ग्रामोद्योग स्नातकोत्तर महाविद्यालय पुखरायां कानपुर देहात अध्ययन केन्द्र से पंजीकृत स्नातक बीए की छात्रा रिद्धि सिंह को प्रबन्धन अध्ययन विद्याशाखा से विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक श्री रति राम महाविद्यालय नंदगांव मथुरा अध्ययन केन्द्र से पंजीकृत स्नातक बीकाम की छात्रा अंजली को कम्प्यूटर एवं सूचना विज्ञान विद्याशाखा से विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक सर्वोदय कालेज आफ टेक्नोलाजी एण्ड मैनेजमेंट देवरिया अध्ययन केन्द्र से पंजीकृत स्नातक बीसीए की छात्रा वीनस चैरसिया को शिक्षा विद्याशाखा से विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय गोरखपुर अध्ययन केन्द्र से पंजीकृत स्नातक बीएड की छात्रा लक्ष्मी गुप्ता को तथा विज्ञान विद्याशाखा से विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक श्री बाबा साधवराम महाविद्यालय कोईनहां बरसरा खालसा आजमगढ़ अध्ययन केन्द्र से पंजीकृत स्नातक बीएससी के छात्र अभिनन्दन यादव को प्रदान किया गया। इस बार आठ मेधावी शिक्षार्थियों को दानदाता स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया।

राज्यपाल ने किया अटल प्रेक्षागृह का लोकार्पण

राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने गुरुवार को विश्वविद्यालय में नवनिर्मित अत्याधुनिक प्रेक्षागृह का लोकार्पण किया। प्रेक्षागृह का नामकरण भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई के नाम पर किया गया। प्रेक्षागृह का शिलान्यास तत्कालीन राज्यपाल राम नाईक ने किया था। यह अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित है। प्रयागराज में यह अपनी तरह का पहला ऑडिटोरियम है। जिसमें एक साथ एक हजार व्यक्तियों के बैठने की व्यवस्था है। साथ ही डायस पर एक साथ दो सौ अतिथि बैठ सकते हैं। इस अवसर पर कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह मुख्य अतिथि मुकुल कानिटकर कुलसचिव डा अरुण कुमार गुप्ता वित्त अधिकारी अजय कुमार सिंह एवं इंजीनियर राजेश सिंह आदि उपस्थित रहे।

जहाँ चाह है वहीं राह: लक्ष्मी गुप्ता

बीएड की परीक्षा में सर्वाधिक अंक पाकर एक साथ तीन स्वर्ण पदक कुलाधिपति स्वर्ण पदक विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक तथा दानदाता स्वर्ण पदक प्राप्त करने वाली ग्रामीण पृष्ठभूमि की मेधावी छात्रा लक्ष्मी गुप्ता की बचपन से ही पुरस्कार पाने की उत्सुकता रही है। लक्ष्मी गुप्ता ने एक अगस्त 2013 में प्राथमिक विद्यालय कसरवल सहजनवां में सहायक अध्यापक के रूप में कार्यभार ग्रहण किया। पुनः 29334 भर्ती में सहायक अध्यापक गणित विषय के रूप में चयन होने के बाद उच्च प्राथमिक विद्यालय टेकुआपाती सहजनवां गोरखपुर में 26 सितम्बर 2015 में कार्यभार ग्रहण किया। लक्ष्मी का कहना है सेवा में आने के बाद ऐसा लगा कि अब तो पढ़ाई संभव नहीं है।माध्यमिक शिक्षा में जाने के लिए बीएड की आवश्यकता प्रतीत हुई। जब दूरस्थ शिक्षा के बारे में जानकारी हुई तो आशा की एक किरण दिखाई दी। सेवा में आने के बाद उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय दूरस्थ शिक्षा से स्वर्ण पदक के लिए चुना जाना वास्तव में मेरे लिए सुखद एवं गरिमामयी क्षण है। इसके लिए माता पिता गुरुजनों एवं मित्रों को धन्यवाद दिया।

हिन्दुस्तान
तरक्की को चाहिए नया नजरिया

50 साल
महानतम सलामी बल्लेबाज सुनील गावस्कर 6 मार्च को अपने टेस्ट पदार्पण के 50 साल पूरे करेंगे। गावस्कर ने छह मार्च 1971 को वेस्ट इंडीज के खिलाफ पोर्ट ऑफ स्पेन में पहला टेस्ट मैच खेला था।

शुक्रवार, 05 मार्च 2021, प्रयागराज, पांच प्रदेश, 21 संस्करण, नगर संस्करण | www.livehindustan.com | वर्ष 12, अंक 54, 18 पेज, मूल्य ₹6.00, फाल्गुन कृष्ण पक्ष, सप्तमी, विक्रम सम्वत् 2077

सिर्फ डिग्री-मेडल देने तक सीमित न रहें विवि : राज्यपाल

प्रयागराज | निज संवाददाता

दीक्षांत समारोह

- **राज्यपाल आनंदी बेन ने कहा, गरीब बच्चों की सेवा से भगवान राम के दर्शन जैसा अनुभव**
- **राज्यपाल ने लक्ष्मी गुप्ता को कुलाधिपति समेत अन्य मेधावियों को प्रदान किया स्वर्ण पदक**

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में गुरुवार को 15वां दीक्षांत समारोह ऑफलाइन मोड में हुआ। राज्यपाल ने गोरखपुर की लक्ष्मी गुप्ता को कुलाधिपति समेत तीन स्वर्ण पदक से सम्मानित किया। अन्य 17 स्वर्ण पदक भी मेधावियों को वितरित किए।

राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने कहा कि विश्वविद्यालय सिर्फ डिग्री और मेडल देने तक ही सीमित न रहें। वह समस्याओं को जानने की कोशिश करने के साथ उनके निस्तारण का प्रयास करें। केवल विश्वविद्यालय और कॉलेज के भवनों में कैद रहने की बजाय गरीब बच्चों को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने की कोशिश करें।

राज्यपाल ने कहा कि आंगनबाड़ी केंद्र के बच्चों को संसाधन मुहैया कराने से भगवान श्रीराम के दर्शन करने जैसा संतोष का अनुभव होता है। उन्होंने आंगनबाड़ी केंद्रों को सशक्त बनाने की पहल करते हुए कहा कि आंगनबाड़ी केंद्रों का विकास देश का विकास है।

राज्यपाल ने बताया कि समारोह में शामिल होने से पहले कटरा के बख्तियारी स्थित आंगनबाड़ी केंद्र पहुंचीं। वहां सुविधाओं के अभाव में बच्चे केंद्र में आने से कतराते हैं। राज्यपाल ने कहा कि लखनऊ में उनकी पहल पर तकनीकी विवि और कॉलेजों ने मिलकर 325 आंगनबाड़ी केंद्रों को गोद लिया। इसके बाद एक केंद्र पर 55 हजार रुपये में संसाधन उपलब्ध कराया तो वहां की सूरत ही बदल गई। प्रयागराज को भी इस दिशा में संकल्प लेने की आवश्यकता है। शहर के 15 संस्थानों ने पांच-पांच आंगनबाड़ी केंद्र गोद लेने की सहमति जताई है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2030 तक 50 फीसद युवाओं को उच्च शिक्षा देने का लक्ष्य है। इसके लिए प्राथमिक शिक्षा का स्तर उठाने के साथ ही नामांकन का अनुपात भी बढ़ाना होगा। इसके लिए उन्होंने पांच वर्ष तक की आयु के सभी बच्चों को प्राथमिक शिक्षा से जोड़ने का आह्वान किया।

विशेष कवरेज पेज 04

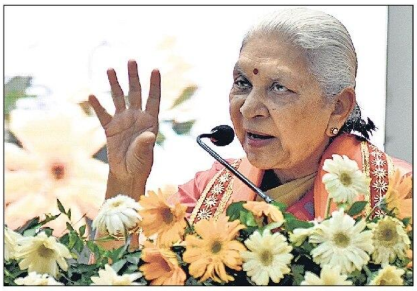

गुरुवार को उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के15वें दीक्षांत समारोह को संबोधित करतीं राज्यपाल आनंदीबेन पटेल। • हिन्दुस्तान

प्रयागराज में राज्यपाल

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विवि के15वें दीक्षांत समारोह में गोल्ड मेडल के साथ छात्राओं ने ली सेल्फी। • हिन्दुस्तान

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विवि के दीक्षांत समारोह में छात्रा लक्ष्मी गुप्ता को कुलाधिपति पदक प्रदान करतीं राज्यपाल आनंदी बेन पटेल और कुलपति प्रो. केएन सिंह।

सरस्वती प्रेक्षागृह में आयोजित मुक्त विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में छात्रों को दिलाई गई शपथ । • हिन्दुस्तान

मुक्त विश्वविद्यालय : देश के वंचितों को शिक्षा उपलब्ध कराने का दूरस्थ एवं मुक्त शिक्षा एकमात्र साधन

वर्तमान युग सामाजिक विमर्शों का : कानितकर

प्रयागराज | निज संवाददाता

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के 15वें दीक्षांत समारोह के मुख्य अतिथि भारतीय शिक्षण मंडल, नागपुर के अखिल भारतीय संगठन मंत्री मुकुल कानितकर ने दीक्षांत भाषण में कहा कि समारोह स्नातक के समावर्तन का उत्सव है। शिक्षकों का भी यह परम कर्तव्य है कि वह छात्रों को अपने आचार, विचार और ज्ञान के अवबोध के माध्यम से प्रभावित करें। हमारी शिक्षा प्रणाली की बाह्य संरचना एवं आंतरिक प्राणस्वर के रचनात्मक पुनर्निर्धारण का कार्य इस शताब्दी की सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक है।

कानितकर ने कहा कि वर्तमान युग सामाजिक विमर्शों का युग है। सर्वस्पर्शी विकास की अवधारणा आज हमारे सामने है। ऐसे में समाज के वंचित वर्गों को समग्र विकास में सम्मिलित करना राष्ट्रीय शिक्षा नीति की शीर्ष प्राथमिकता है। समाज के वंचित वर्गों को शैक्षणिक कार्यक्रमों में प्रवेश लेने पर शुल्क में छूट दिए जाने का प्रावधान करना विश्वविद्यालय की प्रसार गतिविधियों एवं सामाजिक सरोकारों के प्रति जागरूकता का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि वर्तमान युग दूरस्थ शिक्षा का युग है। दूरस्थ शिक्षा ही देश के कोने-कोने में वंचित लोगों को शिक्षा उपलब्ध कराने का एकमात्र साधन है। विद्यार्थियों की बदलती आवश्यकताओं की पूर्ति दूरस्थ व मुक्त शिक्षा ही कर सकती है। मुक्त शिक्षा वर्तमान काल के लिए नहीं अपितु भविष्य के लिए भी प्रासंगिक है। मुख्य अतिथि ने दीक्षांत समारोह में उपाधि तथा स्वर्ण पदक पाने वाले शिक्षार्थियों को बधाई दी। कहा कि यह संकल्प का अवसर है, जब उन्हें अपने जीवन का लक्ष्य निर्धारित करना होगा।

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विवि के 15वें दीक्षांत समारोह को संबोधित करते मुख्य अतिथि मुकुल कानितकर ।

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विवि के 15वें दीक्षांत समारोह में स्वर्ण पदक पाने वाले मेधावियों ने कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल, मुख्य अतिथि मुकुल कानितकर और कुलपति प्रो. केएन सिंह के साथ ग्रुप फोटो खिंचाई । • हिन्दुस्तान

तीन चौथाई स्वर्ण छात्राओं को मिले

मुविवि के 15वें दीक्षांत समारोह में कुल 19 स्वर्ण पदक मेधावियों को प्रदान किए गए। इनमें छात्रों को पांच स्वर्ण मेडल और 14 स्वर्ण मेडल छात्राओं की झोली में गए यानी तीन चौथाई मेडल पर छात्राओं का कब्जा रहा।

कर्मचारियों के लिए तीन लाख का स्वास्थ्य बीमा

दीक्षांत समारोह में संबोधित करते कुलपति प्रो केएन सिंह।

दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथियों का स्वागत कुलपति प्रो. केएन सिंह ने कहा कि कैदी और किन्नर को निःशुल्क शिक्षा देने की व्यवस्था शुरू की गई है। इसके साथ ही विवि की ओर से लिए गए पांच गांवों के छात्रों के प्रवेश में 50 प्रतिशत शुल्क में छूट दिया गया है। प्रो. सिंह ने कहा कि शिक्षक एवं कर्मचारी विश्वविद्यालय परिवार के अभिन्न अंग हैं। कर्मचारियों के लिए तीन लाख रुपये का स्वास्थ्य बीमा योजना शुरू किया गया है। उन्होंने कहा कि मुक्त विवि अपने कार्यक्रमों की समसामयिकता पर दृष्टि रखता है।

नवनिर्मित अत्याधुनिक प्रेक्षागृह का लोकार्पण

प्रयागराज। राज्यपाल ने विश्वविद्यालय में नवनिर्मित अत्याधुनिक प्रेक्षागृह का लोकार्पण किया। इसका नामकरण भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी के नाम पर किया गया। प्रयागराज में यह अपनी तरह का पहला ऑडिटोरियम है जिसमें एक साथ 1000 व्यक्तियों के बैठने की क्षमता है। इस अवसर पर कुलपति प्रो. केएन सिंह, मुख्य अतिथि मुकुल कानिटकर, कुलसचिव डॉ. अरुण कुमार गुप्ता, वित अधिकारी अजय कुमार सिंह एवं इंजीनियर राजेश सिंह आदि उपस्थित रहे।

स्कूली बच्चों को राज्यपाल ने किया सम्मानित

प्रयागराज। समारोह में पहली बार विश्वविद्यालय के प्रेक्षागृह में जनपद के प्राथमिक एवं जूनियर हाईस्कूल के चयनित विद्यार्थियों के समूह को राज्यपाल ने सम्मानित किया।

शगुफ्ता खान व मनीष को दानदाता स्वर्ण पदक

प्रयागराज | निज संवाददाता

गोरखपुर विश्वविद्यालय में बीएड की छात्रा लक्ष्मी गुप्ता को बाबू ओमप्रकाश गुप्त स्मृति स्वर्ण पदक, प्रयागराज केंद्र की छात्रा शगुफ्ता खान को श्री कैलाशपत नेवेटिया स्मृति स्वर्ण पदक, कानपुर देहात के पुखरायां स्थित रामस्वरूप ग्रामोद्योग स्नातकोत्तर महाविद्यालय में बीए की छात्रा रिद्धि सिंह को अनिल मीना चक्रवर्ती स्मृति स्वर्ण पदक, गोरखपुर क्षेत्रीय केंद्र में एमए समाज कार्य की छात्रा आशा यादव को अनिल मीना चक्रवर्ती स्मृति स्वर्ण पदक, प्रयागराज के कौंधियारा स्थित मोतीलाल नेहरू डिग्री कॉलेज में एमए इतिहास के छात्र मनीष मिश्र को प्रो. एमपी दुबे पर्यावरण/गांधी चिंतन एवं शांति अध्ययन उत्कृष्टता स्वर्ण पदक, जौनपुर स्थित टीडी कॉलेज केंद्र में बीएड के छात्र शहनवाज सिद्दीकी को प्रो. एमपी दुबे दिव्यांग मेधा स्वर्ण पदक और आजमगढ़ के कोइनहां स्थित बाबा साधव राम महाविद्यालय में एमए हिन्दी की छात्रा निकिता को महान राष्ट्रकवि श्रद्धेय पं. सोहन लाल द्विवेदी स्मृति स्वर्ण पदक दिए गए। इसके साथ ही तीन छात्रों को डिग्री की उपाधि प्रदान की गई।

स्नातकोत्तर में स्वर्ण पदक से नवाजे गए पांच मेधावी

- रंजय सिंह, एमए संस्कृत देवरिया
- रजत विश्वकर्मा, एमए राजनीतिशास्त्र, मऊ
- तिवारी स्वाति रमाशंकर, एमकॉम, मथुरा
- स्वप्निल चौहान, एमएससी बायोकमेस्ट्री, मथुरा
- नेहा सिंह, एमए शिक्षाशास्त्र आजमगढ़

स्नातक में इन्हें मिले स्वर्ण पदक

- विभा यादव बीए अंबेडकरनगर
- रिद्धि सिंह बीए कानपुर देहात
- अंजली बीकॉम मथुरा
- वीनस चौरसिया बीसीए देवरिया
- लक्ष्मी गुप्ता बीएड गोरखपुर
- अभिनंदन यादव बीएससी आजमगढ़

विलंब से निकली शोभायात्रा

दीक्षांत की शोभायात्रा तय समय से 55 मिनट देर से निकली। शोभायात्रा जैसे ही हाल में पहुंची, उपस्थित लोगों ने उठकर स्वागत किया। छात्रों की ओर से बैंड बजाकर स्वागत किया। मुख्य अतिथि एवं राज्यपाल ने दीप प्रज्जलित किया। हालांकि समारोह में उपस्थित लोगों ने गौर किया कि शोभायात्रा की अगुवाई कर रहे सदस्यों ने मास्क नहीं लगाया था।

लक्ष्मी को कुलाधिपति समेत तीन स्वर्ण पदक

विश्वविद्यालय के समस्त विद्या शाखाओं में उत्तीर्ण स्नातक एवं स्नातकोत्तर में सर्वश्रेष्ठ विद्यार्थी के लिए बीएड छात्रा लक्ष्मी गुप्ता को कुलाधिपति मेडल के अलावा स्वर्ण पदक, बाबू ओम प्रकाश गुप्ता स्वर्ण पदक प्रदान किया गया।

28659 को ऑनलाइन दी गई डिग्री

समारोह में विभिन्न विद्याशाखाओं में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले शिक्षार्थियों को 19 स्वर्ण पदक प्रदान किए गए, जिनमें 5 स्वर्ण पदक छात्रों तथा 14 स्वर्णपदक छात्राओं की झोली में आए। सत्र दिसम्बर 2019 तथा जून 2020 की परीक्षा में उत्तीर्ण 28659 शिक्षार्थियों को उपाधि दी गई।

बालिकाओं को शिक्षित करना सपना : लक्ष्मी

प्रयागराज। कुलाधिपति स्वर्ण पदक पाने वाली लक्ष्मी गुप्ता की बचपन से ही पुरस्कार पाने की कामना रही है। लक्ष्मी गुप्ता इस समय उच्च प्राथमिक विद्यालय, टेकुआपाती, सहजनवां, गोरखपुर में गणित की सहायक अध्यापक हैं।

26 सितंबर 2015 को उनकी नियुक्ति हुई। लक्ष्मी ने कहा कि सेवा में आने के बाद ऐसा लगा कि अब तो पढ़ाई संभव नहीं है। माध्यमिक शिक्षा में जाने के लिए बीएड की आवश्यकता प्रतीत हुई। जब दूरस्थ शिक्षा के बारे में जानकारी हुई तो आशा की एक किरण दिखाई दी। लक्ष्मी के पिता विजय कुमार किसान हैं। मां सविता देवी गृहणी हैं। वह तीन बहन और दो भाइयों में सबसे बढ़ी हैं। उन्होंने गोरखपुर विवि से 2009 में बीएससी और 2015 में एमएससी की पढ़ाई की। उन्होंने कहा कि बालिकाओं को शिक्षित करना सपना है। इसके साथ ही कहा कि मुविवि के पाठ्यक्रम का और विस्तार किया जाना चाहिए।

कुलाधिपति पदक विजेता लक्ष्मी गुप्ता।

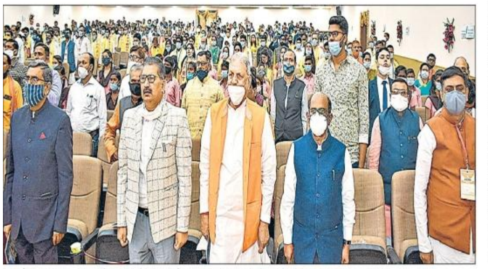

सरस्वती प्रेक्षागृह में उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विवि के 15वें दीक्षांत समारोह में राष्ट्रगान के दौरान खड़े अतिथि व छात्र-छात्राएं। • हिन्दुस्तान

प्रयागराज, शुक्रवार
5 मार्च, 2021
नगर संस्करण
मूल्य ₹ 6.00
पृष्ठ 18

दैनिक जागरण

www.jagran.com

जून से चलेगा खाद कारखाना, प्लास्टिक पार्क भी मंजूर 11

भारत-बांग्लादेश संबंध 360 डिग्री पार्टनरशिप 15

संगमनगरी में राज्यपाल

दैनिक जागरण
www.jagran.com

डिग्री–मेडल देने तक सीमित न रहें विश्वविद्यालय

दीक्षा समारोह में बोलीं राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, गोरखपुर की लक्ष्मी गुप्ता को दिए कुलाधिपति समेत तीन स्वर्ण पदक

मेहनत का ईनाम पाकर खिलखिला उठीं बेटियां

'देश में मुक्त होने चाहिए सभी विश्वविद्यालय'

विशेष प्रशिक्षण लेकर बच्चों का करें मानसिक विकास

अधिक लोगों को रेडक्रास सोसाइटी से जोड़ें : राज्यपाल

क्रियात्मक पार्क की राज्यपाल ने जताई इच्छा

hindustantimes.com
LUCKNOW/METRO
Friday, March 05, 2021
3
Hindustan Times
FIRST VOICE LAST WORD

Distance education can fulfil changing needs of students: Guv

UPRTOU's 15th convocation 28,659 students awarded degrees

HT Correspondent
allahabad.htdesk@hindustantimes.com

PRAYAGRAJ : Noted thinker and national organising secretary of Bhartiya Shikshan Mandal Mukul Kanitkar on Thursday said the young generation of India should do regular introspection for their bright future.

"It is the duty of our teachers to influence the students through their ethics and knowledge. The work of external structure of our education system and creative reestablishment of the inner soul is one of the biggest challenges of this century and the National Education Policy-2020 tries to resolve this issue," he said. Kanitkar was speaking during the 15th convocation ceremony of Uttar Pradesh Rajarshi Tandon Open University (UPRTOU) at its Phaphamau campus.

He said the present era was an era of social discourse and inclusion of the deprived people of the society in the overall development is the top priority of the new National Education Policy.

Kanitkar said Covid-19 has forced the entire academic world to look in new contexts.

"Due to the rapid pace of social changes, only distance open education can fulfill the changing needs of students. Undoubtedly the distance education is relevant not only for the present but also for the future," he added.

UP governor and UPRTOU chancellor Anandiben Patel while presiding over the ceremony said education was the first foundation of development and society can be change through it.

"Along with education, health and nutrition of children too is essential and for this the role of family and teachers is immense," she said.

She also added that it was the responsibility of the department of secondary and higher education to adopt five anganwadi centers and support their overall growth.

Governor Anandiben Patel HT

The governor also called for elimination of social malpractices like dowry for which she called upon the students to come together and shun such evils.

Vice-chancellor prof KN Singh shared the achievements of the varsity. In the convocation ceremony held in offline mode with a limited presence of guests owing to the pandemic, 19 gold medals were awarded to students of which went to boys and 14 were bagged by female students.

There were a total of 28,659 students who were awarded their degrees, out of which 15,492 were males and 13167 female students. Barring the medal winners, all students took part in the function online.

Chancellor Medal was awarded to Lakshmi Gupta from Gorakhpur study centre of the university. Newly constructed Atal auditorium was also inaugurated during the ceremony.

Guv inaugurates restored Vizianagram Hall

Later, in the evening, the governor inaugurated the historical Vizianagram Hall located in the science faculty campus of Allahabad University (AU). She also released a special postal cover on this heritage building which has been recently restored by AU.

R.N.I. UPHIN/2012/52437
Website : www.mantrabharat.com
संस्करण : प्रयागराज
वर्ष : 07
अंक : 134
पृष्ठ : 8
मूल्य : 1.00
शुक्रवार, 5 मार्च, 2021
जुनून है सच लिखने का
मंत्र भारत
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज, लखनऊ एवं मुम्बई से एक साथ प्रकाशित एवं प्रतापगढ़, कौशाम्बी, भदोही, मिर्जापुर व वाराणसी से प्रसारित

15 वें दीक्षांत समारोह में 19 को मिले स्वर्ण पदक, सहायक अध्यापक लक्ष्मी गुप्ता को मिला कुलाधिपति स्वर्ण पदक

5 वर्ष तक के बच्चों को प्राथमिक शिक्षा से जोड़ें- राज्यपाल

आध्यात्मिक एवं बौद्धिक परंपरा का स्वाध्याय पूर्वक आत्ममंथन करे युवा पीढ़ी- मुकुल कानिटकर

उत्तर प्रदेश/उत्तराखंड से एक साथ प्रकाशित

दैनिक भास्कर लाइव

शुक्रवार, 05 मार्च, 2021

www.dainikbhaskarup.com E-mail: khabardainikbhaskar@gmail.com

राज्यपाल ने राजर्षि टंडन मुक्त विवि के दीक्षांत समारोह को किया संबोधित, कहा-

पांच वर्ष तक के बच्चों को प्राथमिक शिक्षा से जोड़ें

भास्कर ब्यूरो

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के 15 वें दीक्षांत समारोह में विश्वविद्यालय की कुलाधिपति तथा राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने कहा कि विकास का पहला आधार शिक्षा है। शिक्षा के माध्यम से समाज में बदलाव लाया जा सकता है। शिक्षा के साथ-साथ बच्चों का स्वास्थ्य और पोषण आवश्यक है इसके लिए परिवार और शिक्षकों की भूमिका बढ़ जाती है। राज्यपाल श्रीमती पटेल ने कहा कि आंगनबाड़ी केंद्र के बच्चों को संसाधन मुहैया कराने से प्रभु श्री राम के दर्शन करने जैसे संतोष का अनुभव होता है। उन्होंने आंगनबाड़ी केंद्रों को सशक्त बनाने की पहल करते हुए कहा कि आंगनबाड़ी केंद्रों का विकास देश का विकास है। उन्होंने कहा कि माध्यमिक तथा उच्च शिक्षा विभाग का यह दायित्व है कि वह पां च-पांच आगनबाड़ी केंद्रों को गोद लेकर उनके उन्नयन एवं संवर्धन का कार्य करें।श्रीमती पटेल ने कहा कि यदि हमें उच्च शिक्षा के 50% शैक्षिक सूचकांक को प्राप्त करना है तो प्राथमिक शिक्षा का स्तर उठाने के साथ ही साथ नामांकन निपात को भी बढ़ाना होगा। इसके लिए उन्होंने 5 वर्ष तक की आयु के सभी बच्चों को प्राथमिक शिक्षा से जोड़ने का आह्वान किया। राज्यपाल श्रीमती पटेल ने कहा कि दहेज जैसी सामाजिक कुप्रथा का उन्मूलन अति आवश्यक है। जिसके लिए उन्होंने उपाधि प्राप्त करने वाली छात्राओं का आह्वान किया कि वह सब मिलकर इस तरह की कुरीतियों को दूर भगाएं। उन्होंने कहा कि समाज के सभी समस्याओं को दूर करने के लिए सतत प्रयास आवश्यक है। जब तक हमारे बीच सद्भाव एवं सदविचार नहीं आएंगे तब तक समाज का विकास नहीं होगा।

दीक्षांत समारोह के मुख्य अतिथि श्री मुकुल कानिटकर, अखिल भारतीय संगठन मंत्री, भारतीय शिक्षण मंडल, नागपुर ने दीक्षांत भाषण देते हुए कहा कि दीक्षांत समारोह स्नातक के समावर्तन का उत्सव है। भारत की युवा पीढ़ी को हमारी उज्जवल, आध्यात्मिक एवं बौद्धिक परंपरा का स्वाध्याय पूर्वक आत्ममंथन करना चाहिए। हमारे प्राध्यापकों का भी यह परम कर्तव्य है कि वह छात्रों को अपने आचार, विचार और ज्ञान के अवबोध के माध्यम से प्रभावित करें। श्री कानिटकर ने कहा कि हमारी शिक्षा प्रणाली की बाह्य संरचना एवं आंतरिक प्राणस्वर के रचनात्मक पुनर्निर्धारण का कार्य इस शताब्दी की सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक है। जिस के निदान का सूत्रपात राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 ने किया है। मुख्य अतिथि श्री कानिटकर ने कहा कि वर्तमान युग सामाजिक विमर्शों का युग है। सर्वस्पर्शी विकास की अवधारणा आज हमारे सामने है। ऐसे में समाज के वंचित वर्गों को समग्र विकास में सम्मिलित करना राष्ट्रीय शिक्षा नीति की शीर्ष प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि समाज के वंचित वर्गों को शैक्षणिक कार्यक्रमों में प्रवेश लेने पर शुल्क में छूट दिए जाने का प्रावधान करना विश्वविद्यालय की प्रसार गतिविधियों एवं सामाजिक सरोकारों के प्रति जागरूकता का प्रमाण है। श्री कानिटकर ने कहा कि वर्तमान युग दूरस्थ शिक्षा का युग है। दूरस्थ शिक्षा ही देश के कोने कोने में वंचित लोगों को शिक्षा उपलब्ध कराने का एकमात्र साधन है। जिसके द्वारा हम समय व दूरी की कठिनाइयों पर भी विजय प्राप्त कर सकते हैं। सामाजिक परिवर्तन की तीव्र गति के कारण विद्यार्थियों की बदलती हुई आवश्यकताओं की पूर्ति दूरस्थ व मुक्त शिक्षा ही कर सकती है। कोविड-19 जैसी वैश्विक महामारी ने समूचे शैक्षिक जगत को नए संदर्भों में देखने के लिए बाध्य कर दिया है। जिसकी परिणति ऑनलाइन शिक्षा की बढ़ती लोकप्रियता के रूप में दिखाई पड़ रही है। निस्संदेह मुक्त शिक्षा वर्तमान काल के ही नहीं के लिए ही नहीं अपितु भविष्य के लिए भी प्रासंगिक है।

www.anandimail.in

आनंदी मेल

(हिन्दी दैनिक) लखनऊ, शुक्रवार, 5 फरवरी 2021 R.N.I.No.UPHIN/2009/29300 पृष्ठ: 8 मूल्य : 2 रुपए

5 वर्ष तक के बच्चों को प्राथमिक शिक्षा से जोड़ें : राज्यपाल

उ. प्र. राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के 15 वें दीक्षांत समारोह में 19 को मिले स्वर्ण पदक

सहायक अध्यापक लक्ष्मी गुप्ता को मिला कुलाधिपति स्वर्ण पदक

आनंदी मेल संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के 15 वें दीक्षांत समारोह में विश्वविद्यालय की कुलाधिपति तथा राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने कहा कि विकास का पहला आधार शिक्षा है। शिक्षा के माध्यम से समाज में बदलाव लाया जा सकता है। शिक्षा के साथ-साथ बच्चों का स्वास्थ्य और पोषण आवश्यक है इसके लिए परिवार और शिक्षकों की भूमिका बढ़ जाती है। राज्यपाल श्रीमती पटेल ने कहा कि आंगनबाड़ी केंद्र के बच्चों को संसाधन मुहैया कराने से प्रभु श्री राम के दर्शन करने जैसे संतोष का अनुभव होता है। उन्होंने आंगनबाड़ी केंद्रों को सशक्त बनाने की पहल करते हुए कहा कि आंगनबाड़ी केंद्रों का विकास देश का विकास है। उन्होंने कहा कि माध्यमिक तथा उच्च शिक्षा विभाग का यह दायित्व है कि वह पां?च-पांच आंगनबाड़ी केंद्रों को गोद लेकर उनके उन्नयन एवं संवर्धन का कार्य करें।श्रीमती पटेल ने कहा कि यदि हमें उच्च शिक्षा के 50: शैक्षिक सूचकांक को प्राप्त करना है तो प्राथमिक शिक्षा का स्तर उठाने के साथ ही साथ नामांकन निपात को भी बढ़ाना होगा। इसके लिए उन्होंने 5 वर्ष तक की आयु के सभी बच्चों को प्राथमिक शिक्षा से जोड़ने का आह्वान किया। राज्यपाल श्रीमती पटेल ने कहा कि दहेज जैसी सामाजिक कुप्रथा का उन्मूलन अति आवश्यक है। जिसके लिए उन्होंने उपाधि प्राप्त करने वाली छात्राओं का आह्वान किया कि वह सब मिलकर इस तरह की कुरीतियों को दूर भगाएं। उन्होंने कहा कि समाज के सभी समस्याओं को दूर करने के लिए सतत प्रयास आवश्यक है। जब तक हमारे बीच सद्भाव एवं सदविचार नहीं आएंगे तब तक समाज का विकास नहीं होगा। दीक्षांत समारोह के मुख्य अतिथि मुकुल कानिटकर, अखिल भारतीय संगठन मंत्री, भारतीय शिक्षण मंडल, नागपुर ने दीक्षांत भाषण देते हुए कहा कि दीक्षांत समारोह स्नातक के समावर्तन का उत्सव है। भारत की युवा पीढ़ी को हमारी उज्जवल, आध्यात्मिक एवं बौद्धिक परंपरा का स्वाध्याय पूर्वक आत्ममंथन करना चाहिए। हमारे प्राध्यापकों का भी यह परम कर्तव्य है कि वह छात्रों को अपने आचार, विचार और ज्ञान के अवबोध के माध्यम से प्रभावित करें। कानिटकर ने कहा कि हमारी शिक्षा प्रणाली की बाह्य संरचना एवं आंतरिक प्राणस्वर के रचनात्मक पुनर्निर्धारण का कार्य इस शताब्दी की सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक है। जिस के निदान का सूत्रपात राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 ने किया है। मुख्य अतिथि कानिटकर ने कहा कि वर्तमान युग सामाजिक विमर्शों का युग है। सर्वस्पर्शी विकास की अवधारणा आज हमारे सामने है। ऐसे में समाज के वंचित वर्गों को समग्र विकास में सम्मिलित करना राष्ट्रीय शिक्षा नीति की शीर्ष प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि समाज के वंचित वर्गों को शैक्षणिक कार्यक्रमों में प्रवेश लेने पर शुल्क में छूट दिए जाने का प्रावधान करना विश्वविद्यालय की प्रसार गतिविधियों एवं सामाजिक सरोकारों के प्रति जागरूकता का प्रमाण है। कानिटकर ने कहा कि वर्तमान युग दूरस्थ शिक्षा का युग है। दूरस्थ शिक्षा ही देश के कोने कोने में वंचित लोगों को शिक्षा उपलब्ध कराने का एकमात्र साधन है। जिसके द्वारा हम समय व दूरी की कठिनाइयों पर भी विजय प्राप्त कर सकते हैं। सामाजिक परिवर्तन की तीव्र गति के कारण विद्यार्थियों की बदलती हुई आवश्यकताओं की पूर्ति दूरस्थ व मुक्त शिक्षा ही कर सकती है। कोविड-19 जैसी वैश्विक महामारी ने समूचे शैक्षिक जगत को नए संदर्भों में देखने के लिए बाध्य कर दिया है। जिसकी परिणति ऑनलाइन शिक्षा की बढ़ती लोकप्रियता के रूप में दिखाई पड़ रही है। निरूसंदेह मुक्त शिक्षा वर्तमान काल के ही नहीं के लिए ही नहीं अपितु भविष्य के लिए भी प्रासंगिक है। नवीन संचार माध्यमों एवं तकनीकों ने ज्ञान प्राप्ति तथा कौशल विकास का एक नया द्वार खोल दिया है। मुख्य अतिथि ने दीक्षांत समारोह में उपाधि तथा स्वर्ण पदक पाने वाले शिक्षार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि यह संकल्प का अवसर है, जब उन्हें अपने जीवन का लक्ष्य निर्धारित करना होगा। इसीलिए इस शैक्षिक पर्व का शिक्षार्थी के जीवन में बहुत महत्वपूर्ण स्थान होता है। अतः स्वयं को सार्थक बनाने के साथ-साथ परिवार, समाज तथा देश को गौरवान्वित करें। इससे पूर्व कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने कुलाधिपति एवं राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल एवं मुख्य अतिथि श्री मुकुल कानिटकर का स्वागत किया तथा विश्वविद्यालय की गत वर्ष की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की। उन्होंने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय अपने कार्यक्रमों की गुणवत्ता एवं समसामयिकता पर दृष्टि रखता है तथा केवल परिसर तक ही सीमित न होकर समाज में जन जन तक पहुंचने का प्रयास कर रहा है। प्रोफेसर सिंह ने कहा कि हम अपने सामाजिक दायित्वों को संवेदनात्मक भाव से स्वीकार करते हुए भारत सरकार एवं प्रदेश सरकार द्वारा संचालित जनोपयोगी अभियान एवं दिशा निर्देशों के अनुरूप कार्य कर रहे हैं। केंद्र एवं राज्य की मंशा के अनुरूप विश्वविद्यालय ने नैक मूल्यांकन की दिशा में प्रथम चरण पूर्ण कर लिया है। 15वें दीक्षान्त समारोह में विभिन्न विद्याशाखाओं में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले शिक्षार्थियों को 19 स्वर्ण पदक प्रदान किये गए, जिनमें 05 स्वर्ण पदक छात्रों तथा 14 स्वर्णपदक छात्राओं की झोली में आए। दीक्षान्त समारोह में सत्र दिसम्बर 2019 तथा जून 2020 की परीक्षा के सापेक्ष उत्तीर्ण लगभग 28659 हजार शिक्षार्थियों को उपाधि प्रदान की गई, जिसमें 15492 पुरूष तथा 13167 महिला शिक्षार्थी रहे। इस अवसर पर सरस्वती परिसर स्थित नवनिर्मित अटल प्रेक्षागृह में कुलाधिपति स्वर्ण पदक श्रीमती आनंदीबेन पटेल, राज्यपाल उत्तर प्रदेश ने गोरखपुर क्षेत्रीय केन्द्र के अन्तर्गत आने वाले अध्ययन केन्द्र दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर की छात्रा लक्ष्मी गुप्ता को दिया गया। लक्ष्मी गुप्ता ने बी0एड0 विषय की परीक्षा प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण की तथा समस्त विद्याशाखाओं की स्नातक एवं स्नातकोत्तर परीक्षाओं में उत्तीर्ण समस्त स्नातक/परास्नातक शिक्षार्थियों में सर्वाधिक 82.07 प्रतिशत अंक प्राप्त कर सर्वाधिक 3 स्वर्ण पदक प्राप्त किये। लक्ष्मी गुप्ता इस समय उच्च प्राथमिक विद्यालय, टेकुआपाती, सहजनवां, गोरखपुर में सहायक अध्यापक है। स्वर्ण पदक इस बार स्नातकोत्तर वर्ग में विद्याशाखाओं के 05 टापर्स को दिए गए, जिसमें मानविकी विद्याशाखा से विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक सिंगासनी देवी महिला महाविद्यालय, नेमा, देवरिया अध्ययन केन्द्र से पंजीकृत एम0ए0 (संस्कृत) के छात्र रंजय कुमार सिंह को, समाज विज्ञान विद्याशाखा से विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक किसान मजदूर महाविद्यालय, भीटी, मऊ अध्ययन केन्द्र से पंजीकृत एम0ए0 (राजनीतिशास्त्र) के छात्र रजत विश्वकर्मा को, प्रबन्धन अध्ययन विद्याशाखा से विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक, रति राम महाविद्यालय, नन्दगांव, मथुरा अध्ययन केन्द्र से पंजीकृत एम0काम0 की छात्रा तिवारी स्वाति रमाशंकर को, शिक्षा विद्याशाखा से विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक, बाबा साधवराम महाविद्यालय, कोईनहां, बरसरा खालसा, आजमगढ़ अध्ययन केन्द्र से पंजीकृत एम0ए0 (शिक्षाशास्त्र) की छात्रा नेहा सिंह को तथा विज्ञान विद्याशाखा से विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक, रति राम महाविद्यालय,

जहाँ चाह है वहीं राह- लक्ष्मी गुप्ता

बीएड की परीक्षा में सर्वाधिक अंक पाकर एक साथ तीन स्वर्ण पदक कुलाधिपति स्वर्ण पदक, विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक तथा दानदाता स्वर्ण पदक प्राप्त करने वाली ग्रामीण पृष्ठभूमि की मेधावी छात्रा लक्ष्मी गुप्ता की बचपन से ही पुरस्कार पाने की उत्सुकता रही है। लक्ष्मी गुप्ता इस समय उच्च प्राथमिक विद्यालय, टेकुआपाती, सहजनवां, गोरखपुर में सहायक अध्यापक है। लक्ष्मी गुप्ता ने 1 अगस्त 2013 में प्राथमिक विद्यालय कसरवल, सहजनवां में स.अ. के रूप में कार्यभार ग्रहण किया। पुन: 29334 भर्ती में सहायक अध्यापक (गणित विषय) के रूप में चयन होने के बाद उच्च प्राथमिक विद्यालय, टेकुआपाती, सहजनवां, गोरखपुर में 26 सितम्बर 2015 में कार्यभार ग्रहण किया। लक्ष्मी का कहना है सेवा में आने के बाद ऐसा लगा कि अब तो पढ़ाई संभव नहीं है। माध्यमिक शिक्षा में जाने के लिए बी.एड. की आवश्यकता प्रतीत हुई। जब दूरस्थ शिक्षा के बारे में जानकारी हुई तो आशा की एक किरण दिखाई दी। सेवा में आने के बाद उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय (दूरस्थ शिक्षा) से स्वर्ण पदक के लिए चुना जाना वास्तव में मेरे लिए सुखद एवं गरिमामयी क्षण है। मैं इसके लिए माता-पिता, गुरुजनों एवं मित्रों को धन्यवाद देना चाहती हूँ। ऐसे लोग जो सेवा में हैं और किसी कारणवश उन्हें अपनी पढ़ाई बीच में ही छोड़नी पड़ी हो और यदि आगे पढ़ना चाहते हैं तो उनके लिए दूरस्थ शिक्षा एक बहुत ही अच्छा मंच है। जहाँ चाह है वही राह है। छात्र सकारात्मक सोच के साथ निरंतर कड़ी मेहनत करें तो वह अपने लक्ष्य में अवश्य सफल होंगे।

नंदगांव, मथुरा अध्ययन केन्द्र से पंजीकृत एम0एस0सी0 (बायोकेमिस्ट्री) के छात्र स्वप्निल चौहान को दिया गया। इसी प्रकार स्नातक वर्ग में विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक इस बार विद्याशाखाओं के 6 टापर्स को दिया गया। जिसमें मानविकी विद्याशाखा से विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक, सरदार पटेल स्मारक महाविद्यालय, लारपुर रोड, अम्बेडकरनगर अध्ययन केन्द्र से पंजीकृत स्नातक (बी0ए0) की छात्रा विभा यादव को, समाज विज्ञान विद्याशाखा से विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक, रामस्वरूप ग्रामोद्योग स्नातकोत्तर महाविद्यालय, पुखरायां, कानपुर देहात अध्ययन केन्द्र से पंजीकृत स्नातक (बी0ए0) की छात्रा रिद्धि सिंह को, प्रबन्धन अध्ययन विद्याशाखा से विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक, रति राम महाविद्यालय, नंदगांव, मथुरा अध्ययन केन्द्र से पंजीकृत स्नातक (बी0काम0) की छात्रा अंजली को, कम्प्यूटर एवं सूचना विज्ञान विद्याशाखा से विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक, सर्वोदय कालेज आफ टेक्नोलाजी एण्ड मैनेजमेंट, देवरिया अध्ययन केन्द्र से पंजीकृत स्नातक (बी0सी0ए0) की छात्रा चीनस चौरसिया को, शिक्षा विद्याशाखा से विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक, दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर अध्ययन केन्द्र से पंजीकृत स्नातक (बी0एड0) की छात्रा लक्ष्मी गुप्ता को तथा विज्ञान विद्याशाखा से विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक, बाबा साधवराम महाविद्यालय, कोईनहां, बरसरा खालसा, आजमगढ़ अध्ययन केन्द्र से पंजीकृत स्नातक (बी0एम0सी0) के छात्र अभिनन्दन यादव को प्रदान किया गया। इस बार आठ मेधावी शिक्षार्थियों को दानदाता स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया। जिसमें बाबू ओमप्रकाश गुप्त स्मृति स्वर्ण पदक, दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर अध्ययन केन्द्र से पंजीकृत बी0एड0 की छात्रा लक्ष्मी गुप्ता को, कैलाशपत नेवेटिया स्मृति स्वर्ण पदक क्षेत्रीय केन्द्र, प्रयागराज अध्ययन केन्द्र से पंजीकृत छात्रा शगुफ्ता खान को, स्व0 अनिल मीना चक्रवर्ती स्मृति स्वर्ण पदक स्नातक वर्ग में रामस्वरूप ग्रामोद्योग स्नातकोत्तर महाविद्यालय, पुखरायां, कानपुर देहात अध्ययन केन्द्र से पंजीकृत स्नातक (बी0ए0) की छात्रा रिद्धि सिंह को तथा एम0ए0 समाजकार्य में क्षेत्रीय अध्ययन केन्द्र गोरखपुर से पंजीकृत छात्रा आशा यादव को दिया गया। इसके साथ ही तीन अन्य दानदाता स्वर्ण पदक प्रो0 एम0पी0 दुबे पर्यावरणध्गांधी चिन्तन एवं शान्ति अध्ययन उत्कृष्टता स्वर्ण पदक, मोतीलाल नेहरू डिग्री कालेज, कौंधियारा, प्रयागराज अध्ययन केन्द्र से पंजीकृत मनीष कुमार मिश्रा तथा प्रो0 एम0पी0 दुबे दिव्यांग मेधा स्वर्णपदक टी0डी0 कालेज, जौनपुर अध्ययन केन्द्र से पंजीकृत छात्र शाहनवाज सिद्दिकी को तथा महान राष्ट्रकवि श्रद्धेय पं0 सोहन लाल द्विवेदी स्मृति स्वर्णपदक श्री बाबा साधवराम महाविद्यालय, कोईनहां, बरसरा खालसा, आजमगढ़ अध्ययन केन्द्र से पंजीकृत एम0ए0 (हिन्दी) की छात्रा निकिता को दिया गया। विश्वविद्यालय का 15 वां दीक्षांत समारोह अभूतपूर्व समारोह के रूप में याद किया जाएगा। पहली बार विश्वविद्यालय के अपने प्रेक्षागृह में जनपद के प्राथमिक एवं जूनियर हाईस्कूल के चयनित विद्यार्थियों के समूह को राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने सम्मानित किया।

स्वतंत्र भारत
लखनऊ, शुक्रवार, 5 मार्च, 2021
9
प्रयागराज
(प्रतापगढ़, कौशाम्बी, जौनपुर, भदोही, मिर्जापुर)

उ.प्र.राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के १५ वें दीक्षांत समारोह में १६ को मिले स्वर्ण पदक

५ वर्ष तक के बच्चों को प्राथमिक शिक्षा से जोड़ें: आनंदीबेन

सहायक अध्यापक लक्ष्मी गुप्ता को मिला कुलाधिपति स्वर्ण पदक

प्रयागराज। विकास का पहला आधार शिक्षा है। शिक्षा के माध्यम से समाज में बदलाव लाया जा सकता है। शिक्षा के साथ-साथ बच्चों का स्वास्थ्य और पोषण आवश्यक है इसके लिए परिवार और शिक्षकों की भूमिका बढ़ जाती है। यदि हमें उच्च शिक्षा के ५० प्रतिशत [illegible] को प्राप्त करना है तो प्राथमिक शिक्षा का स्तर उठाने के साथ ही साथ [illegible] की भी बढ़ाना होगा। इसके लिए ५ वर्ष तक की आयु के सभी बच्चों को प्राथमिक शिक्षा से जोड़ा जाना चाहिए।

उक्त बातें आज यहां उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के १५ वें दीक्षांत समारोह में विश्वविद्यालय की कुलाधिपति तथा राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने कहीं। [illegible]

म्यांमार : हिंसा के बाद फिर सड़कों पर उतरे लोग पेज-13

तापसी और प्रोडक्शन हाउसों ने नहीं दिया सही हिसाब पेज-13

भारत का विकृत इतिहास पढ़ाए जाने और भगवान राम का अस्तित्व नकारने के लिए क्या कांग्रेस माफी मांगेगी? - सुशील कुमार मोदी @SushilModi

सेंसेक्स 600 अंक लुढ़का पेज-10

www.facebook.com/rashtriyasahara https://twitter.com/SaharaRashtriya www.rashtriyasahara.com

जैकलीन ने पूरी की 'बच्चन पांडे' की शूटिंग पेज-14

राष्ट्रीय सहारा

राष्ट्रीयता ■ कर्तव्य ■ समर्पण

■ लखनऊ ■ नई दिल्ली ■ गोरखपुर ■ पटना ■ कानपुर ■ देहरादून ■ वाराणसी से प्रकाशित

लखनऊ

शुक्रवार • 5 मार्च • 2021

पृष्ठ 14, मूल्य ₹ 4.00

सराफा लखनऊ सोना (प्रति 10 ग्राम) 44,372 चांदी (प्रति किलो) 66,815 शेयर सेंसेक्स 50,846 -599 निफ्टी 15,081 -165 विनिमय दर ₹/$ 72.83 -0.11 मौसम (लखनऊ) तापमान अधिकतम 32.8 न्यूनतम 14.0

मेडल पाते ही चहक उठे मेधावी छात्र

राजर्षि टंडन मुविवि के दीक्षांत समारोह में गवर्नर आनंदी बेन पटेल ने 19 को दिये मेडल

■ सहारा न्यूज ब्यूरो

प्रयागराज।

राजर्षि टण्डन मुक्त विवि के 15 वें दीक्षांत समारोह में गुरुवार को मेधावी छात्र - छात्राएं मेडल पाते ही चहक उठे। यह मेडल कुलाधिपति राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने विवि के प्रेक्षागृह में आयोजित समारोह में प्रदान

गोरखपुर की शिक्षिका लक्ष्मी गुप्ता को कुलाधिपति सहित मिले तीन स्वर्णपदक

किया। कुलाधिपति स्वर्ण पदक श्रीमती आनंदीबेन पटेल, राज्यपाल उत्तर प्रदेश ने गोरखपुर क्षेत्रीय केन्द्र के अन्तर्गत आने वाले अध्ययन केन्द्र दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विवि गोरखपुर की छात्रा लक्ष्मी गुप्ता को प्रदान किया गया।

लक्ष्मी गुप्ता ने बीएड परीक्षा प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण की तथा समस्त विद्या शाखाओं की स्नातक एवं स्नातकोत्तर परीक्षाओं में उत्तीर्ण समस्त स्नातक/परास्नातक शिक्षार्थियों में सर्वाधिक 82.07 प्रतिशत अंक प्राप्त कर सर्वाधिक 3 स्वर्ण पदक प्राप्त किये। विवि स्वर्ण पदक स्नातकोत्तर वर्ग में विद्याशाखाओं के 05 टापर्स को दिए गए, जिसमें मानविकी विद्याशाखा से विवि स्वर्ण पदक शिवरानी देवी महिला महाविद्यालय नेवा, देवरिया से एमए (संस्कृत) के रंजय कुमार सिंह को, समाज विज्ञान विद्याशाखा से विवि स्वर्ण पदक किसान मजदूर महाविद्यालय भीटी मऊ अध्ययन केन्द्र के एमए (राजनीतिशास्त्र) के रजत विश्वकर्मा को, प्रबन्धन अध्ययन विद्याशाखा से विवि स्वर्ण पदक, रॉ राम महाविद्यालय मथुरा अध्ययन केन्द्र से एमकाम की छात्रा शिवानी स्वाति रत्नाकर को, शिक्षा विद्याशाखा से विवि स्वर्ण पदक, श्री बाबा रामधाम महाविद्यालय, कोईलहा, बरसा खलवा, आजमगढ़ अध्ययन केन्द्र से एमए (शिक्षाशास्त्र) की छात्रा नेहा सिंह को तथा विज्ञान विद्याशाखा से विवि स्वर्ण पदक, श्री रॉ राम महाविद्यालय, नाव, मथुरा अध्ययन केन्द्र से एमएससी (बायोकेमिस्ट्री) के छात्र स्वप्निल चौहान को दिया गया। स्नातक वर्ग में विवि स्वर्ण पदक विद्याशाखाओं के 6 टापर्स को दिया गया जिसमें मानविकी विद्याशाखा से विवि स्वर्ण पदक, सरदार पटेल स्मारक महाविद्यालय, लारपुर रोड, अम्बेडकरनगर अध्ययन केन्द्र से पंजीकृत स्नातक (बीए) की छात्रा शिखा यादव को, समाज विज्ञान विद्याशाखा से विवि स्वर्ण पदक, रामस्वरूप ग्रामोद्योग स्नातकोत्तर महाविद्यालय, पुखरायां, कानपुर देहात अध्ययन केन्द्र से बीए की छात्रा रिद्धि सिंह को, प्रबन्धन अध्ययन विद्याशाखा से विवि स्वर्ण पदक, श्री रॉ राम महाविद्यालय, नाव, मथुरा अध्ययन केन्द्र से बीकाम की छात्रा अंजली को, कम्प्यूटर एवं सूचना विज्ञान विद्याशाखा से विवि स्वर्ण पदक, सर्वोदय कालेज आफ टेक्नोलाजी एण्ड मैनेजमेंट, देवरिया से बीसीए की छात्रा कीर्ति चौरसिया को दिया गया।

मेडल प्राप्त करने वाले मेधावी कुलाधिपति राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल, मुख्य अतिथि और कुलपति के साथ।

इंडियन रेडक्रास सोसायटी को सक्रिय करें : राज्यपाल

राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने इंडियन रेडक्रास सोसायटी को सक्रिय करते हुए अधिक से अधिक लोगों को सोसायटी से जोड़ने का निर्देश दिया। राज्यपाल श्रीमती आनन्दीबेन पटेल की अध्यक्षता में आज सर्किट हाउस के सभागार में इंडियन रेड क्रास सोसायटी की जोनल स्तरीय बैठक आयोजित की गयी। बैठक में आजमगढ़ मण्डल, वाराणसी मण्डल, बस्ती मण्डल, देवी-पाटन मण्डल, प्रयागराज मण्डल तथा चित्रकूट मण्डल के जनपदों के रेड क्रास सोसायटी के पदाधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में राज्यपाल ने सभी जनपदों के पदाधिकारियों को रेड क्रास सोसायटी को क्रियाशील करने को कहा। कहा है कि जिन जनपदों में रेड क्रास सोसायटी का गठन नहीं हो पाया है या वे क्रियाशील नहीं है। ऐसे सभी जनपद 31 मार्च तक समिति का गठन करके समिति को क्रियाशील बना लें। उन्होंने रेड क्रास सोसायटी को आमजन से जोड़ने के लिए कहा। इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव महेश कुमार गुप्ता, मण्डलायुक्त संजय गोयल, रेडक्रास सोसायटी के उपाध्यक्ष सच्चानंद पाण्डेय, डॉ.एस भानु चन्द्र गोस्वामी, मुख्य विकास अधिकारी शिपू गिरि आदि मौजूद रहे।

राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के 15 वें दीक्षांत समारोह में 19 शिक्षार्थियों को मिला स्वर्ण पदक

28659 हजार शिक्षार्थियों को प्रदान की गई उपाधि ,राज्यपाल ने छोटे स्कूली बच्चों को बैग एवं पुस्तकों का किया वितरण

[illegible]

[illegible]

राज्यपाल ने अटल प्रेक्षागृह का किया लोकार्पण

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल एवं विश्वविद्यालय के कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने गुरुवार को विश्वविद्यालय में नवनिर्मित अत्याधुनिक प्रेक्षागृह का लोकार्पण किया। उक्त प्रेक्षागृह का नामकरण भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई के नाम पर किया गया।

उक्त प्रेक्षाह अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित है। प्रयागराज में यह अपनी तरह का पहला ऑडिटोरियम है। जिसमें एक साथ 1000 व्यक्तियों के बैठने की क्षमता है साथ ही डायस पर एक साथ 200 अतिथि बैठ सकते हैं। उक्त भवन का निर्माण कंस्ट्रक्शन एंड डिजाइन सर्विसेज यूनिट- 33 उत्तर प्रदेश जल निगम प्रयागराज के तहत मेसर्स राजेश इंजीनियरिंग एसोसिएट द्वारा कराया गया। इस अवसर पर कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर

नाथ सिंह, मुख्य अतिथि मुकुल कानिटकर, कुलसचिव डॉ० अरुण कुमार गुप्ता, वित्त अधिकारी अजय कुमार सिंह एवं इंजीनियर राजेश सिंह आदि उपस्थित रहे। ज्ञातव्य है कि उक्त प्रेक्षागृह का शिलान्यास तत्कालीन राज्यपाल राम नाईक ने किया था।

आज

पूरी दुनियामें हर ओर शिवत्व महान

अधिक दवाव महसूस कर रहीं कामकाजी महिलाएं

प्रयागराज, शुक्रवार ५ मार्च, २०२१

फाफामऊ स्थित राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में दीक्षांत समारोह में सम्मानित छात्राएं।

विकास का पहला आधार शिक्षा है-राज्यपाल

यूपी आरटीओयू के १५ वें दीक्षांत समारोह में १९ को मिले स्वर्ण पदक , लक्ष्मी गुप्ता को मिला कुलाधिपति स्वर्ण पदक

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के १५ वें दीक्षांत समारोह में विवि की कुलाधिपति तथा राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने कहा कि विकास का पहला आधार शिक्षा है। शिक्षा के माध्यम से समाज में बदलाव लाया जा सकता है। शिक्षा के साथ-साथ बच्चों का स्वास्थ्य और पोषण आवश्यक है इसके लिए परिवार और शिक्षकों की भूमिका बढ़ जाती है। उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी केंद्र के बच्चों को संसाधन मुहैया कराने से प्रभु श्री राम के दर्शन करने जैसे संतोष का अनुभव होता है। उन्होंने आंगनबाड़ी केंद्रों को सशक्त बनाने की पहल करते हुए कहा कि आंगनबाड़ी केंद्रों का विकास देश का विकास है। उन्होंने कहा कि माध्यमिक तथा उच्च शिक्षा विभाग का यह दायित्व है कि वह पांच-पांच आगनबाड़ी केंद्रों को गोद लेकर उनके उन्नयन एवं संवर्धन का कार्य करें।श्रीमती पटेल ने कहा कि यदि हमें उच्च शिक्षा के ५० प्रतिशत शैक्षिक सूचकांक को प्राप्त करना है तो प्राथमिक शिक्षा का स्तर उठाने के साथ ही साथ नामांकन निपात को भी बढ़ाना होगा। इसके लिए उन्होंने पांच वर्ष तक की आयु के सभी बच्चों को प्राथमिक शिक्षा से जोड़ने का आह्वान किया। राज्यपाल श्रीमती पटेल ने कहा कि दहेज जैसी सामाजिक कुप्रथा का उन्मूलन अति आवश्यक है। जिसके लिए उन्होंने उपाधि प्राप्त करने वाली छात्राओं का आह्वान किया कि वह सब मिलकर इस तरह की कुरीतियों को दूर भगाएं। उन्होंने कहा कि समाज के सभी समस्याओं को दूर करने के लिए सतत प्रयास आवश्यक है। जब तक हमारे बीच सद्भाव एवं सदविचार नहीं आएंगे तब तक समाज का विकास नहीं होगा। दीक्षांत समारोह के मुख्य अतिथि मुकुल कानिटकर, अखिल भारतीय संगठन मंत्री, भारतीय शिक्षण मंडल, नागपुर ने दीक्षांत भाषण देते हुए कहा कि दीक्षांत समारोह स्नातक के समावर्तन का उत्सव है। भारत की युवा पीढ़ी को हमारी उज्जवल, आध्यात्मिक एवं बौद्धिक परंपरा का स्वाध्याय पूर्वक आत्ममंथन करना चाहिए। हमारे प्राध्यापकों का भी यह परम कर्तव्य है कि वह छात्रों को अपने आचार, विचार और ज्ञान के अवबोध के माध्यम से प्रभावित करें। श्री कानिटकर ने कहा कि हमारी शिक्षा प्रणाली की बाह्य संरचना एवं आंतरिक प्राणस्वर के रचनात्मक पुनर्निर्धारण का कार्य इस शताब्दी की सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक है। जिस के निदान का सूत्रपात राष्ट्रीय शिक्षा नीति २०२० ने किया है।

BENNETT, COLEMAN & CO. LTD. | ESTABLISHED 1838 | VOL. XXXIX NO. 54 ALLAHABAD | FRIDAY, MARCH 5, 2021 | PAGES 18 | PRICE ₹4.00

THE TIMES OF INDIA

#AShotOfHope

INDIA'S LARGEST ENGLISH NEWSPAPER

PM TO ADDRESS CONFERENCE OF TOP MILITARY LEADERSHIP; JAWANS TO ATTEND FOR FIRST TIME 9

SUNIEL SHETTY FILES COMPLAINT OVER FAKE FILM POSTER 8

JAISHANKAR DISCUSSES TEESTA WATER SHARING, BORDER KILLINGS DURING BANGLADESH VISIT 8

Strengthening anganwadis a step towards development: Governor

Addresses 15th Convocation Of UPRTOU

Times News Network

Governor Anandiben Patel awards gold medals and degrees to students of UPRTOU on Thursday

Prayagraj: "Education is the foundation of development and a tool to change the society. Along with education, health of the children is also essential, for which the role of family and teachers is crucial," said chancellor of UP Rajarshi Tandon Open University (UPRTOU) and state governor Anandiben Patel while addressing the 15th convocation ceremony of the university on Thursday.

Patel further said that strengthening the anganwadi centres is a step towards development of the country.

"It is the responsibility of the department of secondary and higher education to adopt five anganwadi centres and support their overall growth," said the governor. She reminded the students of their role in eliminating of social malpractices like dowry.

Patel, who is the the chancellor of this lone open university of the state expressed her happiness about the university being committed to providing higher education to the deprived children of the society and also working women.

While delivering a speech at the convocation, the chief guest Mukul Kanitkar, who is the national organising secretary at Bharatiya Shiksha Mandal in Nagpur, said that the young generation of India should study hard for a bright future.

"It is the duty of our teachers to pass on their sense of ethics and knowledge to the students. The right implementation of the external structure of our education system and the growth of our inner soul are two of the biggest challenges of this century. The national education policy 2020 tries to resolve the same," he said.

The chief guest further said, "The times we are living in are an era of social discourse, which calls for the inclusion of underprivileged people in order to ensure overall development of the society."

Taking about the Covid-19 pandemic, Kanitkar said that it has forced the entire academic world to look at education in new contexts. Due to the rapid pace of social changes, only distance learning and open education can fulfil the needs of students. Distance education is relevant not only for the present but also for the future, he added.

During the convocation, 19 gold medals were awarded to the students. Of these, 14 were bagged by female students and five were awarded to male students. A total of 28,659 students were awarded degrees, out of which 15,492 were male and 13,167 were female students. The chancellor medal was awarded to Lakshmi Gupta from Gorakhpur study centre of the university.

A newly constructed Atal auditorium was also inaugurated during the ceremony.

Later, in the evening, the governor inaugurated the historical Vizianagram Hall located at the science faculty campus of Allahabad University (AU). She also released a special postal cover on this heritage building which has been recently restored by AU. During the day, the governor also attended programmes at an anganwadi centre, Katra Bakhtiyari and Allahabad Museum. She also chaired the zonal level meeting of Red Cross Society held at Circuit House.

BBD GROUP ** वॉयस ऑफ लखनऊ

शुक्रवार, 5 मार्च, 2021 लखनऊ, महानगर, वर्ष 16, अंक 63, 12 पेज, 2.00 रुपये

www.facebook.com/volepaper voiceoflucknow@gmail.com www.voiceoflucknow.com

सच, सिर्फ सच

कम नहीं होगी ईपीएफओ ब्याज दर

ईपीएफओ ने वर्ष 2020- 21 के दौरान ईपीएफ जमा पर ब्याज दर को 8 .5 प्रतिशत पर बनाये रखने का फैसला किया। } 11

विश्व में सबसे अधिक चुनौतियों का सामना कर रही सेना

सीडीएस बिपिन रावत ने कहा कि भारतीय सेना विश्व की किसी भी अन्य सेना की तुलना में अधिक चुनौतियों का सामना कर रही है। इसलिए रक्षा क्षेत्र में सरचनात्मक सुधार की आवश्यकता है। } 10

} 12

विद्यार्थी देश और समाज की सेवा का संकल्प लें : राज्यपाल

- आंगनवाड़ी केंद्रों को गोद ले विश्वविद्यालय और महाविद्यालय
- कोविड काल में दूरस्थ शिक्षा की प्रासंगिकता और भी बढ़ गयी
- इलाहाबाद विश्वविद्यालय के नवनिर्मित विजयनगर हाल का किया उद्घाटन

जिला संवाददाता

प्रयागराज। राज्यपाल श्रीमती आनंदी बने पटेल ने कहा कि आज उपाधि प्राप्त विद्यार्थियों के जीवन का एक चरण पूरा हो गया है, परन्तु व्यावहारिक जीवन की चुनौतियों के मद्देनजर वे जातिगत, सम्प्रदायगत, भाषाई और अन्य प्रकार के भेदभावों से ऊपर उठकर एक आदर्श भारतीय नागरिक के रूप में देश और समाज की सेवा का संकल्प लें और देश की समृद्ध सांस्कृतिक परंपरा की गौरव-गरिमा के पीढ़ी दर पीढ़ी हस्तांतरण में अपनी सुयोग्य भूमिका निभाएं। राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल गुरुवार को उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के 15वें दीक्षान्त समारोह को सम्बोधित कर रही थीं। उन्होंने कहा कि राष्ट्र तथा समाज के लक्ष्यों की प्राप्ति का सबसे महत्वपूर्ण साधन शिक्षा है। शिक्षा के माध्यम से समाज में बदलाव लाया जा सकता है। शिक्षा के साथ-साथ बच्चों का स्वास्थ्य एवं पोषण भी आवश्यक है, इसके लिए परिवार एवं शिक्षकों की भूमिका बढ़ जाती है। उन्होंने कहा कि कोई भी बच्चा स्कूल जाने से वंचित नहीं होना चाहिए। अध्यापक गांव में जाकर अभिभावकों को बच्चों को स्कूल भेजने के लिए प्रेरित करें।

आंगनबाड़ी में पढ़ने वाले बच्चों एवं वहां की व्यवस्थाओं पर चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी केन्द्रों में मुख्यतः गरीब परिवार के बच्चे पढ़ते है। विश्वविद्यालयों एवं कालेजों तथा अन्य संस्थाओं को आंगनबाड़ी केन्द्रों को गोद लेने के लिए आगे बढ़कर कार्य करना चाहिए। श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने कहा कि कहा कि दहेज जैसी कुप्रथा को समाप्त करने के लिए भी सभी लोगो को आगे बढ़कर कार्य करना चाहिए तथा दहेज के कारण समाज में होने वाली घटनाओं तथा उसके परिणामों के बारे में लोगो को जागरूक करना चाहिए। उन्होंने कहा कि उच्च शिक्षा के 50 प्रतिशत शैक्षिक सूचकांक को प्राप्त करना है तो प्राथमिक शिक्षा का स्तर उठाने के साथ ही साथ नामांकन अनुपात को भी बढ़ाना होगा। इसके लिए उन्होंने 5 वर्ष तक की आयु के सभी बच्चों को प्राथमिक शिक्षा से जोड़ने का आह्वान किया। राज्यपाल ने बच्चों को स्कूल जाने हेतु प्रेरित करने के लिए छोटे स्कूली बच्चों को बैग एवं पुस्तकों का वितरण अपने हाथ से किया। श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने कहा कि वर्तमान युग दूरस्थ शिक्षा का है और इसका क्षेत्र अत्यन्त व्यापक है। औपचारिक शिक्षा की तुलना में यह ज्यादा व्यावहारिक, महत्वपूर्ण तथा सार्थक होती जा रही है। कोविड काल में इसकी प्रासंगिकता और भी बढ़ गई है। 15वें दीक्षान्त समारोह में विभिन्न विद्या शाखाओं में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले शिक्षार्थियों को 19 स्वर्ण पदक प्रदान किये गए, जिनमें 5 स्वर्ण पदक छात्रों तथा 14 स्वर्णपदक छात्राओं की झोली में आए। दीक्षान्त समारोह में सत्र दिसम्बर 2019 तथा जून 2020 की परीक्षा के सापेक्ष उत्तीर्ण लगभग 28659 हजार शिक्षार्थियों को उपाधि प्रदान की गई, जिसमें 15492 पुरूष तथा 13167 महिला शिक्षार्थी रहे। इस अवसर पर राज्यपाल ने बच्चों को स्कूल जाने हेतु प्रेरित करने के लिए बैग एवं पुस्तकों का वितरण अपने हाथ से किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि मुकुल कानितकर, विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह सहित अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

इसके बाद एक अन्य कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज के नवनिर्मित विजयनगरम हाल का उद्घाटन भी किया।

प्राथमिक विद्यालय एवं आंगनबाड़ी केन्द्र का निरीक्षण

प्रयागराज। राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने आज प्रयागराज के कटरा स्थित बखितयारी प्राथमिक विद्यालय के प्रांगण में स्थित आंगनबाड़ी केन्द्र में डॉ० ए०पी०जे० अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय एवं जिला प्रशासन के संयुक्त तत्वावधान में आंगनबाड़ी केन्द्रों को सुविधा सम्पन्न करने हेतु आयोजित कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। राज्यपाल द्वारा आंगनबाड़ी केन्द्र से सम्बंधित आवश्यक वस्तुओं का वितरण किया गया। राज्यपाल ने गर्भवती महिलाओं की गोद भराई कराई और उन्हें अच्छे से खानपान, सरकारी अस्पताल में ही डिलीवरी कराने, स्वच्छता का विशेष ख्याल रखने आदि की सीख दी तथा गर्भवती महिलाओं को पोषण किट का वितरण किया। इसके अलावा अलिस्फा फातिमा का अन्नप्राशन कराया। उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी केन्द्रों पर 3 से 6 साल के बच्चें आते है, इसलिए इन केन्द्रों पर बच्चों के खेलने के लिए खिलौने एवं उनकी उपयोग की वस्तुएं होनी चाहिए, जिससे कि बच्चों का मन भी लगे और उनकी देखभाल के साथ-साथ उनको उचित पोषण भी मिलना चाहिए।

वूमेन एक्सप्रेस

www.womenexpress.in Email: thewomenexpress@gmail.com Women Express tv

• वर्ष 9 • अंक 18 • हिन्दी दैनिक • नई दिल्ली शुक्रवार 5 मार्च 2021 • पृष्ठ 8 • मूल्य 1 रुपया • डाक पंजीयन DL (E)-20/5448/2017-19

5 वर्ष तक के बच्चों को प्राथमिक शिक्षा से जोड़ें: राज्यपाल

उ. प्र. राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के 15 वें दीक्षांत समारोह में 19 को मिले स्वर्ण पदक

(विनोद मिश्रा/वूमेन एक्सप्रेस)

प्रयागराज, 4 मार्च । उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने बृहस्पतिवार को यहां कहा कि नई शिक्षा नीति के तहत 2030 तक 50 प्रतिशत युवाओं को उच्च शिक्षा का लक्ष्य तभी हासिल हो सकेगा जब प्राथमिक विद्यालयों में बचों की शिक्षा सुनिश्चित करने पर ध्यान दिया जाए। उत्तर प्रदेश राजिर्ष टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के 15वें दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने प्रदेश की आंगनवाडियों में सभी मूलभूत जरूरतों को उपलब्ध कराने के लिए सरकारी और निजी शैक्षणिक संस्थानों से इन आंगनवाडियों को गोद लेने का आह्वान किया। उन्होंने कहा, पूरे प्रदेश में 3031 सरकारी विश्वविद्यालय और 4050 निजी विश्वविद्यालय हैं। इनके साथ 50,000 से अधिक कॉलेज हैं। यदि एकएक कालेज प्रदेश की सभी आंगनवाडियों को गोद लें तो इन आंगनवाडियों को वे सभी चीजें मिल जाएंगी, जो हम चाहते हैं।''

पटेल ने कहा, दहेज जैसी कुरीतियों का हल शिक्षा है। एक बार मैंने जेल देखने का मन बनाया और 1518 साल की लड़कियों को अपने साथ महिला जेल दिखाने गई। वहां उन लड़कियों ने महिला कैदियों से बातचीत की जिससे पता चला कि लगभग 325 महिलाओं को दहेज के लिए बहू की हत्या करने के लिए सजा हुई है।'' उन्होंने कहा कि लड़कियों को जेल दिखाने का मकसद उन बुराइयों से रूबरू कराना था जिनकी वजह से महिलाएं जेल में सड़ती हैं।

उन्होंने कहा कि शिक्षा के जरिए इन सामाजिक कुरीतियों को दूर करने के लिए सामूहिक इच्छाशक्ति की जरूरत है और विश्वविद्यालय ऐसे कार्यक्रमों का आयोजन कर छात्र छात्राओं को जागरूक करें। इस मौके पर भारतीय शिक्षण मंडल, नागपुर के अखिल भारतीय संगठन मंत्री मुकुल कानिटकर ने कहा, मुक्त शिक्षा, शिक्षार्थी केंद्रित है जिसमें विद्यार्थी अपनी गति एवं जरूरत के मुताबिक विषय वस्तु को सीखता है।'' उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के सफल क्रियान्वयन में भी इस विश्वविद्यालय को प्रयास करना होगा। उन्होंने कहा कि शोध के क्षेत्र में भी अग्रणी भूमिका निभाते हुए इस विश्वविद्यालय ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ की स्थापना करके एक सार्थक पहल की है। दीक्षांत समारोह में 19 विद्यार्थियों को गोल्ड मेडल दिया गया और अन्य छात्रों को विभिन्न उपाधियां प्रदान की गईं। राज्यपाल ने विश्वविद्यालय के नवनिर्मित अटल प्रेक्षागृह का भी उद्घाटन किया।

प्रयागराज

मौसम

कोई भी बच्चा स्कूल जाने से वंचित न रहे : राज्यपाल

आनंदीबेन पटेल ने राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय में दीक्षांत समारोह कार्यक्रम का किया शुभारम्भ

संक्षेप

आनन्दीबेन पटेल ने अटल प्रेक्षागृह का किया लोकार्पण

दीक्षान्त समारोह में विभिन्न विद्याशाखाओं में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले 19 शिक्षार्थियों को स्वर्ण पदक प्रदान किये गए

राज्यपाल महोदया ने विशेष अध्ययन के लिए पदक प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को उनके उज्ज्वल भविष्य की दी शुभकामनाएं

छात्र-छात्राएं समाज सेवा के साथ-साथ राष्ट्र निर्माण में भी निभाएं अपनी महत्वपूर्ण भूमिका

स्कूली बच्चों को बैग एवं पुस्तक प्रदान कर स्कूल जाने के लिए किया प्रेरित

समय से पहले 'समय' पर नजर

नगर-संस्करण

न्यायाधीश

डाक रजिस्ट्रेशन नं.- ए.डी.34/2021-23

www.nyayadheesh.c

प्रयागराज शुक्रवार 05 मार्च, 2021 संस्थापक-स्व0 डा0 रघुबीर चन्द जिन्दल

05 मार्च, 2021 3

5 वर्ष तक के बच्चों को प्राथमिक शिक्षा से जोड़ें- राज्यपाल

आध्यात्मिक एवं बौद्धिक परंपरा का स्वाध्याय पूर्वक आत्ममंथन करे युवा पीढ़ी- मुकुल कानिटकर,उ. प्र. राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के 15 वें दीक्षांत समारोह में 19 को मिले स्वर्ण पदक,सहायक अध्यापक लक्ष्मी गुप्ता को मिला कुलाधिपति स्वर्ण पदक

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के 15 वें दीक्षांत समारोह में विश्वविद्यालय की कुलाधिपति तथा राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने कहा कि विकास का पहला आधार शिक्षा है। शिक्षा के माध्यम से समाज में बदलाव लाया जा सकता है। शिक्षा के साथ-साथ बच्चों का स्वास्थ्य और पोषण आवश्यक है इसके लिए परिवार और शिक्षकों की भूमिका बढ़ जाती है। राज्यपाल श्रीमती पटेल ने कहा कि आंगनबाड़ी केंद्र के बच्चों को संसाधन मुहैया कराने से प्रभु श्री राम के दर्शन करने जैसे संतोष का अनुभव होता है। उन्होंने आंगनबाड़ी केंद्रों को सशक्त बनाने की पहल करते हुए कहा कि आंगनबाड़ी केंद्रों का विकास देश का विकास है। उन्होंने कहा कि माध्यमिक तथा उच्च शिक्षा विभाग का यह दायित्व है कि वह पाँच-पाँच आंगनबाड़ी केंद्रों को गोद लेकर उनके उन्नयन एवं संवर्धन का कार्य करें। श्रीमती पटेल ने कहा कि यदि हमें उच्च शिक्षा के 50% शैक्षिक सूचकांक को प्राप्त करना है तो प्राथमिक शिक्षा का स्तर उठाने के साथ ही साथ नामांकन निपात को भी बढ़ाना होगा। इसके लिए उन्होंने 5 वर्ष तक की आयु के सभी बच्चों को प्राथमिक शिक्षा से जोड़ने का आह्वान किया।

दीक्षांत समारोह के मुख्य अतिथि मुकुल कानिटकर, अखिल भारतीय संगठन मंत्री, भारतीय शिक्षण मंडल, नागपुर ने दीक्षांत भाषण देते हुए कहा कि दीक्षांत समारोह स्नातक के समावर्तन का उत्सव है। भारत की युवा पीढ़ी को हमारी उत्कृष्ट आध्यात्मिक एवं बौद्धिक परंपरा का स्वाध्याय पूर्वक आत्ममंथन करना चाहिए। हमारे प्राध्यापकों का भी यह परम कर्तव्य है कि वह छात्रों को अपने आचार, विचार और ज्ञान के अवबोध के माध्यम से प्रभावित करें। श्री कानिटकर ने कहा कि हमारी शिक्षा प्रणाली की बाह्य संरचना एवं आंतरिक प्राणस्वर के रचनात्मक पुनर्निर्धारण का कार्य इस शताब्दी की सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक है। जिस के निदान का सूत्रपात राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 ने किया है।

मुख्य अतिथि श्री कानिटकर ने कहा कि वर्तमान युग सामाजिक विमर्श का युग है। सर्वस्पर्शी विकास की अवधारणा आज हमारे सामने है। ऐसे में समाज के वंचित वर्गों को समग्र विकास में सम्मिलित करना राष्ट्रीय शिक्षा नीति की शीर्ष प्राथमिकता है।

इससे पूर्व कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने कुलाधिपति एवं राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल एवं मुख्य अतिथि मुकुल कानिटकर का स्वागत किया तथा विश्वविद्यालय की गत वर्ष की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की। उन्होंने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय अपने कार्यक्रमों की गुणवत्ता एवं समसामयिकता पर दृष्टि रखता है तथा केवल परिसर तक ही सीमित न होकर समाज में जन जन तक पहुंचने का प्रयास कर रहा है।

15वें दीक्षान्त समारोह में विभिन्न विद्याशाखाओं में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले शिक्षार्थियों को 19 स्वर्ण पदक प्रदान किये गए, जिनमें 05 स्वर्ण पदक छात्रों तथा 14 स्वर्णपदक छात्राओं की झोली में आए। दीक्षान्त समारोह में सत्र दिसम्बर 2019 तथा जून 2020 की परीक्षा के सापेक्ष उत्तीर्ण लगभग 28659 हजार शिक्षार्थियों को उपाधि प्रदान की गई, जिसमें 15492 पुरुष तथा 13167 महिला शिक्षार्थी रहे।

जहाँ चाह है वहीं राह- लक्ष्मी गुप्ता

बीएड की परीक्षा में सर्वाधिक अंक पाकर एक साथ तीन स्वर्ण पदक कुलाधिपति स्वर्ण पदक, विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक तथा दानदाता स्वर्ण पदक प्राप्त करने वाली ग्रामीण पृष्ठभूमि की मेधावी छात्रा लक्ष्मी गुप्ता की बचपन से ही पुरस्कार पाने की उत्सुकता रही है। लक्ष्मी गुप्ता इस समय उच्च प्राथमिक विद्यालय, टेकुआपाली, सहजनवा, गोरखपुर में सहायक अध्यापक हैं। लक्ष्मी गुप्ता ने 1 अगस्त 2013 में प्राथमिक विद्यालय कसरवल, सहजनवा में स.अ. के रूप में कार्यभार ग्रहण किया। पुनः 29334 भर्ती में सहायक अध्यापक (गणित विषय) के रूप में चयन होने के बाद उच्च प्राथमिक विद्यालय, टेकुआपाली, सहजनवा, गोरखपुर में 26 सितम्बर 2015 में कार्यभार ग्रहण किया। लक्ष्मी का कहना है सेवा में आने के बाद ऐसा लगा कि अब तो पढ़ाई संभव नहीं है। माध्यमिक शिक्षा में आने के लिए बी.एड. की आवश्यकता प्रतीत हुई। जब दूरस्थ शिक्षा के बारे में जानकारी हुई तो आशा की एक किरण दिखाई दी। सेवा में आने के बाद उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय (दूरस्थ शिक्षा) से स्वर्ण पदक के लिए चुना जाना वास्तव में मेरे लिए सुखद एवं गरिमामयी क्षण है। मैं इसके लिए माता-पिता, गुरुजनों एवं मित्रों को धन्यवाद देना चाहती हूँ। ऐसे लोग जो सेवा में हैं और किसी कारणवश उन्हें अपनी पढ़ाई बीच में ही छोड़नी पड़ी हो और यदि आगे पढ़ना चाहते हैं तो उनके लिए दूरस्थ शिक्षा एक बहुत ही अच्छा मंच है। जहाँ चाह है वहीं राह है। छात्र सकारात्मक सोच के साथ निरंतर कड़ी मेहनत करें तो वह अपने लक्ष्य में अवश्य सफल होंगे।

राज्यपाल ने किया अटल प्रेक्षागृह का लोकार्पण

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के राज्यपाल एवं विश्वविद्यालय की कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने गुरुवार को विश्वविद्यालय में नवनिर्मित अत्याधुनिक प्रेक्षागृह का लोकार्पण किया। उक्त प्रेक्षागृह का नामकरण भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी बाजपेई के नाम पर किया गया। उक्त प्रेक्षागृह अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित है। प्रयागराज में यह अपनी तरह का पहला ऑडिटोरियम है। जिसमें एक साथ 1000 व्यक्तियों के बैठने की क्षमता है। साथ ही डायस पर एक साथ 200 अतिथि बैठ सकते हैं। उक्त भवन का निर्माण कंस्ट्रक्शन एंड डिजाइन सर्विसेज यूनिट- 33 उत्तर प्रदेश जल निगम प्रयागराज के तहत मैसर्स राजेश इंजीनियरिंग एसोसिएट द्वारा कराया गया। इस अवसर पर कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह मुख्य अतिथि मुकुल कानिटकर कुलसचिव डॉ अरुण कुमार गुप्ता वित्त अधिकारी अजय कुमार सिंह एवं इंजीनियर राजेश सिंह आदि उपस्थित रहे। ज्ञातव्य है कि उक्त प्रेक्षागृह का शिलान्यास तत्कालीन राज्यपाल राम नाईक ने किया था।

प्रमाण पत्र व मेडल के साथ बच्चों को समाज सेवा से जोड़ना जरूरी : राज्यपाल

कैनविज टाइम्स संवाददाता

प्रयागराज। विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र एवं मेडल मिल जाए, यह बड़ी बात नहीं। आप इस शिक्षा व्यवस्था से अब समाज में जा रहे हैं। वहां जाकर सभी कुछ ना कुछ योगदान करें। परिवार, समाज और राष्ट्र तीनों को समृद्ध करने हेतु आपको स्वयं के जीवन का लक्ष्य भी निर्धारित करना होगा।

यह बातें सूबे की राज्यपाल आनन्दीबेन पटेल ने गुरुवार को उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के 15वें दीक्षांत समारोह की अध्यक्षता करते हुए कहीं। उन्होंने कहा कि विद्यालयों में बच्चों को प्रमाण पत्र व मेडल देने के साथ-साथ उन्हें समाज सेवा से जोड़ना भी जरूरी है। चाहे वह कोई भी क्षेत्र हो।

उन्होंने कहा कि बच्चों की रुचि के अनुसार ही आगे बढ़ने को प्रेरित करें। दीक्षांत समारोह विद्यार्थियों को औपचारिक शिक्षा का वह समापन पर्व है, जब उन्हें व्यावहारिक जीवन के उद्देश्यों से परिचित कराया जाता है और एक सुयोग्य नागरिक के रूप में कर्तव्य निर्वाह की प्रेरणा दी जाती है। इसलिए इस शैक्षिक पर्व का शिक्षार्थी के जीवन में बहुत महत्वपूर्ण स्थान होता है।

राज्यपाल ने बताया कि वह सुबह आंगनवाड़ी के बच्चियों से मिलने गयीं। वहां और यहां में काफी अन्तर है। समाज में यही ऊंच-नीच की खाई पाटने का पूरा प्रयास हो रहा है। उन्होंने कहा कि यदि सभी विद्यालय एक आंगनवाड़ी गोद ले तो यह खाई दूर हो सकती है। कुल 31 सरकारी एवं 45 प्राइवेट विश्वविद्यालय है। लखनऊ में 26 टेक्निकल कॉलेज है। बताया कि मैंने इसके लिए वार्ता की तो एक कॉलेज पांच आंगनवाड़ी को गोद लिया। इस प्रकार कुल 130 आंगनवाड़ी गोद लिये गये। उनको सरकारी सुविधाएं भी मिल रही हैं। इसी प्रकार प्रयागराज जनपद में भी वार्ता किया, तो यहां भी गोद लेने की बात चल रही है। उन्होंने आगे कहा कि बच्चों को घुमाने की व्यवस्था भी करनी चाहिए, जिससे उन्हें प्रेरणा मिलती है। उन्होंने बताया कि मै एक बार जेल में महिला कैदियों से मुलाकात करने गई। जहां अधिकतर महिलाएं दहेज के लिए अपनी बहू को जला कर मार डाली थी। पूछने पर ज्ञात हुआ कि उन्हें इस बात का बड़ा अफसोस है। ऐसे में अगर बच्चे देखेंगे तो उन्हें सीख मिलेगी कि हमें दहेज आदि के खिलाफ रहना चाहिए। उन्होंने आगे बताया कि मैंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से उन्हें रिहा करने के लिए वार्ता की। जिस पर 60 साल से ऊपर या बीमार तीस महिलाओं को बीते 26 जनवरी को रिहा किया गया। इस अवसर पर राज्यपाल ने बच्चों को प्रमाण पत्र एवं मेडल देकर शुभकामनाएं दी। और समाज में अच्छे कार्यों के लिए उन्हें जागरूक किया।

प्रयागराज

तन्मय और हंसम ने दौलत हुसैन को जिताया

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विवि का 15वां दीक्षान्त समारोह

परिवार, समाज व राष्ट्र को समृद्ध कर जीवन का लक्ष्य निर्धारित करें: राज्यपाल

सपा स्वर्णकार समाज को सरकार में भागीदारी देगी : अखिलेश यादव

दैनिक जागरण

प्रयागराज, मंगलवार 9 मार्च, 2021

www.jagran.com

अंतिम एकादश का चयन बढ़ाएगा टीम प्रबंधन का सिरदर्द 16 | जोकोविक का खास रिकॉर्ड 16

युवा जागरण 13

दैनिक जागरण 4 प्रयागराज, 9 मार्च, 2021 www.jagran.com

एक क्लिक पर प्रदेशभर में पहुंचेगा मुविवि का प्रश्नपत्र

अनूठी पहल

- अध्ययन केंद्रों में डिजिटल प्रश्नपत्र से कराई जाएंगी परीक्षाएं
- परीक्षा शुरू होने से आधे घंटे पहले केंद्रों को मिलेगा पर्चा

पॉजिटिव न्यूज

'मुक्त विवि में अब डिजिटल प्रश्नपत्र के जरिए परीक्षाएं कराई जाएंगी। इससे गोपनीयता बनाए रखने के साथ खर्च में भी कमी आएगी। इसका ट्रायल किया जा चुका है। नए सत्र से नई व्यवस्था के तहत परीक्षा कराई जाएगी।'

प्रो. केएन सिंह, कुलपति

जागरण संवाददाता, प्रयागराज : उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय नए शैक्षणिक सत्र से परीक्षा पैटर्न में अहम बदलाव करने जा रहा है। अब प्रदेश भर के अध्ययन केंद्रों पर डिजिटल प्रश्नपत्र से परीक्षाएं कराई जाएंगी। इससे गोपनीयता बरकरार रहने के साथ खर्च में भी काफी कमी आएगी।

शासन की तरफ से सभी विश्वविद्यालयों को स्पष्ट निर्देश है कि कामकाज पेपरलेस किया जाए। इसी कड़ी में मुक्त विश्वविद्यालय ने पहले दफ्तर के कामकाज को ऑनलाइन प्लेटफॉर्म से जोड़ा। अब यह तय किया गया है कि परीक्षा के लिए प्रश्नपत्र की छपाई नहीं कराई जाएगी। ऑनलाइन मोड में तैयार प्रश्नपत्र परीक्षा से एक दिन पूर्व सिर्फ एक क्लिक पर सॉफ्टवेयर के जरिए सभी अध्ययन केंद्रों को भेजा जाएगा। परीक्षा शुरू होने से तकरीबन 30 मिनट पहले केंद्रों को पासवर्ड बताया जाएगा। इसके बाद प्रिंटआउट निकालकर परीक्षा कराई जाएगी। कार्यपरिषद की बैठक में इस आशय के प्रस्ताव को सर्वसम्मति से मंजूरी मिल गई है। परीक्षा नियंत्रक देवेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि नई व्यवस्था का ट्रायल सर्टिफिकेट, डिप्लोमा और पीजी डिप्लोमा की परीक्षाओं में किया जा चुका है। अब इसे सभी पाठ्यक्रमों के लिए लागू करने का निर्णय लिया गया है।

दैनिक जागरण

inext

अब डिजिटल क्वैश्चन पेपर से एग्जाम

यूपीआरटीयू ने एग्जाम पैटर्न में किया बड़ा बदलाव, नये सत्र से किया जायेगा लागू

prayagraj@inext.co.in

PRAYAGRAJ (8 March): कोरोना महामारी ने स्कूलों और कालेजों में कई बदलाव को बढ़ावा दिया. जिससे नई चीजों खासतौर पर टेक्नो फ्रेंडली होने की दिशा में शैक्षणिक संस्थाएं तेजी से बढ़ रही है. इसी क्रम में यूपीआरटीओयू ने नए सेशन से अपने एग्जाम के पैटर्न में भी बड़ा बदलाव करने जा रहा है. जिससे परीक्षा की गोपनीयता बरकरार रहने के साथ ही परीक्षाओं के आयोजन में होने वाले खर्च में भी काफी कमी आयी. यूपीआरटीओयू की ओर से नए सत्र से प्रदेश के विभिन्न शहरों में बने अध्ययन केन्द्रो को डिजिटल क्वैश्चन पेपर भेजकर परीक्षाएं कराने की तैयारी शुरू हो गई है.

"यूनिवर्सिटी डिजिटल क्वैश्चन पेपर के जरिए परीक्षा कराने के लिए तैयारी कर रहा है. इससे पेपर की गोपनीयता बनी रहने के साथ ही खर्च में भी कटौती होगी. इसका सफल ट्रायल किया जा चुका है. नए सेशन से ये व्यवस्था लागू हो जाएगा.

प्रो. केएन सिंह
कुलपति, यूपीआरटीओयू

कैंपस को पेपर लेस बनाने की दिशा में होगा बड़ा कदम

यूपी गवर्नमेंट की ओर से सभी यूनिवर्सिटी को निर्देश दिया गया था कि वह अपने कैंपस को पेपरलेस बनाने के लिए प्रयास करें. इसके बाद अब यूनिवर्सिटी नई पहले करते हुए एग्जाम के लिए क्वैश्चन नही कराने का निर्णय लिया है.

- यूनिवर्सिटी ऑनलाइन मोड मे एग्जाम का क्वैश्चन पेपर तैयार करके उसे परीक्षा से एक दिन पहले अध्ययन केन्द्रो को उपलब्ध कराएगा.
- यूनिवर्सिटी की ओर से एक क्लिक पर सॉफ्टवेयर के जरिए एक साथ सभी अध्ययन केंद्रो को क्वैश्चन पेपर भेजा जाएगा.
- साथ ही एग्जाम शुरू होने से करीब 30 मिनट पहले सेंटर्स को पासवर्ड बताया जाएगा. जिससे वह प्रिंटआउट निकालकर परीक्षा करा सके. इससे पेपर लीक होने का खतरा भी नही होगा.
- साथ ही पेपर की छपाई मे आने वाला खर्च और पेपर को सेंटर्स तक भेजने मे आने वाले खर्च को भी बचाया जा सकेगा.
- पूर्व मे कार्य परिषद की बैठक मे यह प्रस्ताव रखा गया. वहां सर्वसम्मति से मंजूरी मिलने के बाद इस व्यवस्था को शुरू करने की क्वायद तेज हो गई है.
- यूनिवर्सिटी के एग्जाम कंट्रोलर देवेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि इस नई व्यवस्था का ट्रायल सर्टिफिकेट, डिप्लोमा और पीजी डिप्लोमा की परीक्षाओं मे किया जा चुका है. इसमे सफलता मिलने के बाद इसे सभी पाठ्यक्रमो के लिए लागू करने का निर्णय लिया गया है.

भारत को हराकर द. अफ्रीका ने 4-1 से सीरीज जीती पेज 16 | तैयारी: बच्चे नहीं बना पाएंगे इंस्टाग्राम अकाउंट पेज 18

हिन्दुस्तान

तरक्की को चाहिए नया नजरिया

बादशाहत बरकरार

www.livehindustan.com

07 • प्रयागराज • गुरुवार • 18 मार्च 2021 | हिन्दुस्तान | आज का दिन 1965 में सोवियत संघ के अंतरिक्ष यात्री एलेक्सी ने पहली बार अंतरिक्ष में चहलकदमी की। | **सिटी लाइव**

लिखित, इंटरव्यू के बाद प्री पीएचडी उत्तीर्ण करने पर ही छात्र जमा कर सकेंगे थीसिस

शोधार्थियों की कैंपस हाजिरी अनिवार्य

प्रयागराज | अनिकेत यादव

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय (मुविवि) में 12 साल बाद शैक्षिक सत्र 2020-21 में पीएचडी में दाखिला शुरू हुआ है। प्रवेश लेने वाले छात्रों को अनिवार्य रूप से कैंपस में उपस्थित होकर शोध कार्य करना होगा। पीएचडी शोध के लिए रिसर्च गाइड सिर्फ विश्वविद्यालय के शिक्षक ही बनेंगे। जबकि पहले रिसर्च निर्देशक बाहर के एलॉट होते थे। पूर्व में शोधार्थियों की उपस्थिति अनिवार्य नहीं होती थी। कुलपति प्रो. केएन सिंह ने बताया कि अब यूजीसी के रेगुलेशन 2018 अनुसार शोध में प्रवेश सुनिश्चित किया गया है। इस प्रक्रिया के तहत शोधार्थी का शैक्षणिक अभिलेख, लिखित परीक्षा का अंक व इंटरव्यू का अंक जोड़कर प्रवेश सूची तैयार की जाएगी। इस आधार पर छात्रों को शोध में प्रोविजनल प्रवेश की अनुमति मिल जाएगी। लेकिन उन्हें छह माह का नियमित प्री पीएचडी कोर्स पूरा करना पड़ेगा। उसमें सफलता के बाद पीएचडी में प्रवेश होगा। यदि छात्र प्री पीएचडी टेस्ट में फेल हो जाएगा तो उसका थीसिस नहीं जमा होगी।

प्रो. सिंह ने पीएचडी में प्रवेश के लिए प्रवेश परीक्षा पूरी हो गई है। शोध में प्रवेश के लिए कुछ विषयों का इंटरव्यू भी हो चुका है। प्री पीएचडी के लिए छात्रों की 75 फीसदी उपस्थिति अनिवार्य है। प्रो. सिंह ने बताया कि शोध कार्यों की समीक्षा के लिए कुलपति की अध्यक्षता में रिसर्च एडवाइजरी कमेटी का गठन भी कर दिया गया है।

मुविवि

- कुलपति की अध्यक्षता में रिसर्च एडवाइजरी कमेटी का गठन
- रेगुलेशन 2018 के अनुसार शोध में प्रवेश सुनिश्चित किया गया

13 विषयों के सापेक्ष 47 सीटों पर होगा प्रवेश

प्रो. सिंह ने बताया कि 13 विषयों के सापेक्ष 47 सीटों पर प्रवेश होगा। कृषि व्यवसाय प्रबंधन में 1, सांख्यिकीय में 3, न्यूट्रिशन में 4, कम्प्यूटर सांइस में 4, स्वास्थ्य शिक्षा में 5, व्यवसाय प्रशासन और प्रबंधन में 8, वाणिज्य में 11, संस्कृत और प्राकृत भाषा में 14, पत्रकारिता एवं जनसंचार में 15, राजनीति शास्त्र में 26 सीटों पर प्रवेश होगा।

क्षेत्रीय केन्द्र नोएडा में एम.एल.आइ.एस की प्रयोगात्मक परीक्षा संपन्न

विश्वविद्यालय का दीक्षांत समारोह 15 अप्रैल को

अमृत विचार, बरेली

उ.प्र. राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय कार्यालय का भवन।

एमजेपी रुहेलखंड विश्वविद्यालय का दीक्षांत समारोह 15 अप्रैल को होगा। राजभवन से राज्यपाल आनंदीबेन पटेल के दीक्षांत समारोह में शामिल होने की तारीख दे दी गई है। राज्यपाल डोहरा सेक्टर तीन में बने उ.प्र. राजर्षि टंडन मुक्त विवि के क्षेत्रीय कार्यालय के नवनिर्मित भवन का लोकार्पण भी करेंगी।

बता दें कि विश्वविद्यालय ने दीक्षांत समारोह की तैयारी काफी पहले शुरू की थी। रुविवि ने ऑफलाइन और ऑनलाइन दोनों मोड में समारोह कराने के लिए फरवरी में तारीख मांगी थी लेकिन नहीं मिली। बाद में दीक्षांत समारोह में शामिल होने वाले टॉपर्स की सूची भी जारी की गई। अब राजभवन से तारीख तय कर दी गई है। राज्यपाल 15 अप्रैल को दीक्षांत समारोह में शामिल होंगी। इसे लेकर विश्वविद्यालय ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। जल्द ही इसे लेकर बैठक की जाएगी। छात्र-छात्राओं के ड्रेसकोड पहले ही निर्धारित कर दिए गए हैं। राज्यपाल का कार्यक्रम आने के बाद पुलिस भी एक्टिव हो गई है। खुफिया एजेंसियां भी तैयारियों में जुट गई हैं। क्षेत्रीय समन्वयक डा. आरबी सिंह ने बताया कि नए भवन तीन मंजिला बना है। इसमें कक्षाएं भी संचालित होंगी। परीक्षाओं का भी आयोजन किया जाएगा। राज्यपाल के कार्यक्रम मिलने के बाद तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। रुविवि के कुलपति प्रो. केपी सिंह ने बताया कि दीक्षांत समारोह 15 अप्रैल को होगा। राज्यपाल दीक्षांत समारोह में शामिल होंगी। राजभवन से तारीख दे दी गई है।

15 अप्रैल को होगा दीक्षांत समारोह 88 टॉपर को मिलेंगे गोल्ड मेडल

राजभवन से तय हुई समारोह की तिथि, तैयारियों में जुटा विश्वविद्यालय प्रशासन

अमर उजाला ब्यूरो

बरेली। एमजेपी रुहेलखंड विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह के लिए कुलपति की ओर से भेजे गए पत्र का कुलाधिपति से जवाब आ गया है। राजभवन ने 15 अप्रैल को समारोह के आयोजन की तिथि प्रस्तावित की है। कुलाधिपति राज्यपाल आनंदीबेन पटेल के दीक्षांत समारोह में शामिल होने की स्वीकृति भी विश्वविद्यालय प्रशासन को दे दी गई है। तिथि तय होते ही विश्वविद्यालय प्रशासन तैयारियों में जुट गया है। समारोह में 88 टॉपर्स को गोल्ड मेडल दिए जाएंगे।

विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह के अलावा राज्यपाल आनंदीबेन पटेल डोहरा के सेक्टर तीन में बने उप्र राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय कार्यालय के नवनिर्मित भवन का लोकार्पण भी करेंगी। दोनों ही कार्यक्रमों के लिए तिथि जारी होने के बाद तैयारियां तेज हो गई हैं। बता दें कि महीने भर पहले से ही विश्वविद्यालय ने दीक्षांत समारोह की तैयारी शुरू कर दी थी। कुलपति की ओर से भेजे गए पत्र में 10 से 20 मार्च के बीच दीक्षांत समारोह की तिथि निर्धारित करने का अनुरोध किया गया था। विश्वविद्यालय ने 88 टॉपर्स की सूची भी जारी कर दी थी। राज्यपाल ने अब 15 अप्रैल को विश्वविद्यालय का दीक्षांत समारोह आयोजित करने की अनुमति दी है। समारोह में कौन-कौन अतिथि होंगे, कहां कार्यक्रम किया जाएगा, कितने छात्र शामिल होंगे आदि की रूपरेखा तैयार करने को जल्द बैठक होगी।

एमजेपी रुहेलखंड विश्वविद्यालय

निर्धारित है ड्रेस कोड, खुफिया एजेंसी अलर्ट

दीक्षांत समारोह के लिए टॉपर्स का ड्रेसकोड पहले ही निर्धारित कर दिया गया है। उधर, राज्यपाल का कार्यक्रम आने के बाद पुलिस प्रशासन और खुफिया एजेंसियां भी सक्रिय हो गई हैं। दीक्षांत समारोह के बाद राज्यपाल राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय कार्यालय के नवनिर्मित भवन का लोकार्पण करेंगी। क्षेत्रीय समन्वयक डॉ. आरबी सिंह के मुताबिक, लोकार्पण के बाद इस तीन मंजिला नव निर्मित भवन में ही कक्षाएं चलेंगी और परीक्षाएं होंगी।

मुक्त चिंतन
उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय
(उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित)
A Quarterly Bulletin of UP Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj
हम पहुंचे वहां पहुंचा न कोई जहां
18 मार्च, 2021

मुक्त विश्वविद्यालय ने किया नैक मुल्यांकन के एस.एस.आर. की ऑनलाइन प्रक्रिया पूर्ण

एस.एस.आर. की ऑनलाइन प्रक्रिया को पूर्ण करते हुए विश्वविद्यालय के मा0 कुलपति, प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह

दिनांक 18 मार्च, 2021 को उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय ने नैक के प्रथम चरण एस.एस.आर. का सफलतापूर्वक आवेदन किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के मा0 कुलपति, प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने एस. एस.आर. की ऑनलाइन प्रक्रिया को पूर्ण किया।

प्रो. ओमजी गुप्ता, निदेशक, सी.आई.क्यू.ए. ने सभी मा0 अतिथियों का स्वागत किया एवं प्रो. आशुतोष गुप्ता, सहनिदेशक, सी.आई.क्यू.ए. ने धन्यवाद ज्ञापित किया इस अवसर पर प्रो. पी.पी. दुबे, प्रो. पी.के. पाण्डेय, प्रो. सन्तोषा कुमार, प्रो. जी.एस. शुक्ल, प्रो. सुधांशु त्रिपाठी प्रो. विनोद कुमार गुप्त, डॉ. श्रुति, डॉ. गौरव संकल्प, श्री अवनीश चन्द्र, श्री संजय प्रकाश, श्री राघवेन्द सिंह, श्री शहबाज अहमद उपस्थि रहे।

मा0 अतिथियों का स्वागत करते हुए सी.आई.क्यू.ए. के निदेशक, प्रो0 ओमजी गुप्ता

एस.एस.आर. की ऑनलाइन प्रक्रिया को पूर्ण करते हुए विश्वविद्यालय के मा0 कुलपति, प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह तथा साथ में विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण

कार्यक्रम में उपस्थित विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण

हमारी गतिविधियाँ ही संस्थाओं को जीवंत रखती है : प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह

मा0 कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह

एस.एस.आर. की ऑनलाइन प्रक्रिया के पूर्ण होने के अवसर पर बोलते हुए विश्वविद्यालय के मा0 कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने कहा नैक विश्वविद्यालय का मूल्यांकन होता है। हमारी गतिविधियाँ ही संस्थाओं को जीवंत रखती है सबको एक भाव भावना से कार्य करना चाहिए आपसी सामंजस्य एवं विश्वविद्यालय को सर्वपरी रखकर कार्य करना चाहिए सी.आई.क्यू.ए. ने अभूतपूर्व कार्य किया है इसके लिए उसको साधूवाद ।

धन्यवाद ज्ञापित करते हुए सी.आई.क्यू.ए. के सहनिदेशक, प्रो0 आशुतोष गुप्ता

दैनिक जागरण

www.jagran.com

रिलायंस-फ्यूचर ग्रुप सौदे पर रोक 15

टी-20 में रोहित ने पूरे किए 9000 रन 16

पहली बार मुक्त विवि की ग्रेडिंग तय करेगी नैक

गुरुदीप त्रिपाठी ● प्रयागराज

राजभवन में कुलपतियों के साथ बैठक में कुलाधिपति ने दिए थे निर्देश, विवि की तरफ से गुरुवार को पूरी कर ली आवेदन प्रक्रिया

राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (नैक) पहली बार उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की ग्रेडिंग तय करेगी। कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह की पहल पर आवेदन की प्रक्रिया भी लगभग पूरी कर ली गई है। अब 50 दिन के भीतर नियत समय में टीम विश्वविद्यालय पहुंचकर स्थलीय निरीक्षण करेगी। इसके बाद विवि की ग्रेड तय होगी।

कुलाधिपति आनंदी बेन पटेल ने पदभार ग्रहण करते ही राजभवन में सभी राज्य विश्वविद्यालय के कुलपतियों के साथ बैठक की थी। उन्होंने स्पष्ट तौर पर कहा गया था कि सभी विश्वविद्यालय नैक मूल्यांकन कराएं। मुक्त विश्वविद्यालय ने जुलाई में कवायद भी शुरू कर दी। पहले चरण में सभी दस्तावेज सेंटर फॉर इंटरनल क्वालिटी एस्योरेंश (सीआइक्यूए) के तहत इंस्टीट्यूशनल इनफॉरमेशन क्वालिटी एसेसमेंट (आइआइक्यूए) नैक को भेजे गए। वहां से कुछ सुझाव मिलने के बाद दूसरी बार में आइआइक्यूए स्वीकृत हो गया। इसके साथ विवि ने 45 दिनों के भीतर सेल्फ स्टडी रिपोर्ट भेजने की तैयारी शुरू की। गुरुवार को इस रिपोर्ट में विवि के सभी दस्तावेज और उसको सत्यापित करने वाले प्रमाण पत्र ऑनलाइन नैक की वेबसाइट पर अपलोड कर दिए गए। सेल्फ स्टडी रिपोर्ट सबमिट होने के बाद नैक एजेंसी के माध्यम से जांच करेगी। ऑनलाइन वेरीफिकेशन में 70 फीसद दस्तावेज में सत्यता पाए जाने पर नैक टीम रिपोर्ट को सही मानते हुए विवि प्रशासन को ईमेल के माध्यम से टीम विजिट के लिए प्रपत्र भेजेगी।

मई में टीम कर सकती है विजिट

नैक मूल्यांकन में एसएसआर को हरी झंडी मिलने के बाद 50 दिनों में टीम को विजिट करना है। नैक की ओर से तीन तिथि दी जाएंगी। इनमें एक तिथि विवि प्रशासन को अपने स्तर पर तय करके नैक टीम को भेजनी पड़ेगी। उम्मीद है कि विवि प्रशासन मार्च मई के शुरुआत में ही नैक टीम को आमंत्रित करेगा।

> सीआइक्यूए और सेल्फ स्टडी रिपोर्ट सबमिट हो गया है। यह बड़ी उपलब्धि है। अब टीम विजिट करेगी। उम्मीद है कि विवि को अच्छी ग्रेडिंग मिलेगी।
>
> – **प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह**, कुलपति।

प्रयागराज, शुक्रवार
19 मार्च, 2021
नगर संस्करण***
मूल्य ₹ 6.00
पृष्ठ 18

दैनिक जागरण

www.jagran.com

रिलायंस-फ्यूचर ग्रुप सौदे पर रोक 13

टी-20 में रोहित ने पूरे किए 9000 रन 14

मुक्त विवि की ग्रेडिंग तय करेगी नैक

राजभवन में कुलपतियों के साथ बैठक में कुलाधिपति ने दिए थे निर्देश

गुरुदीप त्रिपाठी • प्रयागराज

> विश्वविद्यालय की तरफ से सीआइक्यूए और सेल्फ स्टडी रिपोर्ट सबमिट हो गया है। यह बड़ी उपलब्धि है। अब टीम विजिट करेगी। उम्मीद है कि विवि को अच्छी ग्रेडिंग मिलेगी। - **प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह, कुलपति।**

राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (नैक) पहली बार उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की ग्रेडिंग तय करेगी। कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह की पहल पर आवेदन की प्रक्रिया भी लगभग पूरी कर ली गई है। अब 50 दिन के भीतर नियत समय में टीम विश्वविद्यालय पहुंचकर स्थलीय निरीक्षण करेगी। इसके बाद विवि की ग्रेड तय होगी।

कुलाधिपति आनंदी बेन पटेल ने पदभार ग्रहण करते ही राजभवन में सभी राज्य विश्वविद्यालय के कुलपतियों के साथ बैठक की थी। उन्होंने स्पष्ट तौर पर कहा गया था कि सभी विश्वविद्यालय नैक मूल्यांकन कराएं। मुक्त विश्वविद्यालय ने जुलाई में कवायद भी शुरू कर दी। पहले चरण में सभी दस्तावेज सेंटर फॉर इंटरनल क्वालिटी एस्योरेंश (सीआइक्यूए) के तहत इंस्टीट्यूशनल इनफॉरमेशन क्वालिटी एसेसमेंट (आइआइक्यूए) नैक को भेजे गए। वहां से कुछ सुझाव मिलने के बाद दूसरी बार में आइआइक्यूए स्वीकृत हो गया। इसके साथ विवि ने 45 दिनों के भीतर सेल्फ स्टडी रिपोर्ट भेजने की तैयारी शुरू की। गुरुवार को इस रिपोर्ट में विवि के सभी दस्तावेज और उसको सत्यापित करने वाले प्रमाण पत्र ऑनलाइन नैक की वेबसाइट पर अपलोड कर दिए गए। सेल्फ स्टडी रिपोर्ट सबमिट होने के बाद नैक एजेंसी के माध्यम से जांच करेगी। ऑनलाइन वेरीफिकेशन में 70 फीसद दस्तावेज में सत्यता पाए जाने पर नैक टीम रिपोर्ट को सही मानते हुए विवि प्रशासन को ईमेल के माध्यम से टीम विजिट के लिए प्रपत्र भेजेगी। उम्मीद जताई जा रही है कि अब 50 दिन की समय सीमा के अंदर नैक टीम स्थलीय जांच करने पहुंचेगी। नैक टीम के विजिट के बाद विवि को नैक की ग्रेडिंग मिल जाएगी। कुलपति ने इस प्रक्रिया को पूरा करने के लिए सीआइक्यूए के निदेशक प्रो. ओमजी गुप्ता और प्रो. आशुतोष गुप्ता को शुभकामनाएं दीं।

मई में टीम कर सकती है विजिट : नैक मूल्यांकन में एसएसआर को हरी झंडी मिलने के बाद 50 दिनों में टीम को विजिट करना है। इसके लिए नैक की ओर से तीन तिथि दी जाएंगी। इनमें एक तिथि विवि प्रशासन को अपने स्तर पर तय करके नैक टीम को भेजनी पड़ेगी। उम्मीद है कि विवि प्रशासन मार्च मई के शुरुआत में ही नैक टीम को आमंत्रित करेगा।

मुक्त चिंतन

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय

(उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित)

A Quarterly Bulletin of UP Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj

हम पहुंचे वहां पहुंचा न कोई जहां

20 मार्च, 2021

आजादी की 75 वीं वर्षगांठ के अवसर पर आजादी का अमृत महोत्सव

12 मार्च 2021 से 15 अगस्त 2023

आयोजक : उ0 प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

राष्ट्रवाद के लिए करें मस्तिष्क का उपयोग: न्यायमूर्ति रणविजय सिंह

मुक्त विश्वविद्यालय में राष्ट्र्धर्म एवं राष्ट्रवाद पर व्याख्यान का आयोजन

उत्तर प्रदेश शासन द्वारा जारी शासनादेश्क्ष के सापेक्ष अरजरदी की 75वीं वर्षगाठ के अवसर पर '' **आजादी का अमृत महोत्सव**'' के क्रम में उ0 प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज द्वारा '' **राष्ट्रधर्म एवं राष्ट्रवाद**'' विषय पर व्याख्यान का आयोजन दिनांक 20 मार्च, 2021 को विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर स्थित लोमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में आयोजित किया गया। **कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मा0 न्यायमूर्ति श्री रणविजय सिंह जी तथा सारस्वत अतिथि आई.जी. प्रयागराज, श्री कविन्द्र प्रताप सिंह जी रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी** ने की।

इससे पूर्व प्रारम्भ में अतिथियों का स्वागत कार्यक्रम संयोजक प्रो0 सत्य पाल तिवारी ने किया। कार्यक्रम के बारे में डॉ0 आनंदानंद त्रिपाठी ने जानकारी दी। संचालन डॉ0. सुरेन्द्र कुमार एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ0 सतीश चन्द्र जैसल ने किया। इसके उपरान्त समरसता सह भोज का आयोजन किया गया।

दीप प्रज्ज्वलित कर व्याख्यान का शुभारम्भ करते हुए माननीय अतिथिगण।

कार्यक्रम के प्रारम्भ में मुख्य अतिथि मा0 न्यायमूर्ति श्री रणविजय सिंह जी तथा सारस्वत अतिथि श्री कविन्द्र प्रताप सिंह जी एवं विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी ने दीप प्रज्ज्वलित का कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। इस अवसर पर अतिथियों ने मॉ0 सरस्वती जी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पण किए। डॉ0 आनंदानंद त्रिपाठी, डॉ0 स्मिता अग्रवाल एवं डॉ0 साधना श्रीवास्तव ने मा0 अतिथियों का पुष्पगुच्छ से स्वागत किया।

कार्यक्रम का संचालन करते हुए सह–सयोजक डॉ0 सुरेन्द्र कुमार एवं मंचासीन माननीय अतिथिगण।

सभागार में उपस्थित श्रोतागण।

मा0 अतिथियों का स्वागत

मुख्य अतिथि मा0 न्यायमूर्ति श्री रणविजय सिंह जी को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत करते हुए डॉ0 आनंदानंद त्रिपाठी।

सारस्वत अतिथि श्री कविन्द्र प्रताप सिंह जी को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत करती हुई डॉ0 स्मिता अग्रवाल।

मा0 कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत करती हुई डॉ0 साधना श्रीवास्तव।

कार्यक्रम संयोजक प्रो0 सत्य पाल तिवारी जी को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत करते हुए डॉ0 टी विक्रम तिवारी।

सभागार में उपस्थित श्रोतागण।

अतिथि परिचय एवं स्वागत

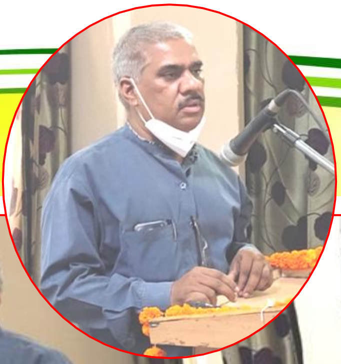

मा0 अतिथियों का परिचय एवं स्वागत करते हुए कार्यक्रम संयोजक प्रो0 सत्य पाल तिवारी।

कार्यक्रम के बारे में जानकारी देते हुए डॉ0 आनंदानंद त्रिपाठी

सारस्वत अतिथि का उद्‌बोधन

अपने विचार व्यक्त करते हुए सारस्वत अतिथि श्री कविन्द्र प्रताप सिंह जी

एक सोच से प्रेरित होकर कार्य करने लगे तो वही राष्ट्रवाद है : कविंद्र प्रताप सिंह

विशिष्ट अतिथि प्रयागराज जोन के पुलिस महानिरीक्षक श्री कविंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि किसी देश की पहचान उसके धर्म से ही होती है और बहुसंख्यक लोगों के आधार पर देश का धर्म बनता है। उन्होंने कहा कि हमें इस बात की खुशी है कि आजादी के 75 वें वर्ष पर आयोजित होने वाले अमृत महोत्सव में हम सभी शरीक हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि जब राष्ट्र में रहने वाले लोगों की मान्यताएं, धर्म, संस्थाएं इत्यादि एक सोच से प्रेरित होकर कार्य करने लगे तो वही राष्ट्रवाद है। उन्होंने कहा कि जब लोग गंभीरता से देश के कानून, परंपराएं एवं मान्यताओं को मानने लगते हैं तो इसे ही प्रखर राष्ट्रवाद कहा जाता है। लोग अपने अपने क्षेत्रों के मूल्यों का ईमानदारी से पालन करें तो इससे बढ़कर दूसरा राष्ट्रवाद नहीं हो सकता। हमारी पहचान इसलिए है कि हम सनातन हैं

अतिथि सम्मान

सारस्वत अतिथि श्री किवन्द्र प्रताप सिंह जी को अंगवस्त्र, श्रीफल तथा सर्व समावेशी संस्कृति कुम्भ की पुस्तक भेंट कर उनका सम्मान करते हुए विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी साथ में कार्यक्रम संयोजक प्रो0 सत्य पाल तिवारी

सभागार में उपस्थित विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण एवं स्रोतागण।

आजादी की 75 वीं वर्षगांठ के अवसर पर

आजादी का अमृत महोत्सव

12 मार्च 2021 से 15 अगस्त 2023

आयोजक : उ0 प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

मुख्य अतिथि मा0 न्यायमर्ति श्री रणविजय सिंह जी को अंगवस्त्र, श्रीफल तथा सर्व समावेशी संस्कृति कुम्भ की पुस्तक भेंट कर उनका सम्मान करते हुए विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी साथ में कार्यक्रम संयोजक प्रो0 सत्य पाल तिवारी

माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी को अंगवस्त्र, श्रीफल भेंट कर उनका सम्मान करते हुए कार्यक्रम संयोजक प्रो0 सत्य पाल तिवारी एवं डॉ0 आनंदानंद त्रिपाठी

सभागार में उपस्थित विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण एवं स्रोतागण।

मुख्य अतिथि का उद्‌बोधन

मा0 न्यायमूर्ति श्री रणविजय सिंह जी

राष्ट्रवाद के लिए करें मस्तिष्क का उपयोग: न्यायमूर्ति रणविजय सिंह

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में शनिवार को आयोजित आजादी के 75 वें अमृत महोत्सव के अवसर पर राष्ट्रधर्म एवं राष्ट्रवाद विषय पर व्याख्यान देते हुए मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति श्री रणविजय सिंह ने कहा कि हम विश्व गुरु तभी हो सकते हैं जब हमारे अंदर समता, समरसता और सरलता का भाव हो। सर्वे भवंतु सुखिन: को मानने एवं पालन करने वाले हम सभी अखिल ब्रह्मांड में व्याप्त हैं लेकिन वर्तमान दौर में अत्यधिक सतर्कता और सजगता की आवश्यकता है। राष्ट्रवाद का उदाहरण देते हुए न्यायमूर्ति सिंह ने बताया कि सुभाष चंद्र बोस के एक आह्वान पर जनमानस अपना सर्वस्व न्योछावर करने के लिए तत्पर रहता था, यही राष्ट्रवाद है। उन्होंने कहा कि हमारा चिंतन समष्टिपरक है, इस कारण हम कभी भी विभेद कर ही नहीं सकते। हमारी संस्कृति में तो जीव के साथ-साथ प्राणी मात्र के कल्याण का भी विषय छुपा हुआ रहता है। जब हम विश्वकल्याण की बात करेंगे तो हमारा कल्याण स्वयं हो जाएगा। उन्होंने विश्वविद्यालय के शिक्षकों से अपील की कि वे अपने मस्तिष्क का उपयोग राष्ट्रवाद के लिए करें।

अध्यक्षीय उद्बोधन

कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह

सुख-दु:ख के सम्भाव से ही देश का धर्म बनता है और यही राष्ट्रवाद है- प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह

अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने कहा कि भूख, भय और भ्रष्टाचार जब तक हमारे देश से मिटेगा नहीं तब तक हम सही मायने में स्वतंत्रता की कल्पना नहीं कर सकते। उन्होंने भारतीय और पश्चिमी विचारधारा में अंतर करते हुए बताया कि पश्चिम की विचारधारा नस्ल से प्रभावित है जबकि हमारी विचारधारा संस्कृति के प्रवाह से प्रभावित है। उन्होंने कहा कि सुख-दु:ख के सम्भाव से ही देश का धर्म बनता है और यही राष्ट्रवाद है।

धन्यवाद ज्ञापन करते हुए असिस्टेन्ट प्रोफेसर, पत्रकारिता एवं जनसंचार, डॉ0 सतीश चन्द्र जैसल।

राष्ट्रगान

करते हुए

मा0 अतिथि

एवं

विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण

समरसता सह भोज का आयोजन

विश्वविद्यालय में स्थापित हनुमान मंदिर में भोग लगाते हुए विश्वविद्यालय के मा0 कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी एवं विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण।

विश्वविद्यालय के मा0 कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी की पहल पर विश्वविद्यालय में समरसता भोज का आयोजन किया गया, जिसमें विश्वविद्यालय के परिवार के सभी सदस्य पंक्तिबद्ध आसन ग्रहण कर सम्मिलित हुए। समरसता भोज का आयोजन भोजन मंत्र के साथ प्रारम्भ हुआ।

समरसता भोज के अवसर पर पंक्तिबद्ध आसन ग्रहण कर सम्मिलित हुए विश्वविद्यालय के परिवार के सदस्यगण।

समरसता भोज के अवसर पर पंक्तिबद्ध आसन ग्रहण कर सम्मिलित हुए विश्वविद्यालय के परिवार के सदस्यगण।

समरसता भोज के अवसर पर पंक्तिबद्ध आसन ग्रहण कर सम्मिलित हुए विश्वविद्यालय के परिवार के सदस्यगण।

समरसता भोज के अवसर पर पंक्तिबद्ध आसन ग्रहण कर सम्मिलित हुए विश्वविद्यालय के परिवार के सदस्यगण।

Prayagraj, Sunday, 21 March 2021
PRAYAGRAJ EDITION
Within Prayagraj City- Price ₹ 2.50/- Outside Prayagraj City- Price ₹ 3.00/- Pages 12

दैनिक जागरण

Only at ₹2.50 daily

www.inextlive.com | Published from PRAYAGRAJ • Agra • Bareilly • Dehradun • Gorakhpur • Jamshedpur • Kanpur • Lucknow • Meerut • Patna • Ranchi • Varanasi

इलाहाबाद युनिवर्सिटी को जारी किया आरसी } 03
inext
सुशांत की मौत के बाद पहली बार कृति ने तोड़ी चुप्पी } 10
Trending Hashtags #AnilDeshmukh #Hitman
Max : 35.0° C Min : 21.0° C
आई नेक्स्ट बुक करने के लिए लॉग इन करें : www.bookmyinext.com

'विश्व गुरु बनने के लिए समरसता जरूरी'

यूपीआरटीओयू में अमृत महोत्सव के मौके पर आयोजित हुआ व्याख्यान

prayagraj@inext.co.in

PRAYAGRAJ (20 March): उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में शनिवार को आयोजित आजादी के 75 वें अमृत महोत्सव के अवसर पर राष्ट्रधर्म एवं राष्ट्रवाद विषय पर व्याख्यान देते हुए मुख्य अतिथि जस्टिस रणविजय सिंह ने कहा कि हम विश्व गुरु तभी हो सकते हैं जब हमारे अंदर समता, समरसता और सरलता का भाव हो. सर्वे भवंतु सुखिन: को मानने एवं पालन करने वाले हम सभी अखिल ब्रह्मांड में व्याप्त हैं.

यूपीआरटीओयू में आयोजित अमृत महोत्सव में अतिथियों को किया गया सम्मानित.

वर्तमान दौर में अत्यधिक सतर्कता और सजगता की आवश्यकता है. राष्ट्रवाद का उदाहरण देते हुए न्यायमूर्ति सिंह ने बताया कि सुभाष चंद्र बोस के एक आह्वान पर जनमानस अपना सर्वस्व न्योछावर करने के लिए तत्पर रहता था, यही राष्ट्रवाद है.

स्पेशल गेस्ट आईजी रेंज केपी सिंह ने कहा कि किसी देश की पहचान उसके धर्म से ही होती है और बहुसंख्यक लोगों के आधार पर देश का धर्म बनता है. उन्होंने कहा कि हमें इस बात की खुशी है कि आजादी के 75 वें वर्ष पर आयोजित होने वाले अमृत महोत्सव में हम सभी शरीक हो रहे हैं. उन्होंने कहा कि जब राष्ट्र में रहने वाले लोगों की मान्यताएं, धर्म, संस्थाएं इत्यादि एक सोच से प्रेरित होकर कार्य करने लगे तो वही राष्ट्रवाद है. अतिथियों का स्वागत डॉ सत्यपाल तिवारी ने किया. संचालन डॉ सुरेंद्र कुमार एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ सतीश चंद जैसल ने किया.

Classifieds
Requirement

दैनिक जागरण
युवा जागरण 15

'राष्ट्रवाद के लिए करें मस्तिष्क का प्रयोग'

जासं, प्रयागराज : उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में आजादी के 75वें अमृत महोत्सव पर 'राष्ट्रधर्म एवं राष्ट्रवाद' विषयक व्याख्यान हुआ। मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति रणविजय सिंह ने कहा, हम विश्वगुरु तभी होंगे, जब हमारे अंदर समता, समरसता और सरलता का भाव हो। शिक्षक मस्तिष्क का उपयोग राष्ट्रवाद के लिए करें। विशिष्ट अतिथि प्रयागराज जोन के पुलिस महानिरीक्षक कविंद्र प्रताप सिंह ने कहा, देश की पहचान धर्म से होती है। अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने कहा कि भूख, भय और भ्रष्टाचार जब तक मिटेगा नहीं तब तक सही मायने में स्वतंत्रता नहीं कह सकते। सामूहिक समरसता सह भोज भी हुआ। कार्यक्रम में डा. आनंदानंद त्रिपाठी, डा. सुरेंद्र कुमार, डा. सतीश चंद आदि उपस्थित रहे।

दैनिक भास्कर

राष्ट्रवाद के लिए करें मस्तिष्क का उपयोग: न्यायमूर्ति रणविजय सिंह

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में शनिवार को आयोजित आजादी के 75 वें अमृत महोत्सव के अवसर पर राष्ट्रधर्म एवं राष्ट्रवाद विषय पर व्याख्यान देते हुए मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति श्री रणविजय सिंह ने कहा कि हम विश्व गुरु तभी हो सकते हैं जब हमारे अंदर समता, समरसता और सरलता का भाव हो। सर्वे भवंतु सुखिनः को मानने एवं पालन करने वाले हम सभी अखिल ब्रह्मांड में व्याप्त हैं लेकिन वर्तमान दौर में अत्यधिक सतर्कता और सजगता की आवश्यकता है। राष्ट्रवाद का उदाहरण देते हुए न्यायमूर्ति सिंह ने बताया कि सुभाष चंद्र बोस के एक आह्वान पर जनमानस अपना सर्वस्व न्योछावर करने के लिए तत्पर रहता था, यही राष्ट्रवाद है। उन्होंने कहा कि हमारा चिंतन समष्टिपरक है, इस कारण हम कभी भी विभेद कर ही नहीं सकते। हमारी संस्कृति में तो जीव के साथ-साथ प्राणी मात्र के कल्याण का भी विषय छुपा हुआ रहता है।

वूमेन एक्सप्रेस
www.womenexpress.in Email: thewomenexpress@gmail.com
• वर्ष 9 • अंक 32 • हिन्दी दैनिक • नई दिल्ली सोमवार 22 मार्च 2021 • पृष्ठ 8 • मूल्य 1 रुपया • डाक पंजीयन DL (E)-20/5448/2017-19

राष्ट्रवाद के लिए करें मस्तिष्क का उपयोग: न्यायमूर्ति रणविजय सिंह

(विशेष संवाददाता)

प्रयागराज । उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में शनिवार को आयोजित आजादी के 75 वें अमृत महोत्सव के अवसर पर राष्ट्रधर्म एवं राष्ट्रवाद विषय पर व्याख्यान देते हुए मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति श्री रणविजय सिंह ने कहा कि हम विश्व गुरु तभी हो सकते हैं जब हमारे अंदर समता, समरसता और सरलता का भाव हो। सर्वे भवंतु सुखिनः को मानने एवं पालन करने वाले हम सभी अखिल ब्रह्मांड में व्याप्त हैं लेकिन वर्तमान दौर में अत्यधिक सतर्कता और सजगता की आवश्यकता है। राष्ट्रवाद का उदाहरण देते हुए न्यायमूर्ति सिंह ने बताया कि सुभाष चंद्र बोस के एक आह्वान पर जनमानस अपना सर्वस्व न्योछावर करने के लिए तत्पर रहता था, यही राष्ट्रवाद है। उन्होंने कहा कि हमारा चिंतन समष्टिपरक है, इस कारण हम कभी भी विभेद कर ही नहीं सकते। हमारी संस्कृति में तो जीव के साथ साथ प्राणी मात्र के कल्याण का भी विषय छुपा हुआ रहता है। जब हम विश्वकल्याण की बात करेंगे तो हमारा कल्याण स्वयं हो जाएगा। उन्होंने विश्वविद्यालय के शिक्षकों से अपील की कि वे अपने मस्तिष्क का उपयोग

राष्ट्रवाद के लिए करें।

विशिष्ट अतिथि प्रयागराज जोन के पुलिस महानिरीक्षक श्री कविंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि किसी देश की पहचान उसके धर्म से ही होती है और बहुसंख्यक लोगों के आधार पर देश का धर्म बनता है। उन्होंने कहा कि हमें इस बात की खुशी है कि आजादी के 75 वें वर्ष पर आयोजित होने वाले अमृत महोत्सव में हम सभी शरीक हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि जब राष्ट्र में रहने वाले लोगों की मान्यताएं, धर्म, संस्थाएं इत्यादि एक सोच से प्रेरित होकर कार्य करने लगे तो वही राष्ट्रवाद है। उन्होंने कहा कि जब लोग गंभीरता से देश के कानून, परंपराएं एवं मान्यताओं को मानने लगते हैं तो इसे ही प्रखर राष्ट्रवाद कहा जाता है। लोग अपने अपने क्षेत्रों के मूल्यों का ईमानदारी से पालन करें तो इससे बढ़कर दूसरा राष्ट्रवाद नहीं हो सकता। हमारी पहचान इसलिए है कि हम सनातन हैं। अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने कहा कि भूख, भय और भ्रष्टाचार जब तक हमारे देश से मिटेगा नहीं तब तक हम सही मायने में स्वतंत्रता की कल्पना नहीं कर सकते।

रविवासरीय
हिन्दुस्तान
तरक्की को चाहिए नया नजरिया

चुनौतीपूर्ण किरदार
अभिनेता अक्षय कुमार फिल्म लक्ष्मी को अपने करियर की सबसे चुनौतीपूर्ण फिल्मों में से एक मानते हैं। इसमें अक्षय ने ट्रांसजेंडर का किरदार निभाया था।

दूषित पानी से तीन अरब लोगों की सेहत पर खतरा पेज 20 | फिनलैंड चौथी बार सबसे खुशहाल देश बना पेज 20

रविवार, 21 मार्च 2021, प्रयागराज, पांच प्रदेश, 21 संस्करण, नगर संस्करण | www.livehindustan.com | वर्ष 12, अंक 12, 24+4 पेज फुरसत, मूल्य ₹6.00, फाल्गुन शुक्ल पक्ष, अष्टमी, विक्रम संवत् 2077

आज का दिन 1935 में फारस देश ने अपने देश का नाम बदलकर ईरान किया।

समरसता, सरलता और समता से बनेंगे विश्व गुरु

व्याख्यान

प्रयागराज | निज संवाददाता

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में शनिवार को आयोजित आजादी के 75वें अमृत महोत्सव के अवसर पर राष्ट्रधर्म एवं राष्ट्रवाद विषय पर व्याख्यान हुआ। मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति रणविजय सिंह ने कहा कि हम विश्व गुरु तभी हो सकते हैं जब हमारे अंदर समता, समरसता और सरलता का भाव हो। सर्वे भवंतु सुखिनः को मानने एवं पालन करने वाले हम सभी अखिल ब्रह्मांड में व्याप्त हैं लेकिन वर्तमान दौर में अत्यधिक सतर्कता और सजगता की आवश्यकता है। विशिष्ट अतिथि प्रयागराज जोन के पुलिस महानिरीक्षक कविंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि किसी देश की पहचान उसके धर्म से ही होती है और बहुसंख्यक लोगों के आधार पर देश का धर्म बनता है। अध्यक्षता कर रहे कुलपति प्रो. केएन सिंह ने कहा कि भूख, भय और भ्रष्टाचार जब तक हमारे देश से मिटेगा नहीं, तब तक हम सही मायने में स्वतंत्रता की कल्पना नहीं कर सकते। कार्यक्रम के बारे में डॉ. आनंदानंद त्रिपाठी ने जानकारी दी। संचालन डॉ. सुरेंद्र कुमार एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ. सतीश चंद जैसल ने किया।

SUNDAY | 21.03.2021 उत्तर प्रदेश

अमर उजाला

महानगर वर्ष 24 | अंक 275 | पृष्ठ : 22 | मूल्य : छह रुपये प्रयागराज • 6 राज्य • 2 केंद्रशासित प्रदेश • 21 संस्करण

दीदी विकास की हर योजना के सामने बनीं दीवार

पेज 10

पीएम मोदी ने कहा- बंगाल में अभी भाइपो (भतीजा) एकल खिड़की व्यवस्था

न्यूज डायरी

समता, समरसता, सरलता से बनेंगे विश्वगुरु

प्रयागराज। हम विश्व गुरु तभी हो सकते हैं जब हमारे अंदर समता, समरसता और सरलता का भाव हो। यह बात न्यायमूर्ति रणविजय सिंह ने उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में शनिवार को आयोजित आजादी के 75 वें अमृत महोत्सव के अवसर पर 'राष्ट्रधर्म एवं राष्ट्रवाद' विषय पर आयोजित व्याख्यान में कही। उन्होंने राष्ट्रवाद का उदाहरण देते हुए कहा कि सुभाष चंद्र बोस के एक आह्वान पर जनमानस अपना सर्वस्व न्योछावर करने के लिए तत्पर रहता था, यही राष्ट्रवाद है। उन्होंने कहा कि हमारा चिंतन समष्टिपरक है, इस कारण हम कभी भी विभेद कर ही नहीं सकते। विशिष्ट अतिथि आईजी केपी सिंह ने कहा कि किसी देश की पहचान उसके धर्म से होती है औ बहुसंख्यक लोगों के आधार पर देश का धर्म बनता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने की। अतिथियों का स्वागत डॉ. सत्यपाल तिवारी, संचालन डॉ. सुरेंद्र कुमार एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ. सतीश चंद्र जैसल ने किया। ब्यूरो

राष्ट्रवाद के लिए करें मस्तिष्क का उपयोगःन्यायमूर्ति रणविजय सिंह

मुक्त विश्वविद्यालय में राष्ट्रधर्म एवं राष्ट्रवाद पर व्याख्यान का आयोजन

हर बात संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में शनिवार को आयोजित आजादी के 75 वें अमृत महोत्सव के अवसर पर राष्ट्रधर्म एवं राष्ट्रवाद विषय पर व्याख्यान देते हुए मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति रणविजय सिंह ने कहा कि हम विश्व गुरु तभी हो सकते हैं जब हमारे अंदर समता, समरसता और सरलता का भाव हो। सर्वे भवंतु सुखिनः को मानने एवं पालन करने वाले हम सभी अखिल ब्रह्मांड में व्याप्त हैं लेकिन वर्तमान दौर में अत्यधिक सतर्कता और सजगता की आवश्यकता है। राष्ट्रवाद का उदाहरण देते हुए न्यायमूर्ति सिंह ने बताया कि सुभाष चंद्र बोस के एक आह्वान पर जनमानस अपना सर्वस्व न्योछावर करने के लिए तत्पर रहता था, यही राष्ट्रवाद है। उन्होंने कहा कि हमारा चिंतन समष्टिपरक है, इस कारण हम कभी भी विभेद कर ही नहीं सकते। हमारी संस्कृति में तो जीव के साथ-

साथ प्राणी मात्र के कल्याण का भी विषय छुपा हुआ रहता है। जब हम विश्वकल्याण की बात करेंगे तो हमारा कल्याण स्वयं हो जाएगा। उन्होंने विश्वविद्यालय के शिक्षकों से अपील की कि वे अपने मस्तिष्क का उपयोग राष्ट्रवाद के लिए करें।

विशिष्ट अतिथि प्रयागराज जोन के पुलिस महानिरीक्षक कविंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि किसी देश की पहचान उसके धर्म से ही होती है और बहुसंख्यक लोगों के आधार पर देश का धर्म बनता है। उन्होंने कहा कि हमें इस बात की खुशी है कि आजादी के 75 वें वर्ष पर आयोजित होने वाले अमृत महोत्सव में हम सभी शरीक हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि जब राष्ट्र में रहने वाले लोगों की मान्यताएं, धर्म, संस्थाएं इत्यादि एक सोच से प्रेरित होकर कार्य करने लगे तो वही राष्ट्रवाद है। उन्होंने कहा कि जब लोग गंभीरता से देश के कानून, परंपराएं एवं मान्यताओं को मानने लगते है तो इसे ही प्रखर राष्ट्रवाद कहा जाता है। लोग अपने अपने क्षेत्रों के मूल्यों का ईमानदारी से पालन करें तो इससे बढ़कर दूसरा राष्ट्रवाद नहीं हो सकता। हमारी पहचान इसलिए है कि हम सनातन हैं।

अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने कहा कि भूख, भय और भ्रष्टाचार जब तक हमारे देश से मिटेगा नही तब तक हम सही मायने में स्वतंत्रता की कल्पना नही कर सकते। उन्होंने भारतीय और पश्चिमी विचारधारा मे अंतर करते हुए बताया कि पश्चिम की विचारधारा नस्ल से प्रभावित है जबकि हमारी विचारधारा संस्कृति के प्रवाह से प्रभावित है। उन्होंने कहा कि सुख-दुःख के सम्भाव से ही देश का धर्म बनता है और यही राष्ट्रवाद है। इससे पूर्व प्रारंभ में अतिथियों का स्वागत कार्यक्रम संयोजक डॉ सत्यपाल तिवारी ने किया। कार्यक्रम के बारे में डॉ आनंदानंद त्रिपाठी ने जानकारी दी। संचालन डॉ सुरेंद्र कुमार एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ सतीश चंद जैसल ने किया । इसके उपरांत सामूहिक समरसता सह भोज का आयोजन किया गया।

समय से पहले 'समय' पर नजर

नगर संस्करण

न्यायाधीश

डाक रजिस्ट्रेशन नं.- ए.डी.34/2021-23

प्रयागराज,रविवार,21 मार्च, 2021

राष्ट्रवाद के लिए करें मस्तिष्क का उपयोग: न्यायमूर्ति रणविजय सिंह

मुक्त विश्वविद्यालय में राष्ट्रधर्म एवं राष्ट्रवाद पर व्याख्यान का आयोजन

प्रयागराज।उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में शनिवार को आयोजित आजादी के 75 वें अमृत महोत्सव के अवसर पर राष्ट्रधर्म एवं राष्ट्रवाद विषय पर व्याख्यान देते हुए मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति रणविजय सिंह ने कहा कि हम विश्व गुरु तभी हो सकते हैं जब हमारे अंदर समता, समरसता और सरलता का भाव हो। सर्वे भवंतु सुखिनः को मानने एवं पालन करने वाले हम सभी अखिल ब्रह्मांड में व्याप्त हैं लेकिन वर्तमान दौर में अत्यधिक सतर्कता और सजगता की आवश्यकता है। राष्ट्रवाद का उदाहरण देते हुए न्यायमूर्ति सिंह ने बताया कि सुभाष चंद्र बोस के एक आह्वान पर जनमानस अपना सर्वस्व न्योछावर करने के लिए तत्पर रहता था, यही राष्ट्रवाद है। उन्होंने कहा कि हमारा चिंतन समष्टिपरक है, इस कारण हम कभी भी विभेद कर ही नहीं सकते। हमारी संस्कृति में तो जीव के साथ-साथ प्राणी मात्र के कल्याण का भी विषय छुपा हुआ रहता है। जब हम विश्वकल्याण की बात करेंगे तो हमारा कल्याण स्वयं हो जाएगा।

उन्होंने विश्वविद्यालय के शिक्षकों से अपील की कि वे अपने मस्तिष्क का उपयोग राष्ट्रवाद के लिए करें।

विशिष्ट अतिथि प्रयागराज जोन के पुलिस महानिरीक्षक श्री कविंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि किसी देश की पहचान उसके धर्म से ही होती है और बहुसंख्यक लोगों के आधार पर देश का धर्म बनता है। उन्होंने कहा कि हमें इस बात की खुशी है कि आजादी के 75 वें वर्ष पर आयोजित होने वाले अमृत महोत्सव में हम सभी शरीक हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि जब राष्ट्र में रहने वाले लोगों की मान्यताएं, धर्म, संस्थाएं इत्यादि एक सोच से प्रेरित होकर कार्य करने लगे तो वही राष्ट्रवाद है।

उन्होंने कहा कि जब लोग गंभीरता से देश के कानून, परंपराएं एवं मान्यताओं को मानने लगते हैं तो इसे ही प्रखर राष्ट्रवाद कहा जाता है। लोग अपने अपने क्षेत्रों के मूल्यों का ईमानदारी से पालन करें तो इससे बढ़कर दूसरा राष्ट्रवाद नहीं हो सकता। हमारी पहचान इसलिए है कि हम सनातन हैं।

अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने कहा कि भूख, भय और भ्रष्टाचार जब तक हमारे देश से मिटेगा नहीं तब तक हम सही मायने में स्वतंत्रता की कल्पना नहीं कर सकते। उन्होंने भारतीय और पश्चिमी विचारधारा में अंतर करते हुए बताया कि पश्चिम की विचारधारा नस्ल से प्रभावित है जबकि हमारी विचारधारा संस्कृति के प्रवाह से प्रभावित है। उन्होंने कहा कि सुख-दुःख के सम्भाव से ही देश का धर्म बनता है और यही राष्ट्रवाद है।इससे पूर्व प्रारंभ में अतिथियों का स्वागत कार्यक्रम संयोजक डॉ सत्यपाल तिवारी ने किया। कार्यक्रम के बारे में डॉ आनंदानंद त्रिपाठी ने जानकारी दी। संचालन डॉ सुरेंद्र कुमार एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ सतीश चंद जैसल ने किया । इसके उपरांत सामूहिक समरसता सह भोज का आयोजन किया

हिन्दी दैनिक

इलाहाबाद एक्सप्रेस

वर्ष : 11 अंक : 346, प्रयागराज, रविवार 21 मार्च 2021, पृष्ठ 8, मूल्य 1 रुपया

सच का आधार ...

राष्ट्रवाद के लिए करें मस्तिष्क का उपयोग : न्यायमूर्ति

सभी एक सोच से प्रेरित होकर कार्य करने लगे, यही राष्ट्रवाद : केपी सिंह

मुक्त विवि में राष्ट्रधर्म एवं राष्ट्रवाद पर व्याख्यान का आयोजन

इलाहाबाद एक्सप्रेस

प्रयागराज। मुक्त विवि में आजादी के 75वें अमृत महोत्सव के अवसर पर राष्ट्रधर्म एवं राष्ट्रवाद विषय पर मुख्य अतिथि इलाहाबाद हाईकोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति रणविजय सिंह ने कहा कि हम विश्व गुरु तभी हो सकते हैं जब हमारे अंदर समता, समरसता और सरलता का भाव हो। उन्होंने शिक्षकों से अपील की कि वे अपने मस्तिष्क का उपयोग राष्ट्रवाद के लिए करें।

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में शनिवार को आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने आगे कहा कि 'सर्वे भवंतु सुखिनः' को मानने एवं पालन करने वाले हम सभी अखिल ब्रह्मांड में व्याप्त हैं। लेकिन वर्तमान दौर में अत्यधिक सतर्कता और सजगता की आवश्यकता है। उन्होंने राष्ट्रवाद का उदाहरण देते हुए बताया कि सुभाष चंद्र बोस के एक आह्वान पर जनमानस अपना सर्वस्व न्योछावर करने के लिए तत्पर रहता था, यही राष्ट्रवाद है। उन्होंने कहा कि हमारा चिंतन समष्टिपरक है, इस कारण हम कभी भी विभेद कर ही नहीं सकते। हमारी संस्कृति में तो जीव के साथ-साथ प्राणी मात्र के कल्याण का भी विषय छुपा हुआ रहता है। जब हम विश्व कल्याण की बात करेंगे तो हमारा कल्याण स्वयं हो जाएगा।

विशिष्ट अतिथि प्रयागराज जोन के पुलिस महानिरीक्षक कविंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि किसी देश की पहचान उसके धर्म से ही होती है और बहुसंख्यक लोगों के आधार पर देश का धर्म बनता है। हमें इस बात की खुशी है कि आजादी के 75वें वर्ष पर आयोजित होने वाले अमृत महोत्सव में हम सभी शामिल हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि जब राष्ट्र में रहने वाले लोगों की मान्यताएं, धर्म, संस्थाएं इत्यादि एक सोच से प्रेरित होकर कार्य करने लगे तो वही राष्ट्रवाद है। उन्होंने कहा कि जब लोग गंभीरता से देश के कानून, परंपराएं एवं मान्यताओं को मानने लगते हैं तो इसे ही प्रखर राष्ट्रवाद कहा जाता है। लोग अपने अपने क्षेत्रों के मूल्यों का ईमानदारी से पालन करें तो इससे बढ़कर दूसरा राष्ट्रवाद नहीं हो सकता। हमारी पहचान इसलिए है कि हम सनातन हैं।

अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने कहा कि भूख, भय और भ्रष्टाचार जब तक हमारे देश से मिटेगा नहीं तब तक हम सही मायने में स्वतंत्रता की कल्पना नहीं कर सकते। उन्होंने भारतीय और पश्चिमी विचारधारा में अंतर करते हुए बताया कि पश्चिम की विचारधारा नस्ल से प्रभावित है, जबकि हमारी विचारधारा संस्कृति के प्रवाह से प्रभावित है। उन्होंने कहा कि सुख-दुःख के सम्भाव से ही देश का धर्म बनता है और यही राष्ट्रवाद है। अतिथियों का स्वागत कार्यक्रम संयोजक डॉ.सत्यपाल तिवारी एवं कार्यक्रम के बारे में जानकारी डॉ.आनंदानंद त्रिपाठी ने दी। संचालन डॉ.सुरेंद्र कुमार एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ.सतीश चंद जैसल ने किया।

www.sahajsatta.in
facebook.com/sahajsatta.allahabad
twitter.com/sahajsattaalla1

सहजसत्ता

सत्य की सत्ता को समर्पित

वर्ष 13 अंक 274
पृष्ठ-8
प्रयागराज
रविवार, 21 मार्च 2021
मूल्य 1.00 रुपये मात्र

4 :सबसे सफल मुख्यमंत्री और ...
8 :न्यूजीलैंड ने पहले वनडे में बांग्लादेश.
5 :सुशांत सिंह राजपूत की मौत ...

सभी एक सोच से प्रेरित होकर कार्य करने लगे, यही राष्ट्रवादः केपी सिंह

प्रयागराज(नि.सं)। मुक्त विवि में आजादी के 75वें अमृत महोत्सव के अवसर पर राष्ट्रधर्म एवं राष्ट्रवाद विषय पर मुख्य अतिथि इलाहाबाद हाईकोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति रणविजय सिंह ने कहा कि हम विश्व गुरु तभी हो सकते है जब हमारे अंदर समता, समरसता और सरलता का भाव हो। उन्होंने शिक्षकों से अपील की कि वे अपने मस्तिष्क का उपयोग राष्ट्रवाद के लिए करें।

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में शनिवार को आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने आगे कहा कि 'सर्वे भवंतु सुखिनः' को मानने एवं पालन करने वाले हम सभी अखिल ब्रह्मांड में व्याप्त है। लेकिन वर्तमान दौर में अत्यधिक सतर्कता और सजगता की आवश्यकता है। उन्होंने राष्ट्रवाद का उदाहरण देते हुए बताया कि सुभाष चंद्र बोस के एक आह्वान पर जनमानस अपना सर्वस्व न्योछावर करने के लिए तत्पर रहता था, यही राष्ट्रवाद है। उन्होंने कहा कि हमारा चिंतन समष्टिपरक है, इस कारण हम कभी भी विभेद कर ही नहीं सकते। हमारी संस्कृति में तो जीव के साथ-साथ प्राणी मात्र के कल्याण का भी विषय छुपा हुआ रहता है। जब हम विश्व कल्याण की बात करेंगे तो हमारा कल्याण स्वयं हो जाएगा।

विशिष्ट अतिथि प्रयागराज जोन के पुलिस महानिरीक्षक कविंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि किसी देश की पहचान उसके धर्म से ही होती है और बहुसंख्यक लोगों के आधार पर देश का धर्म बनता है। हमें इस बात की खुशी है कि आजादी के 75वें वर्ष पर आयोजित होने वाले अमृत महोत्सव में हम सभी शामिल हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि जब राष्ट्र में रहने वाले लोगों की मान्यताएं, धर्म, संस्थाएं इत्यादि एक सोच से प्रेरित होकर कार्य करने लगे तो वही राष्ट्रवाद है। उन्होंने कहा कि जब लोग गंभीरता से देश के कानून, परंपराएं एवं मान्यताओं को मानने लगते है तो इसे ही प्रखर राष्ट्रवाद कहा जाता है। लोग अपने अपने क्षेत्रों के मूल्यों का ईमानदारी से पालन करें तो इससे बढ़कर दूसरा राष्ट्रवाद नहीं हो सकता। हमारी पहचान इसलिए है कि हम सनातन हैं।

अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने कहा कि भूख, भय और भ्रष्टाचार जब तक हमारे देश से मिटेगा नहीं तब तक हम सही मायने में स्वतंत्रता की कल्पना नहीं कर सकते। उन्होंने भारतीय और पश्चिमी विचारधारा में अंतर करते हुए बताया कि पश्चिम की विचारधारा नस्ल से प्रभावित है, जबकि हमारी विचारधारा संस्कृति के प्रवाह से प्रभावित है। उन्होंने कहा कि सुख-दुःख के सम्भाव से ही देश का धर्म बनता है और यही राष्ट्रवाद है। अतिथियों का स्वागत कार्यक्रम संयोजक डॉ.सत्यपाल तिवारी एवं कार्यक्रम के बारे में जानकारी डॉ.आनंदानंद त्रिपाठी ने दी। संचालन डॉ.सुरेंद्र कुमार एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ.सतीश चंद जैसल ने किया।

दैनिक कर्मठ

राष्ट्रीय एकता के प्रति समर्पित

प्रयागराज, रविवार , 21 मार्च 2021 विक्रम संवत 2076 प्रातः संस्करण ईमेल -dainikkarmath@gmail.com पृष्ठ : 08

राष्ट्रवाद के लिए करें मस्तिष्क का उपयोग : न्यायमूर्ति रणविजय सिंह

मुक्त विश्वविद्यालय में राष्ट्रधर्म एवं राष्ट्रवाद पर व्याख्यान आयोजित

प्रयागराज।उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में शनिवार को आयोजित आजादी के 75 वें अमृत महोत्सव के अवसर पर राष्ट्रधर्म एवं राष्ट्रवाद विषय पर व्याख्यान देते हुए मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति श्री रणविजय सिंह ने कहा कि हम विश्व गुरु तभी हो सकते हैं जब हमारे अंदर समता, समरसता और सरलता का भाव हो। सर्वे भवंतु सुखिनरू को मानने एवं पालन करने वाले हम सभी अखिल ब्रह्मांड में व्याप्त हैं लेकिन वर्तमान दौर में अत्यधिक सतर्कता और सजगता की आवश्यकता है। राष्ट्रवाद का उदाहरण देते हुए न्यायमूर्ति सिंह ने बताया कि सुभाष चंद्र बोस के एक आह्वान पर जनमानस अपना सर्वस्व न्योछावर करने के लिए तत्पर रहता था, यही राष्ट्रवाद है। उन्होंने कहा कि हमारा चिंतन समष्टिपरक है, इस कारण हम कभी भी विभेद कर ही नहीं सकते। हमारी संस्कृति में तो जीव के साथ–साथ प्राणी मात्र के कल्याण का भी विषय छुपा हुआ रहता है। जब हम विश्वकल्याण की बात करेंगे तो हमारा कल्याण स्वयं हो जाएगा। उन्होंने विश्वविद्यालय के शिक्षकों से अपील की कि वे अपने मस्तिष्क का उपयोग राष्ट्रवाद के लिए करें।

विशिष्ट अतिथि प्रयागराज जोन के पुलिस महानिरीक्षक श्री कविंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि किसी देश की पहचान उसके धर्म से ही होती है और बहुसंख्यक लोगों के आधार पर देश का धर्म बनता है। उन्होंने कहा कि हमें इस बात की खुशी है कि आजादी के 75 वें वर्ष पर आयोजित होने वाले अमृत महोत्सव में हम सभी शरीक हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि जब राष्ट्र में रहने वाले लोगों की मान्यताएं, धर्म, संस्थाएं इत्यादि एक सोच से प्रेरित होकर कार्य करने लगे तो वही राष्ट्रवाद है। उन्होंने कहा कि जब लोग गंभीरता से देश के कानून, परंपराएं एवं मान्यताओं को मानने लगते हैं तो इसे ही प्रखर राष्ट्रवाद कहा जाता है। लोग अपने अपने क्षेत्रों के मूल्यों का ईमानदारी से पालन करें तो इससे बढ़कर दूसरा राष्ट्रवाद नहीं हो सकता। हमारी पहचान इसलिए है कि हम सनातन हैं।

अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने कहा कि भूख, भय और भ्रष्टाचार जब तक हमारे देश से मिटेगा नहीं तब तक हम सही मायने में स्वतंत्रता की कल्पना नहीं कर सकते। उन्होंने भारतीय और पश्चिमी विचारधारा में अंतर करते हुए बताया कि पश्चिम की विचारधारा नस्ल से प्रभावित है जबकि हमारी विचारधारा संस्कृति के प्रवाह से प्रभावित है। उन्होंने कहा कि सुख–दुरूख के सम्भाव से ही देश का धर्म बनता है और यही राष्ट्रवाद है। इससे पूर्व प्रारंभ में अतिथियों का स्वागत कार्यक्रम संयोजक डॉ सत्यपाल तिवारी ने किया। कार्यक्रम के बारे में डॉ आनंदानंद त्रिपाठी ने जानकारी दी। संचालन डॉ सुरेंद्र कुमार एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ सतीश चंद जैसल ने किया । इसके उपरांत सामूहिक समरसता सह भोज का आयोजन किया गया।

दैनिक लोकमित्र सच्चाई की जंग
वर्ष : 27 | अंक : 139
प्रतापगढ़ |रविवार , 21 मार्च-2021
पृष्ठ : 8 | मूल्य : 3 रुपये
प्रतापगढ़,लखनऊ, कौशाम्बी, एवं प्रयागराज से एक साथ प्रकाशित
संस्थापक : श्रद्धेय स्व. रामनिरंजन भगवन
प्रतिदिन की खबरों के लिए देखें www.dailylokmitra.com
R.N.I. No. : 71870/94

राष्ट्रवाद के लिए करें मस्तिष्क का उपयोग-न्यायमूर्ति रणविजय सिंह

मुक्त विश्वविद्यालय में राष्ट्रधर्म एवं राष्ट्रवाद पर व्याख्यान का आयोजन

लोकमित्र ब्यूरो

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में शनिवार को आयोजित आजादी के 75 वें अमृत महोत्सव के अवसर पर राष्ट्रधर्म एवं राष्ट्रवाद विषय पर व्याख्यान देते हुए मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति श्री रणविजय सिंह ने कहा कि हम विश्व गुरु तभी हो सकते हैं जब हमारे अंदर समता, समरसता और सरलता का भाव हो। सर्वे भवंतु सुखिनः को मानने एवं पालन करने वाले हम सभी अखिल ब्रह्मांड में व्याप्त हैं लेकिन वर्तमान दौर में अत्यधिक सतर्कता और सजगता की आवश्यकता है। राष्ट्रवाद का उदाहरण देते हुए न्यायमूर्ति सिंह ने बताया कि सुभाष चंद्र बोस के एक आह्वान पर जनमानस अपना सर्वस्व न्योछावर करने के लिए तत्पर रहता था, यही राष्ट्रवाद है। उन्होंने कहा कि हमारा चिंतन समष्टिपरक है, इस कारण हम कभी भी विभेद कर ही नहीं सकते। हमारी संस्कृति में तो जीव के साथ-साथ प्राणी मात्र के कल्याण का भी विषय छुपा हुआ रहता है। जब हम विश्वकल्याण की बात करेंगे तो हमारा कल्याण स्वयं हो जाएगा। उन्होंने विश्वविद्यालय के शिक्षकों से अपील की कि वे अपने मस्तिष्क का उपयोग राष्ट्रवाद के लिए करें।विशिष्ट अतिथि

प्रयागराज जोन के पुलिस महानिरीक्षक श्री कविंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि किसी देश की पहचान उसके धर्म से ही होती है और बहुसंख्यक लोगों के आधार पर देश का धर्म बनता है। उन्होंने कहा कि हमें इस बात की खुशी है कि आजादी के 75 वें वर्ष पर आयोजित होने वाले अमृत महोत्सव में हम सभी शरीक हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि जब राष्ट्र में रहने वाले लोगों की मान्यताएं, धर्म, संस्थाएं इत्यादि एक सोच से प्रेरित होकर कार्य करने लगे तो वही राष्ट्रवाद है। उन्होंने कहा कि जब लोग गंभीरता से देश के कानून, परंपराएं एवं मान्यताओं को मानने लगते हैं तो इसे ही प्रखर राष्ट्रवाद कहा जाता है। लोग अपने अपने क्षेत्रों के मूल्यों का ईमानदारी से पालन करें तो इससे बढ़कर दूसरा राष्ट्रवाद नहीं हो सकता।

हमारी पहचान इसलिए है कि हम सनातन हैं।अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने कहा कि भूख, भय और भ्रष्टाचार जब तक हमारे देश से मिटेगा नहीं तब तक हम सही मायने में स्वतंत्रता की कल्पना नहीं कर सकते। उन्होंने भारतीय और पश्चिमी विचारधारा में अंतर करते हुए बताया कि पश्चिम की विचारधारा नस्ल से प्रभावित है जबकि हमारी विचारधारा संस्कृति के प्रवाह से प्रभावित है। उन्होंने कहा कि सुख-दुख के सम्भाव से ही देश का धर्म बनता है और यही राष्ट्रवाद है।इससे पूर्व प्रारंभ में अतिथियों का स्वागत कार्यक्रम संयोजक डॉ सत्यपाल तिवारी ने किया। कार्यक्रम के बारे में डॉ आनंदानंद त्रिपाठी ने जानकारी दी। संचालन डॉ सुरेंद्र कुमार एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ सतीश चंद जैसल ने किया। इसके उपरांत सामूहिक समरसता सह भोज का आयोजन किया गया।

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र
36 वर्ष
स्वतंत्र चेतना
उत्तर प्रदेश, उत्तराखण्ड व नई दिल्ली से प्रकाशित
प्रयागराज
वर्ष 30,अंक 190
रविवार 21 मार्च ,2021
पृष्ठ 12 ₹4.00
www.swatantrachetnanews.com
गोरखपुर, लखनऊ, प्रयागराज, कानपुर, नई दिल्ली, हरिद्वार, वाराणसी ,आजमगढ़ व अयोध्या से प्रकाशित

राष्ट्रवाद के लिए करें मस्तिष्क का उपयोग : न्यायमूर्ति

प्रयागराज। मुक्त विवि में आजादी के 75वें अमृत महोत्सव के अवसर पर राष्ट्रधर्म एवं राष्ट्रवाद विषय पर मुख्य अतिथि इलाहाबाद हाईकोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति रणविजय सिंह ने कहा कि हम विश्व गुरु तभी हो सकते हैं जब हमारे अंदर समता,

सभी एक सोच से प्रेरित होकर कार्य करने लगे, यही राष्ट्रवाद: केपी सिंह मुक्त विवि में राष्ट्रधर्म एवं राष्ट्रवाद पर व्याख्यान का आयोजन

समरसता और सरलता का भाव हो। उन्होंने शिक्षकों से अपील की कि वे अपने मस्तिष्क का उपयोग राष्ट्रवाद के लिए करें।

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में शनिवार को आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने आगे कहा कि सर्वे भवंतु सुखिन : को मानने एवं पालन करने वाले हम सभी अखिल ब्रह्मांड में व्याप्त हैं। लेकिन वर्तमान दौर में अत्यधिक सतर्कता और सजगता की आवष्यकता है। उन्होंने राष्ट्रवाद का उदाहरण देते हुए बताया कि सुभाष चंद्र बोस के एक आह्वान पर जनमानस अपना सर्वस्व न्योछावर करने

के लिए तत्पर रहता था, यही राष्ट्रवाद है। उन्होंने कहा कि हमारा चिंतन समश्टिपरक है, इस कारण हम कभी भी विभेद कर ही नहीं सकते। हमारी संस्कृति में तो जीव के साथ–साथ प्राणी मात्र के कल्याण का भी विषय छुपा हुआ रहता है। जब हम विश्व कल्याण की बात करेंगे तो हमारा कल्याण स्वयं हो जाएगा। विशिष्ट अतिथि प्रयागराज जोन के पुलिस महानिरीक्षक कविंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि किसी देश की पहचान उसके धर्म से ही होती है और बहुसंख्यक लोगों के आधार पर देश का धर्म बनता है। हमें इस बात की खुशी है कि आजादी के 75 वें वर्ष पर आयोजित होने वाले अमष्त महोत्सव में हम सभी शामिल हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि जब राष्ट्र में रहने वाले लोगों की मान्यताएं, धर्म, संस्थाएं इत्यादि एक सोच से प्रेरित होकर कार्य करने लगे तो वही राष्ट्रवाद है। उन्होंने कहा कि जब लोग गंभीरता से देश के कानून, परंपराएं एवं मान्यताओं को मानने लगते हैं तो इसे ही प्रखर राष्ट्रवाद कहा जाता है। लोग अपने अपने क्षेत्रों के मूल्यों का ईमानदारी से पालन करें तो इससे बढ़कर दूसरा राष्ट्रवाद नहीं हो सकता।

हमारी पहचान इसलिए है कि हम सनातन हैं। अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने कहा कि भूख, भय और भ्रष्टाचार जब तक हमारे देश से मिटेगा नही तब तक हम सही मायने में स्वतंत्रता की कल्पना नही कर सकते। उन्होंने भारतीय और पष्चिमी विचारधारा में अंतर करते हुए बताया कि पष्चिम की विचारधारा नस्ल से प्रभावित है, जबकि हमारी विचारधारा संस्कृति के प्रवाह से प्रभावित है। उन्होंने कहा कि सुख–दु :ख के सम्भाव से ही देश का धर्म बनता है और यही राष्ट्रवाद है। अतिथियों का स्वागत कार्यक्रम संयोजक डॉ .सत्यपाल तिवारी एवं कार्यक्रम के बारे में जानकारी डॉ.आनंदानंद त्रिपाठी ने दी। संचालन डॉ.सुरेंद्र कुमार एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ.सतीष चंद जैसल ने किया।

JEEVAN EXPRESS PRAYAGRAJ

PRAYAGRAJ SUNDAY, 21 MARCH 2021

Use the brain for nationalism: Justice Ranvijay Singh

Lecture on Nationalism organized in Open University

STAFF REPORTER

PRAYAGRAJ: Lecture on nationalism was organized under the Amrit Mahotsava on 75th anniversary of independence at Uttar Pradesh Rajarshi Tandon Open University on Saturday. The chief guest at the lecture was Justice Ranvijay Singh, while guest of honor was IG range Kavindra Pratap Singh. Vice-Chancellor Prof. Kameshwar Nath Singh presided over the program.

While expressing his views on Nationalism Chief Guest Justice Ranvijay Singh said that, we can be 'Vishwa Guru' only when there is a sense of equality, harmony and simplicity in us. Citing the example of nationalism, Justice Singh said that on a call of Subhash Chandra Bose, the public was ready to sacrifice their all, this is nationalism. He said that our thinking is rational, hence we can never differentiate. In our culture, the subject of welfare of the creature as well as the creature remains hidden. When we talk of world welfare, our welfare will be our own. He motivated to university teachers to use their brains for nationalism.

Inspector General Prayagraj Range Kavindra Pratap Singh said that a country is identified by its religion and the religion of the country is formed on the basis of majority of the people. He said that when the beliefs, religions, institutions etc. of the people living in the nation started to work inspired by a thought, then that is nationalism. If people sincerely follow the values of their respective regions, then there can be no more nationalism than this.

While presiding over the program the Vice-Chancellor Professor Kameshwar Nath Singh said that it is only due to the possibility of happiness and sorrow that the religion of the country is formed and this is nationalism.

Earlier, the guests were welcomed by the program convenor Dr. Satyapal Tiwari. Dr. Anandanand Tripathi gave information about the program. The program was anchored by Dr. Surendra Kumar and the vote of thanks presented by Dr. Satish Chand Jaisal.

मुक्त चिंतन

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय

(उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित)

A Quarterly Bulletin of UP Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj

हम पहुंचे वहां पहुंचा न कोई जहां | 22 मार्च, 2021

पूर्व डी.आई.जी. एवं कर्नल पद पर कार्यरत विश्वविद्यालय के शिक्षार्थियों ने कुलपति से की मुलाकात

माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी से शिष्टाचार भेंट करते हुए श्री कृपा शंकर जी, पूर्व डी.आई.जी. एवं कर्नल दामोदरन जी, एन.सी.सी. ग्रुप हेडक्वाटर, प्रयागराज

मुक्त विश्वविद्यालय में अध्ययनरत एम.बी.ए. प्रथम वर्ष के विद्यार्थी श्री कृपा शंकर जी, पूर्व डी.आई.जी. उत्तर प्रदेश एवं एन.सी.सी. ग्रुप हेडक्वाटर, प्रयागराज में कर्नल पद पर कार्यरत दामोदरन जी ने दिनांक 22 मार्च, 2021 को प्रथम वर्ष की परीक्षा समाप्त होने के उपरान्त विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी से शिष्टाचार भेंट की तथा अपने अनुभवों को माननीय कुलपति जी से साझा करते हुए बताया कि मुक्त विश्वविद्यालय हमारे जैसे शिक्षार्थियों की उच्च शिक्षा के सपने को पूरा कर रहा है।

मुक्त चिंतन

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय

(उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित)

A Quarterly Bulletin of UP Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj

हम पहुंचे वहां पहुंचा न कोई जहां

22 मार्च, 2021

वित्त समिति की 45वीं बैठक आयोजित

माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, वित्त समिति की 45वीं बैठक दिनांक 22 मार्च, 2021 को अपराह्न 03:00 बजे कमेटी कक्ष में आहूत की गई। बैठक की अध्यक्षता प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह, माननीय कुलपति, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज ने की। बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गये।

बैठक में उ0 प्र0 शासन की ओर से डॉ0 राजीव पाण्डेय, क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी, श्री बी.के.सिंह, पूर्व आयुक्त, प्रयागराज मण्डल, प्रयागराज, श्री अजय कुमार सिंह, वित्त अधिकारी, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, डॉ0 पी.पी. दुबे, कुलसचिव (प्रभारी), उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज एवं सी.के. सिंह, परीक्षा नियंत्रक (परीक्षा नियंत्रक द्वारा नामित सदस्य), उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज उपस्थित रहे।

वित्त समिति की बैठक की अध्यक्षता करते हुए माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी एवं बैठक में उपस्थित सदस्यगण।

मुक्त चिंतन

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय

(उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित)

A Quarterly Bulletin of UP Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj

हम पहुंचे वहां पहुंचा न कोई जहां

25 मार्च, 2021

कार्य परिषद् की 117वीं बैठक आयोजित

मा0 कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, कार्य परिषद् की 117वीं बैठक दिनांक 25 मार्च, 2021 को अपराह्न: 03:30 बजे कमेटी कक्ष में आफ लाइन एवं जूम एप के माध्यम से आहूत की गई। बैठक की अध्यक्षता प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह, कुलपति, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज ने की। बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गये।

कार्य परिषद की बैठक की अध्यक्षता करते हुए माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी एवं बैठक में उपस्थित सदस्यगण।

बैठक में डॉ0 गोविन्द शेखर, अवकाश प्राप्त प्राचार्य, बहराइच, श्री सुशील गुप्ता, रायबरेली, डॉ0 नीरज अग्रवाल, प्रयागराज, डॉ0 ओमजी गुप्ता, निदेशक प्रबन्धन अध्ययन विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, (जूम एप के माध्यम) प्रो0 सत्यपाल तिवारी, निदेशक, मानविकी विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, प्रो0 पी0के0 पाण्डेय, आचार्य, शिक्षा विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज (जूम एप के माध्यम), डॉ0 आनन्दा नन्द त्रिपाठी, एसोसिएट प्रोफसर, समाज विज्ञान विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, डॉ0 दिनेश सिंह सहायक निदेशक/असिस्टेण्ट प्रोफसर, शिक्षा विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज (जूम एप के माध्यम), श्री अजय कुमार सिंह, वित्त अधिकारी, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज (विशेष आंमत्रित) एवं डॉ0 अरुण कुमार गुप्ता, कुलसचिव, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज उपस्थित रहे।

कार्य परिषद की बैठक की अध्यक्षता करते हुए माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी एवं बैठक में उपस्थित सदस्यगण।

दैनिक जागरण

Prayagraj, Friday 2 April 2021

PRAYAGRAJ EDITION

Pages 12

www.inextlive.com

दो माह बाद फिर ओपीडी बंद 05

रोमांस करते नजर आएंगे विकी और कृति 10

inext

NEXT TOPLINE

यूपीआरटीओयू में 15 अप्रैल तक दाखिले का मौका

prayagraj@inext.co.in

PRAYAGRAJ (1 April): उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन ओपेन यूनिवर्सिटी ने नए सेशन में दाखिले की डेट बढ़ा दी है. यूनिवर्सिटी ने दाखिले के लिए 15 अप्रैल तक का मौका दिया है. यह निर्णय केंद्र समन्वयकों एवं स्टूडेंट्स की डिमांड को देखते हुए कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने लिया है. प्रवेश प्रभारी डॉ ज्ञान प्रकाश यादव ने बताया कि जनवरी सेशन में पीजी डिप्लोमा, डिप्लोमा, प्रमाण पत्र और जागरूकता कार्यक्रम में प्रदेश के सभी क्षेत्रीय केंद्रों एवं अध्ययन केंद्रों पर ऑनलाइन प्रवेश संचालित किया जा रहा है. जनवरी सत्र में स्नातक एवं परास्नातक के द्वितीय एवं तृतीय वर्ष के शिक्षार्थी भी ऑनलाइन प्रवेश ले सकते हैं.

जनवरी 21 में यूजी व पीजी में नहीं होंगे फ्रेस एडमिशन

मीडिया प्रभारी डॉ प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि जनवरी 2021 में स्नातक एवं परास्नातक कक्षाओं में प्रथम वर्ष में नए प्रवेश नहीं लिए जाएंगे. उन्होंने बताया कि जनवरी- 2021 सेशन की प्रवेश प्रक्रिया 15 अप्रैल 2021 तक संचालित की जाएगी. जो भी शिक्षार्थी जागरूकता कार्यक्रम, प्रमाण पत्र कार्यक्रम, डिप्लोमा कार्यक्रम एवं पीजी डिप्लोमा कार्यक्रम में प्रवेश लेना चाह रहे हों, वह यूनिवर्सिटी की वेबसाइट एवं वेब लिंक पर रजिस्ट्रेशन कराते हुए अपना प्रवेश सुनिश्चित करा लें. डॉ मिश्र ने बताया कि यूनिवर्सिटी में यूजी व पीजी में पूर्व में नामांकित जनवरी सेशन के शिक्षार्थी परीक्षाफल का इंतजार किए बिना द्वितीय एवं तृतीय वर्ष में ऑनलाइन प्रवेश ले लें.

दैनिक जागरण

www.jagran.com

युवा जागरण

बेहतर शोध करने के लिए पांच शिक्षकों को मिले 14.20 लाख

जागरण संवाददाता, प्रयागराज : शोध और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए उच्च शिक्षा विभाग ने रिसर्च एंड डेवलपमेंट स्कीम के तहत राविवि के पांच शिक्षकों और मुक्त विवि की शिक्षिका को 14 लाख 20 हजार रुपये दिए हैं। उच्च शिक्षा विभाग के विशेष सचिव योगेंद्र दत्त त्रिपाठी की ओर से इसके आदेश जारी कर दिए गए हैं।

मुक्त विवि के कुलपति प्रोफेसर केएन सिंह ने बताया कि जनवरी में उनके पास दोनों विश्वविद्यालयों का प्रभार था। उन्होंने राज्य विवि से छह शिक्षकों से आवेदन कराए थे। सभी को शोध के लिए धनराशि स्वीकृत की गई। इनमें कॉमर्स विभाग की प्रोफेसर अर्चना पांडेय को 2.09 लाख, समाजकार्य विभाग की डा.

शिक्षकों को दिया गया हैस्कीम के तहत मेजर (बृहद) व माइनर (लघु) रिसर्च के लिए फंड, जारी कर दिया गया आदेश

गीतांजलि श्रीवास्तव को 1.20 लाख, प्राचीन इतिहास विभाग के डा. जितेंद्र सिंह नौलखा को 2.10 लाख, हिंदी विभाग की डा. अल्का मिश्रा को 2.04 लाख रुपये की फंड मिला है। जनसंपर्क अधिकारी डा. अविनाश कुमार श्रीवास्तव का कहना है कि मुविवि में सांख्यिकी विभाग की डा. श्रुति को 2.64 लाख के प्रोजेक्ट को हरी झंडी दी गई है। समाजकार्य विभाग के प्रोफेसर विवेक कुमार सिंह को 2.09 लाख और 2.04 लाख के दो प्रोजेक्ट को मंजूरी मिली है।

दैनिक कर्मठ

राष्ट्रीय एकता के प्रति समर्पित

प्रयागराज, शुक्रवार, 02 अप्रैल 2021 विक्रम संवत 2078 प्रातः संस्करण ईमेल -dainikkarmath@gmail.com पृष्ठ : 08

मुक्त विश्वविद्यालय में अब 15 अप्रैल तक प्रवेश

मुक्त विवि में अब ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया 15 अप्रैल तक बढ़ी

प्रयागराज।यह निर्णय केंद्र समन्वयकों एवं छात्रों की मांग पर कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने लिया। प्रवेश प्रभारी डॉ ज्ञान प्रकाश यादव ने बताया कि जनवरी सत्र में पीजी डिप्लोमा, डिप्लोमा, प्रमाण पत्र और जागरूकता कार्यक्रम में प्रदेश के सभी क्षेत्रीय केंद्रों एवं अध्ययन केंद्रों पर ऑनलाइन प्रवेश संचालित किया जा रहा है। जनवरी सत्र में स्नातक एवं परास्नातक के द्वितीय एवं तृतीय वर्ष के शिक्षार्थी भी ऑनलाइन प्रवेश ले सकते हैं। मीडिया प्रभारी डॉ प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि जनवरी 2021 में स्नातक एवं परास्नातक कक्षाओं में प्रथम वर्ष में नए प्रवेश नहीं लिए जाएंगे। उन्होंने बताया कि जनवरी– 2021सत्र की प्रवेश प्रक्रिया 15 अप्रैल 2021 तक संचालित की जाएगी। जो भी शिक्षार्थी जागरूकता कार्यक्रम, प्रमाण पत्र कार्यक्रम, डिप्लोमा कार्यक्रम एवं पीजी डिप्लोमा कार्यक्रम में प्रवेश लेना चाह रहे हों, वह विश्वविद्यालय की वेबसाइट एवं वेब लिंक पर पंजीकरण कराते हुए अपना प्रवेश सुनिश्चित करा लें।

डॉ मिश्र ने बताया कि विश्वविद्यालय में स्नातक एवं स्नातकोत्तर में पूर्व में नामांकित जनवरी सत्र के शिक्षार्थी परीक्षाफल का इंतजार किए बिना द्वितीय एवं तृतीय वर्ष में ऑनलाइन प्रवेश ले लें।

सम्पादकीय:- पश्चिम बंगाल में परिवर्तन की गूंज
लाइफ स्टाइल:- कंगना ने करण जोहर और
लखनऊ
शुक्रवार, 2 अप्रैल 2021 ई.
चैत्र मास कृष्ण पक्ष 5
सं. 2077 वि.
लखनऊ, कानपुर और दिल्ली से प्रकाशित
प्रकाशन का 74वां वर्ष
स्वतंत्र भारत
www.swatantrabharat.net
वर्ष 74 अंक 225 नगर संस्करण पृष्ठ 16 मूल्य 3.00 रुपये

मुविवि में अब १५ अप्रैल तक प्रवेश

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में सत्र जनवरी २०२१ में अब ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया १५ अप्रैल २०२१ तक बढ़ा दी गई है। यह निर्णय केंद्र समन्वयकों एवं छात्रों की मांग पर कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने लिया। प्रवेश प्रभारी डा.ज्ञान प्रकाश यादव ने बताया कि जनवरी सत्र में पीजी डिप्लोमा, डिप्लोमा, प्रमाण पत्र और जागरूकता कार्यक्रम में प्रदेश के सभी क्षेत्रीय केंद्रों एवं अध ययन केंद्रों पर ऑनलाइन प्रवेश संचालित किया जा रहा है। जनवरी सत्र में स्नातक एवं परास्नातक के द्वितीय एवं तृतीय वर्ष के शिक्षार्थी भी ऑनलाइन प्रवेश ले सकते हैं। मीडिया प्रभारी डा.प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि जनवरी २०२१ में स्नातक एवं परास्नातक कक्षाओं में प्रथम वर्ष में नए प्रवेश नहीं लिए जाएंगे। उन्होंने बताया कि जनवरी- २०२१सत्र की प्रवेश प्रक्रिया १५ अप्रैल २०२१ तक संचालित की जाएगी। जो भी शिक्षार्थी जागरूकता कार्यक्रम, प्रमाण पत्र कार्यक्रम, डिप्लोमा कार्यक्रम एवं पीजी डिप्लोमा कार्यक्रम में प्रवेश लेना चाह रहे हों, वह विश्वविद्यालय की वेबसाइट एवं वेब लिंक पर पंजीकरण कराते हुए अपना प्रवेश सुनिश्चित करा लें। डा.मिश्र ने बताया कि विश्वविद्यालय में स्नातक एवं स्नातकोत्तर में पूर्व में नामांकित जनवरी सत्र के शिक्षार्थी परीक्षाफल का इंतजार किए बिना द्वितीय एवं तृतीय वर्ष में ऑनलाइन प्रवेश ले लें।

दैनिक जागरण
युवा जागरण 5

मुक्त विवि में अब 15 अप्रैल तक दाखिला

जासं, प्रयागराज : उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में जनवरी-2021 सत्र में अब ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया 15 अप्रैल तक बढ़ा दी गई है। यह निर्णय केंद्र समन्वयकों एवं छात्रों की मांग पर कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने लिया है। प्रवेश प्रभारी डाक्टर ज्ञान प्रकाश यादव ने बताया कि जनवरी सत्र में स्नातक एवं परास्नातक के द्वितीय एवं तृतीय वर्ष के शिक्षार्थी भी ऑनलाइन प्रवेश ले सकते हैं। मीडिया प्रभारी डाक्टर प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि वेबसाइट एवं वेब लिंक पर पंजीकरण करा लें।

समय से पहले 'समय' पर नज़र
न्यायाधीश
प्रयागराज, शुक्रवार,02 अप्रैल, 2021

मुक्त विश्वविद्यालय में अब 15 तक प्रवेश

प्रयागराज।उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में सत्र जनवरी 2021 में अब ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया 15 अप्रैल 2021 तक बढ़ा दी गई है। यह निणान्य केंद्र समन्वयकों एवं छात्रों की मांग पर कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने लिया।

प्रवेश प्रभारी डॉ ज्ञान प्रकाश यादव ने बताया कि जनवरी सत्र में पीजी डिप्लोमा, डिप्लोमा, प्रमाण पत्र और जागरूकता कार्यक्रम में प्रदेश के सभी क्षेत्रीय केंद्रों एवं अध्ययन केंद्रों पर ऑनलाइन प्रवेश संचालित किया जा रहा है। जनवरी सत्र में सनतक एवं परासनतक के द्वितीय एवं तृतीय वर्ष के शिक्षार्थी भी ऑनलाइन प्रवेश ले सकते है।

मीडिया प्रभारी डॉ प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि जनवरी 2021 में सनतक एवं परासनतक कक्षाओं में प्रथम वर्ष में नए प्रवेश नहीं लिए जाएंगे। उन्होंने बताया कि जनवरी- 2021सत्र की प्रवेश प्रक्रिया 15 अप्रैल 2021 तक संचालित की जाएगी। जो भी शिक्षार्थी जागरूकता कार्यक्रम, प्रमाण पत्र कार्यक्रम, डिप्लोमा कार्यक्रम एवं पीजी डिप्लोमा कार्यक्रम में प्रवेश लेना चाह रहे हों, वह विश्वविद्यालय की वेबसाइट एवं वेब लिंक पर पंजीकरण कराते हुए अपना प्रवेश सुनिश्चित करा लें।

डॉ मिश्र ने बताया कि विश्वविद्यालय में सनतक एवं सनतकोत्तर में पूर्व में नामांकित जनवरी सत्र के शिक्षार्थी परीक्षाफल का इंतजार किए बिना द्वितीय एवं तृतीय वर्ष में ऑनलाइन प्रवेश ले लें।

प्रयागराज, शुक्रवार, 2 अप्रैल, 2021
परख सच की
जनसंदेश टाइम्स
प्रयागराज, वाराणसी, लखनऊ, कानपुर एवं गोरखपुर से प्रकाशित

मुक्त विश्वविद्यालय में अब 15 अप्रैल तक प्रवेश

राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया 15 अप्रैल तक

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज में प्रवेश परीक्षा 15 अप्रैल तक बढ़ा दी गई है ' यह निर्णय केंद्र समन्वयकों एवं छात्रों की मांग पर कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने लिया।

प्रवेश प्रभारी डॉ ज्ञान प्रकाश यादव ने बताया कि जनवरी सत्र में पीजी डिप्लोमा, डिप्लोमा, प्रमाण पत्र और जागरूकता कार्यक्रम में प्रदेश के सभी क्षेत्रीय केंद्रों एवं अध्ययन केंद्रों पर ऑनलाइन प्रवेश संचालित किया जा रहा है। जनवरी सत्र में स्नातक एवं परास्नातक के द्वितीय एवं तृतीय वर्ष के शिक्षार्थी भी ऑनलाइन प्रवेश ले सकते हैं।

मीडिया प्रभारी डॉ प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि जनवरी 2021 में स्नातक एवं परास्नातक कक्षाओं में प्रथम वर्ष में नए प्रवेश नहीं लिए जाएंगे। उन्होंने बताया कि जनवरी-2021सत्र की प्रवेश प्रक्रिया 15 अप्रैल 2021 तक संचालित की जाएगी। जो भी शिक्षार्थी जागरूकता कार्यक्रम, प्रमाण पत्र कार्यक्रम, डिप्लोमा कार्यक्रम एवं पीजी डिप्लोमा कार्यक्रम में प्रवेश लेना चाह रहे हों, वह विश्वविद्यालय की वेबसाइट एवं वेब लिंक पर पंजीकरण कराते हुए अपना प्रवेश सुनिश्चित करा लें। डॉ मिश्र ने बताया कि विश्वविद्यालय में स्नातक एवं स्नातकोत्तर में पूर्व में नामांकित जनवरी सत्र के शिक्षार्थी परीक्षाफल का इंतजार किए बिना द्वितीय एवं तृतीय वर्ष में ऑनलाइन प्रवेश ले लें।

दैनिक जिंदा सच
ASPIRE LIBRARY
शुक्रवार 02 अप्रैल 2021

मुक्त विश्वविद्यालय में अब 15 अप्रैल तक प्रवेश

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया 15 अप्रैल 2021 तक बढ़ाई गई निर्णय केंद्र समन्वयकों एवं छात्रों की मांग पर कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने लिया

सुधीर सिंन्हा

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविधयालय प्रयागराज के प्रवेश प्रभारी डॉ ज्ञान प्रकाश यादव के अनुसार, जनवरी सत्र में पीजी डिप्लोमा, डिप्लोमा, प्रमाण पत्र और जागरूकता कार्यक्रम में प्रदेश के सभी क्षेत्रीय केंद्रों एवं अध्ययन केंद्रों पर ऑनलाइन प्रवेश संचालित किया जा रहा है। इसीक्रम ने जनवरी सत्र में स्नातक एवं परास्नातक के द्वितीय एवं तृतीय वर्ष के शिक्षार्थी भी ऑनलाइन प्रवेश ले सकते हैं।विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि जनवरी 2021 में स्नातक एवं परास्नातक कक्षाओं में प्रथम वर्ष में नए प्रवेश नहीं लिए जाएंगे और जनवरी– 2021 सत्र की प्रवेश प्रक्रिया 15 अप्रैल 2021 तक संचालित की जाएगी। जो भी शिक्षार्थी जागरूकता कार्यक्रम, प्रमाण पत्र कार्यक्रम, डिप्लोमा कार्यक्रम एवं पीजी डिप्लोमा कार्यक्रम में प्रवेश लेना चाह रहे हों, वह विश्वविद्यालय की वेबसाइट एवं वेब लिंक पर पंजीकरण कराते हुए समय से अपना प्रवेश सुनिश्चित करा लें।

डॉ मिश्र ने बताया कि विश्वविद्यालय में स्नातक एवं स्नातकोत्तर में पूर्व में नामांकित जनवरी सत्र के शिक्षार्थी परीक्षाफल का इंतजार किए बिना ही द्वितीय एवं तृतीय वर्ष में ऑनलाइन प्रवेश ले सकते है।

PHIN/2012/44803 हिन्दी दैनिक Email : harbaatft

हरबात

फतेहपुर और प्रयागराज से एक साथ प्रकाशित

अंक : 71 फतेहपुर, शुक्रवार, 02 अप्रैल, 2021, पृष्ठ : 8 मूल्य : 1

मुक्त विश्वविद्याालय में अब 15 अप्रैल तक प्रवेश

प्रयागराज।उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में सत्र जनवरी 2021 में अब ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया 15 अप्रैल 2021 तक बढ़ा दी गई है। यह निणय केंद्र समन्वयकों एवं छात्रों की मांग पर कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने लिया।प्रवेश प्रभारी डॉ ज्ञान प्रकाश यादव ने बताया कि जनवरी सत्र में पीजी डिप्लोमा, डिप्लोमा, प्रमाण पत्र और जागरूकता कार्यक्रम में प्रदेश के सभी क्षेत्रीय केंद्रों एवं अध्ययन केंद्रों पर ऑनलाइन प्रवेश संचालित किया जा रहा है। जनवरी सत्र में सनतक एवं परासनतक के द्वितीय एवं तृतीय वर्ष के शिक्षार्थी भी ऑनलाइन प्रवेश ले सकते है।मीडिया प्रभारी डॉ प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि जनवरी 2021 में सनतक एवं परासनतक कक्षाओं में प्रथम वर्ष में नए प्रवेश नहीं लिए जाएंगे। उन्होंने बताया कि जनवरी- 2021सत्र की प्रवेश प्रक्रिया 15 अप्रैल 2021 तक संचालित की जाएगी। जो भी शिक्षार्थी जागरूकता कार्यक्रम, प्रमाण पत्र कार्यक्रम, डिप्लोमा कार्यक्रम एवं पीजी डिप्लोमा कार्यक्रम में प्रवेश लेना चाह रहे हों, वह विश्वविद्यालय की वेबसाइट एवं वेब लिंक पर पंजीकरण कराते हुए अपना प्रवेश सुनिश्चित करा लें। डॉ मिश्र ने बताया कि विश्वविद्यालय में सनतक एवं सनतकोत्तर में पूर्व में नामांकित जनवरी सत्र के शिक्षार्थी परीक्षाफल का इंतजार किए बिना द्वितीय एवं तृतीय वर्ष में ऑनलाइन प्रवेश ले लें।

राजर्षि टंडन मुक्त विवि में 15 अप्रैल तक ले सकते हैं प्रवेश

नोएडा। सेक्टर-62 स्थित राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय ने प्रवेश आवेदन की तिथि 31 मार्च से बढ़ाकर 15 अप्रैल कर दी है। क्षेत्रीय समन्वयक डॉ. कविता त्यागी ने बताया कि सत्र जनवरी-2021 में नए विद्यार्थी सिर्फ जागरूकता, सर्टिफिकेट, डिप्लोमा, पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा आदि कार्यक्रमों में प्रवेश ले सकते हैं। इच्छुक विद्यार्थी विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.uprtou.ac.in पर जाकर शुल्क जमा कर अपना प्रवेश 15 अप्रैल तक सुनिश्चित करा सकते हैं। ब्यूरो

वर्ष : 27 | अंक : 150
प्रयागराज शुक्रवार , 2 अप्रैल-2021
पृष्ठ : 8 | मूल्य : 3 रुपये

दैनिक सच्चाई की जंग

लोकमित्र

प्रतापगढ़, लखनऊ, कौशाम्बी, एवं प्रयागराज से एक साथ प्रकाशित

संस्थापक : श्रद्धेय स्व. रामनिरंजन भगवान प्रतिदिन की खबरों के लिए देखें www.dailylokmitra.com R.N.I. No. : 71870/94

मुक्त विश्वविद्यालय में अब 15 अप्रैल तक प्रवेश

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में सत्र जनवरी 2021 में अब ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया 15 अप्रैल 2021 तक बढ़ा दी गई है। यह निर्णय केंद्र समन्वयकों एवं छात्रों की मांग पर कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने लिया। प्रवेश प्रभारी डॉ ज्ञान प्रकाश यादव ने बताया कि जनवरी सत्र में पीजी डिप्लोमा, डिप्लोमा, प्रमाण पत्र और जागरूकता कार्यक्रम में प्रदेश के सभी क्षेत्रीय केंद्रों एवं अध्ययन केंद्रों पर ऑनलाइन प्रवेश संचालित किया जा रहा है। जनवरी सत्र में स्नातक एवं परास्नातक के द्वितीय एवं तृतीय वर्ष के शिक्षार्थी भी ऑनलाइन प्रवेश ले सकते हैं।मीडिया प्रभारी डॉ प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि जनवरी 2021 में स्नातक एवं परास्नातक कक्षाओं में प्रथम वर्ष में नए प्रवेश नहीं लिए जाएंगे। उन्होंने बताया कि जनवरी- 2021सत्र की प्रवेश प्रक्रिया 15 अप्रैल 2021 तक संचालित की जाएगी।